नई दिल्ली

सोमवार 1 जून 2026

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा वर्ष : 30, अंक : 43

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम

अधि. 36.0

न्यून. 24.0

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जीटी को पीटी करवा दी, बल्लेबाजी में सरेंडर.. गेंदबाज़ी में भी सरेंडर

रॉयल चैंपियन बेंगलुरु... इंदौर के रजत की कप्तानी में स्वर्णिम जीत

1 मप्र के बेटे रजत पाटीदार ने लगातार 2 आईपीएल का खिताब जीता, धोनी व रोहित की बराबरी की

2 विराट ने नाबाद 75 रन बनाए...विनिंग शॉट में छक्का उड़ाया

3 जीटी का एक बल्लेबाज ही 50 रन पार कर पाया बाकी 20 के अंदर ही सिमटे

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में गुजरात को 5 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया है। आरसीबी ने गुजरात द्वारा दिए गए लक्ष्य को 12 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। इससे पहले आईपीएल 2025 का खिताब भी आरसीबी ने ही अपने नाम किया था। लगातार दो बार आईपीएल जीतने के साथ ही आरसीबी अब मुंबई इंडियंस (2019, 2020)

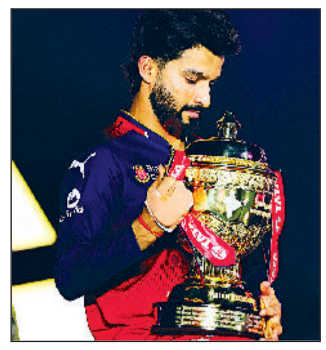

और चेन्नई सुपर किंग्स (2010, 2011) के उस खास एलीट क्लब में शामिल हो गई है, जिन्होंने अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया है। बेंगलुरु के तेज गेंदबाजों ने ▸▸ शेष पेज 7 पर

रजत की कप्तानी में आरसीबी ने रचा इतिहास

रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। शुरुआती 17 सीजन तक एक भी ट्रॉफी न जीतने वाली आरसीबी ने 18वें और 19वें सीजन में लगातार दो खिताब अपने नाम किए। इसके साथ ही रजत पिछले छह वर्षों में सबसे सफल कप्तान बन गए हैं।रजत से पहले केवल रोहित शर्मा (मुंबई इंडियंस, 2019-2020) और एमएस धोनी (सीएसके, 2010-2011) ही लगातार दो खिताब जीत सके थे। रजत पाटीदार एक से ज्यादा ट्रॉफी जीतने वाले देश के चौथे कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने गौतम गंभीर (2 खिताब) की बराबरी कर ली है। उनकी कप्तानी में आरसीबी ने 28 में से 20 मैचों में शानदार जीत दर्ज की है।

वैभव सूर्यवंशी के नाम रही ऑरेंज कैप

वैभव सूर्यवंशी को ऑरेंज कैप मिला। उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज के सबसे ज्यादा रन हैं। सूर्यवंशी के बाद गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल (732 रन) और साई सुदर्शन (722 रन) हैं। दोनों बैटर आउट हो चुके हैं।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

खराब मौसम केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से बंद

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के

मद्देनजर प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। पर्वतीय क्षेत्रों में जारी मूसलाधार बारिश और आगामी घंटों में तेज तूफान की आशंका को देखते हुए सुरक्षा के लिए यह निर्णय लिया गया है।

पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम निर्यातकों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने 1 जून से

पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर एक्सपोर्ट ड्यूटी (निर्यात शुल्क) घटाने का ऐलान किया है। नई दरें अगले 15 दिनों के चक्र के लिए प्रभावी होंगी। युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हुई हैं।

आईपीएस राजीव कृष्ण बने यूपी के स्थायी डीजीपी

लखनऊ। उप्र सरकार ने 1991 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण को राज्य

का नया डीजीपी नियुक्त किया है। शासन द्वारा आदेश जारी होने के बाद उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। राजीव कृष्ण इससे पहले कार्यवाहक डीजीपी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। तत्कालीन डीजीपी प्रशांत कुमार के सेवानिवृत्त हो गए हैं।

मन की बात में गूंजा छत्तीसगढ़ का गौरव

अबूझमाड़ के उस मैदान में ग्रामीणों ने सुनी 'मन की बात', जहां कभी लगती थीं नक्सली सभाएं

- छग के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा – यह बदलते बस्तर, प्रदेश की प्रतिभा और विरासत को राष्ट्रीय सम्मान मिलने का क्षण

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 134वीं कड़ी ने रविवार को छत्तीसगढ़ में बदलते बस्तर और नए भारत की एक प्रेरक तस्वीर प्रस्तुत की। अबूझमाड़ के जिस मैदान में कभी नक्सलियों की सभाएं लगती थीं, वहीं आज ग्रामीणों ने एकजुट होकर पूरे उत्साह के साथ प्रधानमंत्री की 'मन की बात' सुनी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के युवा धावक अनिमेष कुजूर और पंजाब के गुरविंदर सिंह की उपलब्धियों का जिस आत्मीयता और प्रेरक शैली में उल्लेख किया, वह देश के युवाओं में नई ऊर्जा भरने वाला है। प्रधानमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों से संवाद करते हुए बताया कि पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में महज दो दिनों के भीतर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा, जो भारतीय खेलों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और नए आत्मविश्वास का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर के छोटे से गांव से निकलकर अनिमेष कुजूर का 10.15 सेकंड में दौड़ पूरी कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाना और राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए क्वालीफाई करना पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री और अनिमेष कुजूर के बीच हुए संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी की सोच विशेष रूप से प्रेरक है। प्रधानमंत्री से बातचीत में अनिमेष ने बताया कि किस प्रकार कोविड काल के दौरान खेल के प्रति रुचि बढ़ी, साथियों के प्रोत्साहन से एथलेटिक्स में प्रवेश हुआ और कठिन चुनौतियों तथा संदेहों के बावजूद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि 'मन की बात' में बिलासपुर जिले के ऐतिहासिक मल्हार में मिली प्राचीन ताम्र-पट्टिकाओं का उल्लेख छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाला क्षण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 1400 से 1500 वर्ष पुरानी मानी जा रही ये ताम्र-पट्टिकाएं पांडुवंशी शासनकाल, विशेष रूप से महर्षि बालार्जुन काल से जुड़ी मानी जा रही हैं, जो उस समय की शासन व्यवस्था, संस्कृति, धर्म और सामाजिक जीवन की महत्वपूर्ण जानकारी देती हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन ब्राह्मी लिपि और पाली भाषा में लिखी गई यह धरोहर छत्तीसगढ़ की गौरवशाली ऐतिहासिक परंपरा का सशक्त प्रमाण है।

10 राज्यों की 24 सीटों पर 18 जून को मतदान, उम्मीदवार चयन में जातीय-सामाजिक समीकरणों पर मंथन तेज, कांग्रेस के लिए 6 सीटों का मौका

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का मंथन तेज खड़गे से कमलनाथ तक कई बड़े नाम चर्चा में

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

राज्यसभा की 24 सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अंदरूनी मंथन तेज कर दिया है। चुनाव आयोग ने 10 राज्यों की इन सीटों के लिए 18 जून को मतदान की घोषणा की है। इन चुनावों में कांग्रेस के पास लगभग छह सीटें जीतने का अवसर माना जा रहा है। सबसे ज्यादा चर्चा कर्नाटक, मध्य प्रदेश, झारखंड और राजस्थान को लेकर है, जहां उम्मीदवारों के चयन में संगठनात्मक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और भविष्य की राजनीतिक रणनीति को ध्यान में रखा जा रहा है। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की सबसे मजबूत स्थिति कर्नाटक में दिखाई दे रही है। राज्य विधानसभा में कांग्रेस के पास स्पष्ट बहुमत है और 4 सीटों पर होने वाले चुनाव में पार्टी सभी सीटें जीतने की स्थिति में मानी जा रही है। इसी कारण कर्नाटक से कई बड़े नामों की चर्चा शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता ने विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक बार फिर राज्यसभा भेजा जा सकता है। उनके अलावा निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धरमैया का नाम भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा में है, हालांकि इस पर अंतिम निर्णय लेते हुए सिद्धरमैया ने कर्नाटक छोड़ कर दिल्ली की राजनीति करने से मना कर दिया है। तेलंगाना कांग्रेस की प्रमुख नेता वाईएस शर्मिला का नाम भी संभावित उम्मीदवारों में लिया जा रहा है। यदि ऐसा होता है तो कांग्रेस दक्षिण भारत में महिला नेतृत्व और क्षेत्रीय संतुलन का संदेश देने की कोशिश कर सकती है। दो दिन पहले ही उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात की थी । मध्य प्रदेश में 3 सीटों पर चुनाव होना है। विधानसभा में संख्या बल के आधार पर कांग्रेस एक सीट जीतने की स्थिति में दिखाई दे रही है। यहीं से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का नाम सबसे मजबूत दावेदार के रूप में सामने आ रहा है। कांग्रेस के भीतर यह चर्चा भी चल रही है कि यदि पार्टी संगठन को प्राथमिकता देती है तो वरिष्ठ नेता मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा भेजा जा सकता है। मीनाक्षी नटराजन राहुल गांधी की करीबी नेताओं में मानी जाती हैं और संगठनात्मक स्तर पर उनकी सक्रिय भूमिका रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस का फैसला केवल एक राज्यसभा सीट का मामला नहीं होगा, बल्कि यह भी संकेत देगा कि पार्टी भविष्य में अनुभवी नेताओं या संगठनात्मक चेहरों में किसे प्राथमिकता देना चाहती है। झारखंड में दो सीटों पर चुनाव होना है। यहां कांग्रेस और झामुमो के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत ▸▸ शेष पेज 7 पर

युद्धक क्षमता बढ़ाना प्राथमिकता

एडमिरल कृष्णा ने संभाला नौसेना प्रमुख का पदभार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने रविवार को

- दिनेश कुमार त्रिपाठी का लिया स्थान

भारतीय नौसेना के 27वें प्रमुख के रूप में आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्हें साउथ ब्लॉक परिसर में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लिया ▸▸ शेष पेज 7 पर

ट्विशा डेथ केस में अहम सबूत

आरक्षक के 34 मिनट के वीडियो में घटना की सच्चाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

ट्विशा डेथ केस की जांच में भोपाल पुलिस के

- सीबीआई ने की पुरस्कार की सिफारिश

आरक्षक राघवेंद्र सिंह पटेल की बनाई गई 34 मिनट की वीडियोग्राफी सबसे अहम साक्ष्य साबित हुई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आरक्षक की इस पेशेवर कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए राज्य सरकार से उन्हें पुरस्कृत करने की सिफारिश की है। जांच के शुरुआती दौर में जब स्थानीय पुलिस ▸▸ शेष पेज 7 पर

फ्रेंच ओपनः दिग्गजों की कब्रगाह बनता रोलां गैरो

पेरिस से डॉ. हिमांशु द्विवेदी

हरिभूमि खास

जैसे मुट्ठी में रेत को लंबे समय तक संभालकर रखना बेहद कठिन होता है, वैसे ही टेनिस की दुनिया में रेत के मैदान पर अपनी बादशाहत कायम रखना भी असाधारण चुनौती है। इसीलिए क्ले कोर्ट को टेनिस जगत की सबसे कठिन परीक्षा माना जाता है। राफेल नडाल और ब्योन बोर्ग ही इस नियम के अपवाद थे, जिन्होंने वर्षों तक फ्रेंच ओपन पर ऐसा आधिपत्य स्थापित किया जिसे खेल इतिहास की महानतम उपलब्धियों में गिना जाएगा। लेकिन अधिकांश महान खिलाड़ी उस स्वप्न को साकार नहीं कर पाते। क्ले कोर्ट यानि रेतीला मैदान इस बार तो तमाम दिग्गज खिलाड़ियों की उम्मीदों का कब्रगाह बनता जा रहा है। क्या यह अपने आप में आश्चर्यजनक नहीं है कि टूर्नामेंट के शुरुआती तीन दौर पूरा होने तक पुरुष वर्ग के शीर्ष दस वरीय खिलाड़ियों में से आधे से अधिक बाहर हो चुके हैं? कार्लोस अल्काराज तो फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण पहले ही प्रतियोगिता से दूर थे, लेकिन यानिक सिनर, नोवाक जोकोविच और डेनियल मेदवेदेव जैसे बड़े नाम भी क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में भी नाकाम रहे। कुछ तो दूसरे और तीसरे दौर में ही विदा हो गए। यह दर्शाता है कि रोलां गैरो की चुनौती केवल प्रतिभा या रैंकिंग के बल पर पार नहीं की जा सकती। दरअसल, फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट खिलाड़ियों के धैर्य, संयम, एकाग्रता, शारीरिक सामर्थ्य, मानसिक दृढ़ता और तकनीकी कुशलता की कठोर परीक्षा लेता है। यहां गति से कहीं अधिक महत्व धैर्य का है। हार्ड कोर्ट और घास के मैदानों पर अपनी विस्फोटक सर्विस से प्रतिद्वंद्वी को असहाय कर देने वाले खिलाड़ी यहाँ अक्सर एक-एक अंक के लिए संघर्ष करते नजर आते हैं। क्ले कोर्ट पर गेंद टप्पा खाने के बाद अपनी गति खो देती है, रैलियां लंबी हो जाती हैं और अंक जीतने के लिए बार-बार नए अवसर बनाने पड़ते हैं। ऐसे में पैरों की चपलता, कोर्ट कवरेज और मानसिक दृढ़ता ही खिलाड़ी की सबसे बड़ी पूंजी बन जाती है। जहाँ अन्य टूर्नामेंटों में कई मुकाबले अपेक्षाकृत तेजी से समाप्त हो जाते हैं, वहीं फ्रेंच ओपन में पाँच सेट तक चलने वाली थकाऊ लड़ाईयां सामान्य बात ▸▸ शेष पेज 7 पर

देशभर के केवीके, आईसीएआर के संस्थान, कृषि विश्वविद्यालय और सभी राज्य तंत्र एक मंच पर

रायसेन से आज शुरू होगा खेत बचाओ अभियान शिवराज ने मुख्यमंत्रियों से की फोन पर चर्चा

- संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती, नकली खाद-बीज पर प्रहार-'खेत बचाओ अभियान' का बहुआयामी रोडमैप तैयार
- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह भी अभियान के दौरान विभिन्न राज्यों में गांवों में जाकर किसानों से करेंगे सीधा संवाद

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से एक जून से होने वाले 'खेत बचाओ अभियान' के राष्ट्रीय शुभारंभ से पूर्व, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री

शिवराज सिंह चौहान ने रविवारको देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों, आईसीएआर संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ कृषि अधिकारियों तथा किसान हित में कार्यरत साथियों से वर्चुअल संवाद कर अभियान को जनभागीदारी, वैज्ञानिक दृष्टि और राष्ट्रीय दायित्व के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया। शिवराज सिंह ने इस महत्वपूर्ण अभियान में शामिल होने के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर चर्चा की है, वहीं वे केंद्रीय मंत्रियों और अन्य सभी जनप्रतिनिधियों से भी सहभागिता की अपील कर रहे हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती मां को बचाने, खेती का भविष्य सुरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा करने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने कहा कि बढ़ता तापमान, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों ▸▸ शेष पेज 7 पर

सीबीएसई से पूरे मामले पर स्पष्टीकरण देने की मांग

झारखंड के एक छात्र ने उठाए सीबीएसई पर सवालः टेंडर प्रक्रिया में 15 गड़बड़ियों का दावा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली से जुड़े एक टेंडर को लेकर झारखंड के 12वीं कक्षा के छात्र सार्थक सिद्धांत ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। छात्र ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई द्वारा जारी किए गए टेंडर दस्तावेजों, आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) के विभिन्न संस्करणों की तुलना करने पर कम से कम 15 ऐसी विसंगतियां सामने आई हैं, जो टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाती हैं। सार्थक सिद्धांत का कहना ▸▸ शेष पेज 7 पर

टीसीएस बनाम कोएमप्ट की चर्चा

सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में देश की प्रमुख आईटी और परीक्षा प्रबंधन कंपनियों का भी उल्लेख किया है। उसका दावा है कि टेंडर की मूल शर्तें बड़ी और अनुभवी कंपनियों के पक्ष में थीं, लेकिन बाद में किए गए बदलावों से कोएमप्ट मेट जैसी कंपनी को लाभ मिला। उसने यह भी कहा कि यह बदलाव किसी सामान्य प्रशासनिक संशोधन की तरह नहीं दिखते, बल्कि एक पैटर्न का संकेत देते हैं, जिसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।

कौन है कोएम्पट?

छात्र ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि कोएम्पट का पूर्व नाम ₹ग्लोबरानाा₹ था और उसका रिकॉर्ड विवादों से जुड़ा रहा है। उसने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी के पूर्व कार्यकाल को लेकर कई गंभीर सवाल उठ चुके हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

सोशल मीडिया पर चर्चा तेज

सार्थक सिद्धांत के दावों का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यह मामला तेजी से चर्चा का विषय बन गया है। कई शिक्षाविदों, अभिभावकों और छात्रों ने सीबीएसई से पूरे मामले पर स्पष्टीकरण देने और टेंडर प्रक्रिया को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करने की मांग की है।

सीबीएसई की प्रतिक्रिया का इंतजार

फिलहाल सीबीएसई की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यदि छात्र द्वारा उठाए गए प्रश्नों में तथ्यात्मक आधार पाया जाता है तो यह मामला केवल एक टेंडर विवाद तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश की सबसे बड़ी स्कूली परीक्षा संस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही से भी जुड़ ▸▸ शेष पेज 7 पर

दिव्यांगों की सुगम पहुंच के लिए उपराज्यपाल से लगाई गुहार

■ पीतमपुरा : मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए दिव्यांग-अनुकूल गेट निर्माण की अनुमति मांगी

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

राजधानी में दिव्यांगजनों के लिए सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की मांग को लेकर सोसायटी फॉर रिहैबिलिटेशन एंड वेलफेयर ऑफ द डिफरेंटली एबल्ड ने उपराज्यपाल से हस्तक्षेप की अपील की है। संस्था के संस्थापक प्रमोद शर्मा ने राजनिवास को भेजे पत्र में पीतमपुरा स्थित एक आवासीय परिसर और उससे सटे पार्क के लिए दिव्यांग-अनुकूल गेट के निर्माण की अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया है। पत्र के अनुसार, फ्लैट नंबर 105-ए, ग्राउंड फ्लोर, रथ वाला मंदिर रोड, ए.पी. ब्लॉक, पीतमपुरा में रहने वाले डॉ. राम किशन, जो स्वयं दिव्यांग हैं, को आवागमन में कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। संस्था का कहना है कि फ्लैट से सटे पार्क और मुख्य मार्ग के बीच सीधी, सुरक्षित और सुगम पहुंच उपलब्ध कराने के लिए एक विशेष गेट का निर्माण आवश्यक है। इस संबंध में मुख्यमंत्री, दिल्ली के महापौर, मुख्य सचिव, एमसीडी आयुक्त, केशवपुरम जोन के अधिकारियों, स्थानीय पार्षदों और अन्य संबंधित अधिकारियों को भी पत्र की प्रतिलिपि भेजी गई है।

पुलिस से मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के मुंडका इलाके में पुलिस के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद चार आपराधिक मामलों में वांछित हिमांशु भाऊ गिरोह के एक कथित सदस्य को गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान 26 वर्षीय आशीष उर्फ डॉन के रूप में हुई है, जिसे यूईआर-दो अंडरपास के पास उसकी गतिविधियों के बारे में मिली सूचना के बाद शनिवार रात को एक टीम ने पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, आशीष के अपने एक सहयोगी से मिलने के लिए उस स्थान पर आने और अवैध हथियार ले जाने की सूचना मिलने के बाद एक टीम ने जाल बिछाया। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 11:30 बजे जब पुलिस दल ने उसे रोका और आत्मसमर्पण करने को कहा तो आरोपी ने कथित तौर पर भागने की कोशिश में गोली चला दी। पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिससे कुछ देर तक गोलीबारी हुई। पुलिस ने बताया कि इस दौरान एक गोली हेड कांस्टेबल की बुलेटप्रूफ जैकेट को लगी, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद आशीष को काबू में कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि उसके पास से एक अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और दो खाली कारतूस बरामद किए गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी पहले 10 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और चार मामलों में वांछित था, जिनमें रनहोला इलाके में गोलीबारी की घटना, मुंडका में मारपीट और आपराधिक धमकी का मामला, कंझावला थाने में दर्ज गोलीबारी का एक अन्य मामला और छावला थाने में दर्ज लूटपाट का मामला शामिल है। पुलिस ने बताया कि उसके सहयोगियों का पता लगाकर उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं और अन्य आपराधिक गतिविधियों में उसकी भूमिका की जांच की जा रही है।

अवैध रूप से रह रहें छह विदेशी नागरिक हिरासत में लिये

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैध वीजा दस्तावेजों के बिना भारत में रहने के आरोप में दक्षिण पश्चिम दिल्ली में छह विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इनमें पांच नाइजीरियाई और आइवरी कोस्ट का एक नागरिक है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वसंत कुंज उत्तर पुलिस थाने में स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले की जांच के दौरान यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान, विदेशी नागरिकों ने दावा किया कि वे पर्यटक एवं व्यावसायिक वीजा पर भारत आए थे और उनके दस्तावेज सुरक्षित रखने के लिए उनके दूतावासों में जमा हैं।

पुलिस ने बताया कि हालांकि, आव्रजन अधिकारियों से सत्यापन कराने पर पता चला कि भारत में उनकी वीजा की अवधि समाप्त हो गई है और उनके पास वैध वीजा दस्तावेज नहीं हैं।

अधिकारी ने कहासभी कानूनी औपचारिकताओं और सत्यापन प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद, विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के माध्यम से निर्वासन की कार्यवाही शुरू की गई है।

आईजीआईए एक्सप्रेस मेट्रो सुरंग से तांबे की केबल चुराने के आरोप में एक अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने बुद्ध जयंती पार्क के पास एयरपोर्ट एक्सप्रेस मेट्रो लाइन के किनारे से कथित रूप से तांबे की केबल चोरी करने और सुरक्षा उपकरणों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में 29 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। आरोपी की पहचान विनीत कुमार के रूप में हुई है, जिसे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (आईजीआईए) मेट्रो पुलिस थाना द्वारा तकनीकी निगरानी आधारित जांच के बाद 30 मई को समालखा से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, यह मामला 23 मई को दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और दिल्ली मेट्रो पुलिस द्वारा किए गए संयुक्त निरीक्षण के बाद सामने आया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को पता चला कि अज्ञात व्यक्तियों ने एलआईडीएआर सेंसर प्रणाली को नुकसान पहुंचाया, एक हूटर और उसके उपकरण चोरी किए तथा मेट्रो लाइन के किनारे प्रकाश व्यवस्था के लिए उपयोग की जाने वाली लगभग 120 मीटर तांबे की केबल काटकर ले गए।" इस संबंध में एक ई-प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच शुरू की गई।

जांचकर्ताओं ने मेट्रो कॉरिडोर और रिज क्षेत्र के आसपास लगे 40 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) तकनीक और तकनीकी निगरानी की मदद से पुलिस ने अपराध में कथित रूप से इस्तेमाल की गई एक कार की पहचान की और आरोपी तक पहुंच बनाई। अधिकारी ने बताया कि विनीत कुमार ने पुलिस को जानकारी दी कि उसने अपने दो साथियों सागर उर्फ काला और हेंडू परेरा उर्फ बंटी के साथ मिलकर आर्थिक लाभ के लिए मेट्रो लाइन से कई बार तांबे की केबल चोरी की। पुलिस ने कहा कि आरोपी कई आपराधिक मामलों में पहले से शामिल रहा है, जिनमें चोरी और शस्त्र अधिनियम से जुड़े मामले शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी से आईजीआईए मेट्रो पुलिस थाने में दर्ज केबल चोरी के दो पुराने मामलों का भी खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी का सामान बरामद करने के प्रयास जारी हैं।

गलत दिशा में वाहन चलाने पर यातायात पुलिस ने की 65 प्राथमिकियां दर्ज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पूरे शहर में चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान गलत दिशा में वाहन चलाने के आरोप में 65 प्राथमिकी दर्ज की हैं और 7,500 से अधिक चालान जारी किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह विशेष अभियान राष्ट्रीय राजधानी की प्रमुख सड़कों, राजमार्गों, वाणिज्यिक केंद्रों, मनोरंजन स्थलों और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में गलत दिशा में वाहन चलाने, अनधिकृत काली फिल्म लगे वाहनों और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ संचालित किया गया। दिल्ली यातायात पुलिस के अनुसार, गलत दिशा में वाहन चलाने के बेहद खतरनाक मामलों में 65 प्राथमिकी दर्ज की गईं, जबकि इस उल्लंघन को लेकर 7,549 चालान जारी किए गए। इसके अलावा, वाहनों पर अनधिकृत रूप से काली फिल्म का उपयोग करने के आरोप में 785 चालान काटे गए और शराब के नशे में वाहन चलाने के लिए 471 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ₹यह प्रवर्तन कार्रवाई शहर भर में कई स्थानों पर की गई और कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की गई।

आईपीयू ने दाखिले का झांसा देने वाले धोखेबाज़ों को लेकर आवेदकों को चेताया

■ काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से होते हैं दाखिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने आवेदकों को विश्वविद्यालय में दाखिले का झाँसा देने वाले धोखेबाजों से सावधान रहने की चेतावनी जारी की है। एक अधिसूचना में विश्वविद्यालय ने कहा कि उसे ऐसे कई उम्मीदवारों से शिकायतें मिली हैं जिनसे कथित धोखेवाजों ने सीधे दाखिले के लिए संपर्क किया है। विश्वविद्यालय ने आवेदकों से ऐसे धोखेबाज़ों से सतर्क रहने को कहा है और बताया है कि विश्वविद्यालय परिसरों और इसके सभी संबद्ध कॉलेजों में दाखिले केंद्रीकृत काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से पूरी तरह से उम्मीदवारों की योग्यता के आधार पर किए जाते हैं। ये दाखिले ऑनलाइन या ऑफलाइन आयोजित केंद्रीकृत काउंसलिंग के माध्यम से पूर्ण पारदर्शी योग्यता-आधारित प्रक्रिया द्वारा किए जाते हैं। विश्वविद्यालय ने सभी आवेदकों से कहा है कि वे ऐसे संदेशों के झांसे में न आएं और यदि कोई एजेंट इस उद्देश्य से उनसे संपर्क करता है तो विश्वविद्यालय को सूचित करें।

व्यक्तिगत विवरण की सुरक्षा के लिए, विश्वविद्यालय ने आवेदकों को सलाह दी है कि वे स्वयं अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड बनाएं, कंप्यूटर सेंटर, एडमिशन काउंसलर आदि जैसे किसी तीसरे पक्ष की मदद न लें। विश्वविद्यालय ने अपने व्यक्तिगत विवरण, लॉगिन आईडी, पासवर्ड आदि की गोपनीयता बनाए रखने और इसे किसी अनधिकृत व्यक्ति के साथ साझा न करने की सलाह भी दी है।

यादव ने दिल्ली में जल संकट पर भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार को घेरते हुए लगाए कई आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली में जल संकट पर भाजपा की रेखा गुप्ता की सरकार को घेरते हुए कई आरोप लगाए है। यादव ने कहा कि जल संरक्षण के मामले में दिल्ली सरकार पूरी तरह फेल है क्योंकि एक भी नया जलाशय नहीं बनाया गया। जबकि कांग्रेस सरकार ने सोनिया विहार प्लांट जैसे ऐतिहासिक प्रोजेक्ट अपने समय बनाए थे। उन्होंने जल संकट के लिए पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी की अरविंद केजरीवाल सरकार को ज्यादा दोषी करार दिया। यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी की केजरीवाल सरकार की जल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निष्क्रियता एक आपराधिक लापरवाही है। यादव ने रेखा सरकार को नसीहत दी है कि कोरे वादों से दिल्ली की प्यास नहीं बुझेगी। इसलिए सरकार को जल सुरक्षा के मुद्दे पर तत्काल कदम उठाने होंगे, अन्यथा उसे जनता के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। यादव ने बीजेपी सरकार को विफल बताते हुए कहा कि भूजल की कमी को लेकर विशेषज्ञों की चेतावनियों के बावजूद भंडारण क्षमता में कोई वृद्धि नहीं की गई। वर्षा जल संचयन के नियमों का कमजोर क्रियान्वयन तथा पारंपरिक जल निकायों और तूफानी जल निकासी नालियों को पुनर्जीवित करने में विफलता मुख्य रूप से शामिल है। यादव ने तत्काल कार्रवाई की मांग की है। जिसमें अगले 18-24 महीनों में कम से कम 5-7 नए जल जलाशय (भूमिगत जलाशय) बनाने के लिए एक ठोस और समय-सीमा निर्धारित योजना की घोषणा करना, दिल्ली विधानसभा में जल परियोजनाओं, उन पर खर्च की गई धनराशि और बढ़ाई गई भंडारण क्षमता पर एक श्वेत पत्र प्रस्तुत किया करना, सभी मौजूदा जल निकायों से गाद निकालने, उनकी सुरक्षा करने और उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू करना तथा वर्षा जल संचयन के नियमों को सख्ती से लागू करना शामिल है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल की वह सक्रिय कार्यप्रणाली ने असल बुनियादी ढांचा तैयार किया था। कोरे वादों से दिल्ली की प्यास नहीं बुझेगी। बीजेपी को जल सुरक्षा के मुद्दे पर तत्काल कदम उठाने होंगे, अन्यथा उसे जनता के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। यादव ने तत्कालीन कांग्रेस की शीला सरकार की उपलब्धियों और मुख्य कार्यों का उल्लेख किया। यादव ने कहा कि 2006 में कांग्रेस सरकार में सोनिया विहार जल उपचार संयंत्र क्षमता 635 मिलियन लीटर प्रतिदिन यानी लगभग 140 मिलियन गैलन प्रतिदिन की मदद से 35 लाख से ज़्यादा निवासियों को पानी उपलब्ध कराया।

हमारा लक्ष्य सिर्फ सत्ता में आना नहीं बल्कि सत्ता में सेवा करना है: मल्होत्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ विश्व गुरु बनने के साथ ही विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है

■ दिल्ली भाजपा के सभी 14 जिलों के प्रशिक्षण सत्र हुए पूर्ण

भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रत्येक तीन वर्ष में चलाये जाने वाले पं. दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण शिविरों के अंतिम दिन दिल्ली भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने भाजपा की 'कार्य पद्धति विषय' पर चाँदनी चौक एवं केशवपुरम जिलों में अपना मार्गदर्शन वक्तव्य रखा। इसके साथ ही आगामी जून माह में तय पार्टी कार्यक्रमों पर चर्चा की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि वर्ष 1964 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एक कार्य का दर्शन दिया और उसी के परिणामस्वरूप एक कार्य पद्धति तय की गई, एक राजनीतिक दल का अपना लक्ष्य है और हमारा लक्ष्य सिर्फ सत्ता में आना नहीं बल्कि सत्ता के माध्यम से जनता की सेवा करना है और साथ ही विश्व गुरु बनने के साथ ही विकसित राष्ट्र बनाने का है जिसके लिए अनुशासन और सफल कार्य पद्धति का होना जरूरी है। प्राप्त जानकारी के अनसार, दिल्ली भाजपा के सभी 14 जिलों एवं 252 मंडलों के प्रशिक्षण सत्र रविवार को सम्पूर्ण हुए। अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि किसी भी विषय या अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करना कार्यशाला है लेकिन प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को वैचारिक दृष्टि से निपुण और सक्षम बनाने के लिए दिया जाता है। निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा सहित भाजपा पदाधिकारियों पवन राणा, प्रवीन खंडेलवाल, प्रवीण शंकर कपूर, योगेश आत्रेय, अशोक गोयल, रोहित उपाध्याय ने विभिन्न सत्रों को सम्बोधित किया।

निवर्तमान अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि हमारा हर कार्यकर्ता कल का नेता बन सकता है यदि वह एक 7 डी फार्मूले का पालन करे - और यह 7 डी हैं ड्रीम, डिजाइयर,डायरेक्शन, डेडीकेशन, डिटरमिनेशन, डिस्प्लिन एवं डेडलाइन के साथ काम करना। संगठन महामंत्री पवन राणा ने बताया कि शुद्ध कार्यकर्ता निर्माण के लिए जरूरी है कि हम स्वप्रशंसा एवं संगठन साथियों की निंदा से बचें।

अमृत विहार के लोगों ने परेशान होकर आप विधायक के घर में घुसकर किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बुराड़ी विधानसभा अंतर्गत अमृत विहार कालोनी के लोगों ने क्षेत्र की दुर्शा के चलते स्थानीय आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा के घर में घुसकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विधायक झा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मांग की है की जल्द से जल्द अमृत विहार का विकास किया जाए। लोगों ने कहा कि अमृत विहार में गली नालियों के नाम पर इतना बुरा हाल है कि पैदल चलना तक दुभर हो चुका है। सड़क के नाम पर गडडों की भरमार है। लोगों ने कहा कि अमृत विहार समस्याओं का विहार बनकर रह गया है। जबकि बार बार विधायक संजीव झा से मिलकर समस्याएं हल करने के लिए अनुग्रह करते आ रहे है। लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। इसलिए मजबूरी में हमें विरोध प्रदर्शन करने के लिए विवश होना पड़ा। स्थानीय लोगों ने एक स्वर में कहा कि हम विधायक संजीव झा से अब भी अनुरोध ही कर रहे है कि हमारी समस्याओं को हल करें। हम भी बुराड़ी विधानसभा के मतदाता है, यहां रहने वाले अन्य लोगों की तरह ही है। उन्होंने कहा कि अगर अब भी विधायक हमारी समस्याएं हल नहीं करते तो सभी मिलकर अगले कदम के बारे में विचार विमर्श करेंगे।

फाईल सं. 1-9/2025-एसकेटी.।
भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

दिनांक 25.05.2026

विज्ञापन सं.04/2026

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति के पद पर नियुक्ति पर विचार के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते है ।

कुलपति, अकादमिक के साथ-साथ प्रशासनिक प्रमुख हैं और विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। इस पद पर विचार के लिए पात्रता की शर्तें और अन्यथा निम्नानुसार है:

i. संस्कृत और संबद्ध विषयों के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विद्वान और उसकी अहर्ताएं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) के तहत बनाए गए विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट अहर्ताएं होंगी।
ii. इस विज्ञापन में आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि पर 65 वर्ष की आयु से अधिक का नहीं होना वांछनीय।

वेतन और सेवा शर्ते :

- पद पर प्रतिमाह वेतन 2,10,000/- रुपए (नियत) और 11,250/- रुपए का विशेष भत्ता और अन्य सामान्य भत्ते देय होंगे।
- सेवाओं के अन्य नियम और शर्ते, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 और विश्वविद्यालय की संविधियों और अध्यादेश में निर्धारित के अनुसार होंगी ।

नियुक्ति की प्रक्रिया :

- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चयन समिति द्वारा अनुशंसित तीन नामों के पैनल से नियुक्ति की जाएगी ।

आवेदन जमा करना :

- विज्ञापन वेबसाइट https://www.education.gov.in और https://www.slbsrsv.ac.in पर उपलब्ध है। उम्मीदवारों को नीचे दिए गए लिंक के अनुसार शिक्षा मंत्रालय के समर्थ पोर्टल पर "**केवल ऑनलाईन आवेदन**" करना होगा: https://vcrec.samarth.ac.in/index.php/
- मंत्रालय किसी भी कारण से आवेदन प्राप्त होने में विलंब के लिए उत्तरदायी नहीं होगा ।
- जो व्यक्ति पहले से ही सेवारत हैं, उन्हें उचित माध्यम से आवेदन करना चाहिए और अपने संस्थान/विभाग के मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा दिया गया अनापत्ति प्रमाण पत्र/सतर्कता निकासी रिपोर्ट के साथ अपने नियोक्ता के माध्यम से अपना आवेदन जमा करना चाहिए ।
- अपूर्ण आवेदनों/आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- उपरोक्त लिंक 01 जून, 2026 10:00 बजे से दिनांक 30 जून, 17:00 बजे तक सक्रिय रहेगा ।

-हस्ता/-
(डॉ. सौम्य राजन)
उप सचिव, भारत सरकार
टेलीफोन नंबर : २३०७०१८२

CBC 21371/11/0003/2627

भारत की शक्ति केवल आर्थिक प्रगति में नहीं, बल्कि उसकी सभ्यतागत चेतना में भी निहित है : विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत की शक्ति केवल उसकी आर्थिक वृद्धि और तकनीकी प्रगति में ही नहीं, बल्कि उसकी सभ्यतागत चेतना, सांस्कृतिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों में भी निहित है। इस विरासत का संरक्षण केवल अतीत को स्मरण करने का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य आवश्यकता है। यह विचार दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय स्थित शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल में आयोजित पुस्तक 'प्रथम सिंधु कुंभ : आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व' के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस कार्यक्रम का आयोजन सिंधु दर्शन समिति द्वारा किया गया, जिसमें प्रख्यात आध्यात्मिक संतों, विद्वानों, शिक्षाविदों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. इन्द्रेश कुमार तथा पूज्य डॉ. दयालु जी महाराज (अध्यक्ष, हिमालय परिवार, दिल्ली प्रांत) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह अवसर केवल एक पुस्तक के विमोचन तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मा से पुनः जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने इस पहल के लिए सिंधु दर्शन समिति को बधाई दी तथा डॉ. इन्द्रेश कुमार और पूज्य डॉ. दयालु जी महाराज के प्रयासों की सराहना की, जिनके माध्यम से सिंधु परंपरा के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को जनसामान्य तक पहुंचाने वाला यह महत्वपूर्ण ग्रंथ उपलब्ध हुआ है। गुप्ता ने सिंधु नदी के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिंधु केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत स्मृति और सांस्कृतिक पहचान की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि हिंद, हिंदू और हिंदुस्तान जैसे शब्दों की ऐतिहासिक जड़ें भी सिंधु से जुड़ी हुई हैं। उनके अनुसार सिंधु उस निरंतर सभ्यतागत यात्रा का प्रतीक है जिसने सहस्राब्दियों से भारत के स्वरूप और उसकी सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि देश में भाषाओं, परंपराओं और जीवन-शैलियों की उल्लेखनीय विविधता होने के बावजूद उसकी सांस्कृतिक आत्मा एक है। उन्होंने कहा कि यही सभ्यतागत एकता भारत की स्थायी शक्ति रही है और सिंधु उसी सांस्कृतिक एकात्मता का प्रतीक है जो देशवासियों को क्षेत्रों और पीढ़ियों की सीमाओं से परे जोड़ती है। प्रथम सिंधु कुंभ का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने इसे समकालीन समाज को आध्यात्मिक चिंतन, सांस्कृतिक संवाद और सामाजिक समरसता की परंपराओं से पुनः जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

उन्होंने कहा कि कुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहा है, बल्कि ऐतिहासिक रूप से यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामूहिक ज्ञान-विमर्श का भी सशक्त मंच रहा है। गुप्ता ने कहा कि यह पुस्तक देश की समृद्ध सभ्यतागत धरोहर के प्रति नई पीढ़ी और समाज में व्यापक रुचि तथा संवाद को प्रेरित करेगी।

हरियाणा सरकार

हरियाणा के विकास का एक नया दौर

"हरियाणा की डबल इंजन सरकार विश्व स्तरीय अवसंरचना निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। विकसित भारत बनाने के लिए हरियाणा का विकसित होना बहुत ज़रूरी है।"

- नरेन्द्र मोदी

हरियाणा अब केवल कृषि का केंद्र नहीं, बल्कि ये तकनीक, मैन्युफैक्चरिंग और अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बनने जा रहा है। राज्य सरकार लाई है 10 नीतियाँ, जो निवेश लाएंगी, इनोवेशन को बढ़ावा देंगी और बनाएंगी नए रोजगार के अवसर।

मेक इन हरियाणा नीति और अन्य सेक्टोरल नीतियों का

शुभारंभ

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

द्वारा

राव नरबीर सिंह

उद्योग मंत्री, हरियाणा

की गरिमामयी उपस्थिति में

1 जून, 2026 | प्रातः 11:00 बजे | गुरुग्राम

औद्योगिक और मैन्युफैक्चरिंग विकास नीतियां

- मेक इन हरियाणा औद्योगिक नीति
- खिलौना एवं खेल उपकरण विनिर्माण नीति
- फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइसेज़ नीति

डिजिटल और टेक्नोलॉजी अर्थव्यवस्था की नीतियां

- नई हरियाणा डेटा सेंटर नीति
- ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) नीति
- आई.टी.-आई.टी.ई.एस., ए.आई. एवं इमर्जिंग प्रौद्योगिकी नीति
- ई.एस.डी.एम. नीति
- एनीमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स (AVGC-XR) नीति

सतत विकास और ग्रीन फ्यूचर से जुड़ी नीतियां

- एग्री-बिजनेस एवं फूड प्रोसेसिंग नीति
- इलेक्ट्रॉनिक्स वेस्ट रीसाइक्लिंग नीति

देश का नया ग्रोथ इंजन, हमारा हरियाणा

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा

www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

खबर संक्षेप

ठगी करने के मामले में खाताधारक को दबोचा

फरीदाबाद। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने 30 मई को ट्रांसपोर्ट नगर, लुधियाना, पंजाब से खाताधारक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हंसराज गोयल निवासी लुधियाना पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार सेक्टर-86 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी शिकायत में बताया कि उसके व्हॉट्सएप पर एक लिंक प्राप्त हुआ।

ठगी के मामले में तीन आरोपी पकड़ाएं

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जिनकी पहचान विकास व विशाल रावत निवासी जोधपुर राजस्थान व घनश्याम निवासी डीडवाना राजस्थान के रूप में हुई है। साइबर थाना की टीम ने 30 मई से वैशाली नगर जयपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुनाफा कमाने बारे एक मेसेज आया।

एक सप्ताह में 17 साइबर अपराधी गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में फरीदाबाद पुलिस की साइबर थानों की टीम द्वारा ठगों पर लगातार प्रभावी कार्रवाही की जा रही है। 23 से 29 मई के बीच फरीदाबाद पुलिस के तीनों साइबर थानों की टीम ने 17 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर 32,16,583 बरामद किये हैं। पुलिस प्रवक्ता अनुसार फरीदाबाद पुलिस की साइबर थानों की टीम ने 7 मुकदमों में कार्रवाई करते हुए 17 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिसमें साइबर थाना एनआईटी के 2, सेंट्रल के 4 व बल्लभगढ के एक मामला शामिल है। इस दौरान साइबर थाना की टीमों ने 32,16,583 बरामद किए हैं।

भाजपा की सफलता का आधार मजबूत संगठन और अनुशासित कार्यकर्ताः डॉ. सतीश पूनिया

धर्मेंद्र कौशिक ▶▶ गुरुग्राम

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत गुरुग्राम में आयोजित गुरुग्राम जिला प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्य विस्तार, विचारधारा, संगठन की मजबूती, राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने पार्टी के कार्य विस्तार विषय पर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से चर्चा की। इससे पहले कार्यक्रम में पहुंचने पर जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने सभी नेताओं का स्वागत किया। डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक व्यापक अभियान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है तो उसके पीछे करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, निष्ठा और सेवा भाव है।

जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने सभी नेताओं का स्वागत किया

पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़

पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और वही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचकर संगठन को मजबूत किया है, जिसके परिणामस्वरूप भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं और भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी उसका कर्मठ कार्यकर्ता हैं। संगठन की शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी आधारशिला है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित के लिए समर्पित कार्यकर्ता हैं। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक मुकेश शर्मा, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, बोधराज सीकरी, जिला महामंत्री अजीत यादव, मनीष सैदपुर, बेगराज यादव, जिला मीडिया प्रभारी हितेश चौधरी, सह मीडिया प्रभारी वरूण चौहान सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फरीदाबाद महानगर जिला प्रशिक्षण वर्ग में केंद्रीय मंत्री ने कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

गरीब कल्याण योजनाओं से बदली करोड़ों लोगों की जिंदगीः मंत्री कृष्णपाल गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद महानगर जिला प्रशिक्षण वर्ग में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने केंद्र सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की हैं, जिनका लाभ देश के करोड़ों लोगों तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सोहनपाल सिंह ने की।

इस अवसर पर बल्लभगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा, एनआईटी विधायक सतीश फागना, जिला प्रभारी कमल यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, चेयरमैन हुक्म सिंह भाटी, जिला महामंत्री अनुराग गर्ग, कविंद्र चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी राजेश कौशिक, वरिष्ठ भाजपा नेता पं. टिपरचंद शर्मा, भाजयुमो के पलवल प्रभारी कुशल ठाकुर, मार्किट कमेटी बल्लभगढ़ के चेयरमैन संजीव बैंसला, बलदेव अलावपुर, कार्तिक वशिष्ठ, राजेश डागर, सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग में संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। इसी सोच के साथ केंद्र सरकार ने गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे उनका अपना घर होने का सपना साकार हुआ है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जिसके माध्यम से पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना से गरीब परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक बोझ से राहत मिली है।

कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाएं और लाभार्थियों को योजनाओं से जोडऩे में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के नए युग की ओर बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की योजनाओं ने समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। फरीदाबाद महानगर जिला प्रशिक्षण वर्ग में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक स्पष्टता और कार्य विस्तार के विभिन्न आयामों पर मार्गदर्शन दिया गया।

महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की

प्रशिक्षण वर्ग में अलग-अलग सत्रों के दौरान वरिष्ठ नेताओं और वक्ताओं ने पार्टी की कार्यप्रणाली, वैचारिक अधिष्ठान, राष्ट्र के समक्ष चुनौतियों तथा संगठन विस्तार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में शैलेंद्र पांडे ने पार्टी की कार्यप्रणाली विषय पर अपने विचार रखते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यशैली, अनुशासन और जनसंपर्क के महत्व से अवगत कराया। वहीं मनीष यादव ने मन की बात और राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां विषय पर विस्तार से संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम मन की बात की उपयोगिता बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव और जनभागीदारी को बढ़ावा देने का माध्यम बना है। प्रशिक्षण वर्ग के अन्य सत्रों में मुकेश गौड़ ने भाजपा के वैचारिक अधिष्ठान विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पार्टी राष्ट्रवाद, सेवा और सुशासन की विचारधारा पर आधारित है तथा कार्यकर्ताओं को इन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यकर्ता विकास विषय पर मलिक रोजी आनंद ने संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं के निरंतर प्रशिक्षण और विकास पर निर्भर करती है। कार्य विस्तार विषय पर धूमन सिंह किरमिच ने संगठन के विस्तार की रणनीति पर चर्चा की।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा बनी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

संगठन का विचार हमारी दिशा, प्रशिक्षण हमारी शक्ति है और समर्पित कार्यकर्ता सबसे बड़ी पूंजीः डॉ. सतीश पूनिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा का इतिहास संघर्ष, विचार और राष्ट्रसेवा की भावना से परिपूर्ण रहा है। कार्यकर्ताओं के समर्पण, परिश्रम और संगठन के प्रति निष्ठा के कारण ही आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है। वह रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत आयोजित फरीदाबाद के जिला प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण के दूसरे दिन अन्य वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, महापौर प्रवीण जोशी, जिला प्रभारी नरेंद्र वत्स, प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख शैलेन्द्र पांडे, पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, पूर्व विधायक नरेंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनैतिक सचिव अजय गौड़, पूर्व वरिष्ठ उप महापौर देवेन्द्र चौधरी, जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग, शोभित अरोड़ा, पूर्व जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, मनोज वशिष्ठ, सुरेन्द्र जांगड़ा, राजन मुथरेजा, गोल्डी अरोड़ा, प्रवीण चौधरी, अनिल नागर, हरेन्द्र भड़ाना, मुकेश अग्रवाल, अजय बैसला, जिला वर्ग प्रमुख ओमप्रकाश रक्षवाल, अमित मिश्रा, मदन पुजारा, वजीर सिंह डागर, धर्मवीर भड़ाना, राज मदान, विनोद गुप्ता, आभास अग्रवाल, नरेन्द्र जैन, वीरेंद्र भडाना, लाल मिश्रा, गजेन्द्र भडाना, मनोज नसवा, कुलदीप साहनी, राजबाला सरदाना, सचिन ठाकुर, मंडल अध्यक्ष अमित आहूजा, राजेश चौधरी, हरीश बैंसला, गौरव चौधरी, शेखर तंवर, कर्मवीर बैंसला मोर्चो के जिला अध्यक्ष और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे । डॉ. पूनिया ने प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित कार्यकर्ताओं को भाजपा के इतिहास, वैचारिक यात्रा और संगठन के विकास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संगठन का विचार हमारी दिशा है, प्रशिक्षण हमारी शक्ति है और समर्पित कार्यकर्ता हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं।

क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 की बड़ी करवाई

फर्जी तरीके से आर्म्स लाइसेंस बनवाने के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फर्जी तरीके से आर्म्स लाइसेंस बनवाने के मामले में क्राइम सेक्टर 65 कि टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनकी पहचान ओमबीर निवासी फतेहपुर बिल्लोच फरीदाबाद व हरीश अभोर फज्लिका, पंजाब के रूप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता अनुसार मनीष निवासी गांव जाजरू बल्लभगढ़ ने थाना सदर बल्लभगढ़ में दी अपनी शिकायत मे बताया कि ओमबीर उसके चाचा के लड़के नवीन के साथ फौज में नौकरी करता था। जिसने नवीन को बताया कि वह अपने किसी जानकार से पैसे देकर शस्त्र लाइसेंस बनवा देगा। जिस पर शिकायकर्ता के भाई कुलवंत ने ओमबीर के खाता में फोन के माध्यम से 95,000 रुपए डाल दिए फिर ओमबीर उसके भाई कुलवंत को न्यू गन हाउस फज्लिका पंजाब से राजेश नाम के व्यक्ति से दिलाकर लाया था। इसी प्रकार ओमबीर ने करीब 54 लोगों के शस्त्र बनवाने के नाम पर उनसे पैसे ले रखे हैं। जिस शिकायत पर थाना सदर बल्लभगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

आरोपियों को जेल भेजा

कॉपर केबल चोरी के मामले में क्राईम ब्रांच की टीम ने 4 को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सेक्टर-15 मार्किट के मेन गेट के सामने खुदाई कर बीएसएनएल की कॉपर केबल चोरी करने के मामले में क्राईम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने राजा बाबू, मोहम्मद आजाद, आफताब व आमिर निवासी दिल्ली को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार संदीप शर्मा जेटीओ बीएसएनएल ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि 27 मई को सूचना मिली कि सेक्टर.15 मार्किट के मेन गेट के सामने फुटपाथ की खुदाई कर किसी नामालुम व्यक्तियों द्वारा बीएसएनएल की कॉपर केबल को चारी कर लिया।

जिस शिकायत पर थाना सेंट्रल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आए कि आफताब व आमिर ने कॉपर केबल चोरी की योजना बनाई थी। उन्होनें राजा बाबू व मोहम्मद आजाद को केबल की खुदाई के लिए बुलाया था। जिनको खुदाई के 5000 रुपये मिले थे। केबल को आरोपी गाड़ी में डालकर वहां से फरार हो गये थे। बाद में केबल को बेच दिया था। गाड़ी वाले व केबल खरीदने वाले की तलाश की जा रही है। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

हाईकोर्ट ने 14 अगस्त तक जवाब दाखिल करने का दिया समय

फुटबॉल एसोसिएशन से प्रशासक हटाने की याचिका पर हाईकोर्ट का नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन (एचएफए) के पूर्व अध्यक्ष सूरज पाल अम्मू और छह अन्य सदस्यों द्वारा एसोसिएशन के प्रशासन को हटाने की हाईकोर्ट में दायर याचिका पर नोटिस जारी किया गया है। हाईकोर्ट की ओर से नोटिस जारी करके 14 अगस्त 2026 तक जवाब मांगा गया है। याचिका में कहा गया है कि एसोसिएशन के प्रशासक सेवानिवृत्त जस्टिस एचएस भल्ला को हटाया जाए और नये चुनाव कराए जाएं। न्यायमूर्ति जगमोहन बंसल की अदालत ने केंद्र सरकार, हरियाणा सरकार और अन्य पक्षों को यह नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ताओं ने राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम 2025 के प्रावधान लागू कर प्रशासक को हटाने और नए चुनाव कराने की मांग की है। उनका कहना है कि एचएफए के चुनाव 23 अगस्त 2024 को कोर्ट द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक की निगरानी में हुए थे और पर्यवेक्षक ने प्रक्रिया के सफलतापूर्वक संपन्न होने की पुष्टि भी की थी। बाद में चुनावों पर आपत्तियों के बाद रजिस्ट्रार ने एचएफए में प्रशासक नियुक्त कर दिया था। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि 23 मई 2025 को हरियाणा सरकार के आदेश के अनुसार कोई भी प्रशासक छह महीने से अधिक नहीं रह सकता, जबकि जस्टिस भल्ला का कार्यकाल इस अवधि से आगे बढ़ चुका है। याचिका में मई 2026 में जारी उस सार्वजनिक नोटिस को भी चुनौती दी गई है जिसमें कहा गया था कि प्रशासक को सदस्यता प्रक्रिया चलाने का अधिकार नहीं है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ऐसे फैसले केवल निर्वाचित कार्यकारिणी ही ले सकती है। साथ ही अक्टूबर 2025 से अप्रैल 2026 के बीच एसोसिएशन के बैंक खाते से 21 लाख रुपये से अधिक निकाले जाने का आरोप लगाते हुए राशि की वसूली और आगे निकासी पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका कर्ताओं का कहना है कि संगठन में प्रशासनिक हस्तक्षेप किया जा रहा है जो कानून के विरुद्ध है।

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से परिजनों को पांच लाख की आर्थिक सहायता

आरोपी की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपए का इनाम था

छात्र सूर्या चौहान की चाकुओं से गोदकर हत्या करने वाले युवक असद पुलिस मुठभेड़ में ढेर, एक फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

ईदुल अज़हा पर छात्र सूर्या चौहान की चाकुओं से गोदकर हत्या करने वाले युवक असद को पुलिस ने रविवार की तड़के मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। इस दौरान आरोपी की ओर से चलाई गई गोली लगने से एक पुलिस कांस्टेबल हो घायल हो गया।

असद का एक साथी फरार हो गया। पुलिस ने असद के पिता नवाब और उसके दोस्त फरहान व आतिफ को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर तीनों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। उधर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से परिजनों को पांच लाख की आर्थिक सहायता की गई। असद ने थाना खोडा क्षेत्र मे 28 मई को सूर्या चौहान नामक युवक को चाकू मार दिया गया था । इलाज के दौरान सूर्या चौहान की मृत्यु हो गई थी। आरोप था कि असद ने उसे ईद पर कुरबानी दिखाने को कहकर बुलाया था। परिजनो की तहरीर के आधार पर पुलिस द्वारा तत्काल मुकदमा पंजीकृत किया गया था जिसमे 05 लोगो को आरोपी बनाया गया था । इसमे पुलिस ने तत्काल 03 आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली थी । असद मुख्य आरोपी था वह फरार था । उसके ऊपर 50 हजार रुपए के पुरुस्कार की घोषणा भी की गई थी । इस हत्याकांड के विरोध में कई हिन्दू संगठनों ने कई घंटे तक हंगामा किया था। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि पुलिस को आज यह सूचना प्राप्त हुई थी कि असद अपने कुछ साथियो से मिलने थाना खोडा क्षेत्र मे आने वाला है ।

तीन अन्य आरोपी भी पुलिस ने किए गिरफ्तार

सट्टा खाई करने का आरोपी पुलिस गिरफ्त में

फरीदाबाद। थाना आदर्श नगर क्षेत्र के अंतर्गत क्राईम ब्रांच की टीम ने सट्टा खाई करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर 6200 बरामद किये हैं। पुलिस के अनुसार क्राईम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम को गुप्त सुत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि बेरी बाग आदर्श नगर फरीदाबाद के पास सट्टा खाई की जा रही है, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम द्वारा रेड की गई तथा मौका पर इंद्रजीत वासी भडाना चौक सारन फरीदाबाद को सट्टा खाई करते हुए 6200 सहित काबू किया गया। जिसके विरुद्ध थाना आदर्श नगर में जुआ अधिनियम की धारा के अंतर्गत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सात श्रेणियों में पत्रकारों को मिले देवर्षि नारद राज्य स्तरीय सम्मान

सरकार पत्रकारों के सामाजिक और आर्थिक सम्मान को बढ़ाने के लिए प्रयासरतः राजेश नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

राज्य स्तरीय 11वें देवर्षि नारद पत्रकार सम्मान समारोह में पत्रकारों को उत्कृष्ट कार्य के लिए 7 श्रेणियों में सम्मानित किया गया। सेक्टर.87 स्थित मॉडर्न दिल्ली इंटरनेशनल स्कूल में विश्व संवाद केंद्र न्यास हरियाणा द्वारा आयोजित इस समारोह में प्रदेश भर से पत्रकार, शिक्षाविद, उद्योगपति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगीत के साथ हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा कि देव ऋषि नारद को आदि पत्रकार माना जाता है, जो समाचार प्रेषक के रूप में प्रख्यात थे। वे अपनी सृजन शक्ति और जनकल्याणकारी संदेशों के प्रसार के लिए तीनों लोकों में विचरण करते रहते थे। राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि पत्रकारिता समाज को दिशा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है और नारद मुनि ने सत्य, संवाद और सूचना के आदान-प्रदान की परंपरा को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाज और शासन के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर हरसंभव सहायता देने का दिया आश्वासन

साकेत भवन दुर्घटना स्थल पर पहुंचीं रेखा, मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दक्षिणी दिल्ली के साकेत मेट्रो स्टेशन के पास भवन गिरने की घटना स्थल का दौरा किया और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया और मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली और चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, जिला प्रशासन, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), सिविल डिफेंस और अन्य एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बचाव अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और संभावित रूप से फंसे हर व्यक्ति की तलाश पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ की जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विभिन्न अस्पतालों में भर्ती घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को निशुल्क और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके बाद उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद और हृदयविदारक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस कठिन समय में दिल्ली सरकार पूरी तरह प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और पीड़ितों को हरसंभव आर्थिक तथा प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुरक्षा दिल्ली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मेहरौली थाने में आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही, हादसे के वास्तविक कारणों और जवाबदेही तय करने के लिए दक्षिण जिला के जिलाधिकारी के नेतृत्व में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि भवन ध्वस्त होने के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाए और अगर निर्माण संबंधी अनियमितता, सुरक्षा मानकों की अनदेखी या किसी प्रकार की प्रशासनिक लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जर्जर, खतरनाक और अवैध भवनों का तत्काल सर्वे के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सैदुलाजाब और आसपास के इलाकों में जर्जर, खतरनाक और अवैध भवनों का तत्काल सर्वे और निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन इमारतों से लोगों की सुरक्षा को खतरा है, उनके खिलाफ नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध निर्माणों को संरक्षण देने या अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राहत, बचाव पर गंभीरता से किया जाएगा काम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और सभी संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ काम कर रही हैं। राहत, बचाव और पुनर्वास से जुड़े हर पहलू पर गंभीरता से काम किया जाएगा ताकि प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी सभी एजेंसियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में मानव जीवन की रक्षा के लिए सभी संस्थाओं का समन्वित प्रयास बेहद महत्वपूर्ण है।

एलजी ने हादसे में मारे गए तथा घायल लोगों के परिजनों के प्रति की संवेदना प्रकट

नई दिल्ली। साकेत क्षेत्र में इमारत गिरने की घटना पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। एलजी ने इस हादसे में मारे गए तथा घायल लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की हैं। इसके अलावा एलजी ने संबंधित अधिकारियों को हादसा स्थल पर युद्धस्तर पर बचाव एवं राहत कार्य जारी रखने, घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है।

दिल्ली में हुई बूंदाबांदी से चार डिग्री गिरा पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मौसम विभाग की भविष्यवाणी के बावजूद वीकेंड यानी रविवार को दिनभर में बूंदाबांदी को छोड़ दे तो कहीं भी बढ़िया बारिश नहीं हुई। जबकि देर रात खबर लिखे जाने तक भी दिल्ली सूखी ही रही। बावजूद इसके पारे में गिरावट के चलते वीकेंड का मौसम सुहाना बना रहा। बीच बीच में बादलों का आना जाना देखा गया लेकिन बिन बरसे ही आगे निकल गए। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान में 4.2 डिग्री की गिरावट के बाद 35.8 डिग्री सेल्सियस। वहीं न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी करते हुए अनुमान बताया कि सोमवार व मंगलवार को हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं चल सकती है। वहीं बुधवार से एक बार फिर पारे में बढ़त शुरू होने का अनुमान है। वहीं निजी मौसम विज्ञान अनुमान कंपनी स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने बताया कि इस समय देश के ऊपर कई मौसम प्रणालियाँ बनी हुई है जिसके प्रभाव से दिल्ली सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश पूर्वी राजस्थान, गुजरात, पश्चिम मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र सहित दक्षिण भारत में कई स्थानों पर अच्छी बारिश जारी रह सकती है। बारिश के चलते लगभग एक सप्ताह तक लू का प्रकोप दिखाई नहीं देगा।

बिजली की मांग में लगातार गिरावट जारी, पांच दिन में 3013 मेगावाट की भारी कमी

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार तीसरे दिन बिजली की मांग में भारी गिरावट का दौर जारी है। रविवार को दिल्ली में अधिकतम बिजली की मांग गिरकर 5426 मेगावाट रह गई जो शनिवार को 6465 मेगावाट दर्ज हुई थी। आंकड़े बताते है कि 24 घंटे में 1000 मेगावाट से अधिक की भारी कमी आई है। जबकि इससे पहले 25 मई 2026 को इस सीजन की सबसे अधिक 8439 मेगावाट बिजली की खपत दर्ज हुई थी। लेकिन इसके बाद मौसम के करवट लेने के साथ ही दिन प्रतिदिन बिजली की मांग में भारी गिरावट होती चली गई। गौर करे तो 8439 मेगावाट की सबसे अधिक मांग के छठे दिन बिजली की खपत में महज 5426 मेगावाट रह गई, जो 3013 मेगावाट की बहुत बड़ी गिरावट कही जा सकती है। बिजली कंपनियों का कहना है कि ऐसा होना कोई अप्रत्याशित कतई नहीं है। क्योंकि हमेशा से ही बिजली की मांग मौसम पर निर्भर रहती है। जैसे जैसे गर्मी बढ़ेगी बिजली की मांग में बढ़ोतरी होना सामान्य घटनाक्रम होता है। ऐसे में जैसे ही मौसम सामान्य होगा बिजली की मांग में भारी गिरावट तय है।

खबर संक्षेप

एमसीडी ने दो अभियंता किए निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली में साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट तीन मंजिला वाणिज्यिक इमारत ढहने से छह लोगों की मौत के मामले में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने दो अभियंताओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निगम ने रविवार को यह जानकारी दी। निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त की ओर से जारी आदेश के अनुसार, सैद-उल-अजाइब में भवन गिरने की घटना के बाद दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन ने भवन विभाग-2 के सहायक अभियंता (एई) सुदेश सिंह चौहान और कनिष्ठ अभियंता (जेई) अमन जैन को प्रभावी निगरानी में लापरवाही और कर्तव्य में शिथिलता के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

'अवैध निर्माण को संरक्षण देने वाले पर हो कार्रवाई'

नई दिल्ली। साकेत बिल्डिंग हादसे में जेई-एई का निलंबित पर्याप्त नहीं, अवैध निर्माण को संरक्षण देने वाले पर कार्रवाई होनी चाहिए। दक्षिणी दिल्ली के सैद उल अजाइब क्षेत्र में इमारत गिरने को लेकर एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने भाजपा शासित एमसीडी पर तीखा हमला बोलते हुए यह बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी की लापरवाही से साकेत में यह बहु मंजिला इमारत गिरी है। सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन होना चाहिए। साथ ही अवैध निर्माण के खिलाफ एमसीडी व्यापक जांच अभियान चलाए और इस हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए एमसीडी के महापौर को इस्तीफा दे देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद शालीमार बाग में अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी : डीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- रोड नंबर-320 चौड़ीकरण परियोजना के लिए 143 अवैध संरचनाओं पर हुई कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखने के बाद रविवार सुबह से शालीमार बाग स्थित गांव हैदरपुर क्षेत्र में रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट ऑफ वे के भीतर बने अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक निर्धारित क्षेत्र में स्थित सभी अवैध संरचनाओं को हटाकर सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध नहीं करा दी जाती।

मध्य-उत्तर जिला के जिलाधिकारी एस.एस. परिहार ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में की जा रही है। संबंधित भूमि अधिग्रहित सरकारी भूमि है, जो दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के मास्टर प्लान में सार्वजनिक सड़क के रूप में चिन्हित है तथा रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट ऑफ वे का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि यह सड़क शालीमार बाग रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) को आउटर रिंग रोड से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण यातायात गलियारे का हिस्सा है। यह मार्ग रिंग रोड, आजादपुर, शालीमार बाग तथा आसपास के बड़े आवासीय, व्यावसायिक एवं संस्थागत क्षेत्रों को जोड़ता है। इसके माध्यम से अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और विकसित हो रहे प्रशासनिक परिसरों तक पहुंच सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि सड़क की वर्तमान चौड़ाई अतिक्रमणों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, जिससे नियमित यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न होती है और एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। डीएम परिहार के अनुसार संबंधित भूमि का अधिग्रहण दिल्ली के नियोजित विकास के लिए वर्ष 1959 और 1961 की अधिसूचनाओं के माध्यम से प्रारंभ किया गया था। वर्ष 1966 में भूमि अधिग्रहण की घोषणा जारी की गई तथा वर्ष 1980 में अवार्ड संख्या 40/1980-81 और 50/1980-81 घोषित किए गए। जुलाई 1980 में भूमि का कब्जा लिया गया तथा वर्ष 1981 में शेष मुआवजा राशि भी जमा करा दी गई। इस प्रकार भूमि अधिग्रहण व मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया चार दशक से अधिक समय पहले पूर्ण हो चुकी थी। परिहार ने कहा कि वर्ष 2025 में डीडीए, राजस्व विभाग, भूमि एवं भवन विभाग तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से टोटल स्टेशन मेथड (टीएसएम) तकनीक से भूमि का वैज्ञानिक सीमांकन कराया गया। 10 जनवरी 2026 को किए गए संयुक्त सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्धारित 30 मीटर राइट ऑफ वे के भीतर कुल 143 अनधिकृत पक्के निर्माण मौजूद हैं। इनमें लगभग 19.5 मीटर क्षेत्र में मौजूदा सड़क है, जबकि लगभग 10.5 मीटर क्षेत्र अतिक्रमण के कारण अवरुद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने परियोजना के क्रियान्वयन में न्यूनतम हस्तक्षेप का सिद्धांत अपनाया है। यद्यपि स्वीकृत राइट ऑफ वे 30 मीटर है, फिर भी वर्तमान चरण में केवल आवश्यक 10.5 मीटर क्षेत्र में ही कार्रवाई की जा रही है, ताकि अधिकतम संख्या में संरचनाओं को बचाया जा सके और जनहित तथा न्यूनतम विस्थापन के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।

रेखा ने अपनी विधानसभा में लोगों को किया बेघरः कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग में चले पीले पंजे को लेकर पूरी भाजपा का घेरा है। रविवार को की गई तोड़ फोड़ पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद सीएम रेखा गुप्ता ने अपने विधानसभा क्षेत्र में 200 घरों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें बेघर कर दिया है। उन्होंने पूछा कि अनधिकृत कालोनियों को नियमित करने का दंभ भरने वाली भाजपा व उनकी सरकार ने एक ही झटके में 50 वर्षों से बसे परिवारों को बेघर कर दिया है। जबकि भाजपा वादा कर रही है कि अनधिकृत कॉलोनियों को संरक्षण दिया जाएगा। इस मुद्दे पर डॉ. नरेश ने प्रभावित परिवारों के तत्काल पुनर्वास, उचित मुआवजे और स्थायी आवास की मांग, उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू को ज्ञापन दिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित परिवारों के तत्काल पुनर्वास, उचित मुआवजे और स्थायी आवास की व्यवस्था की मांग की। जिन लोगों ने अपनी जीवनभर की कमाई लगाकर घर बनाए थे, आज उन्हीं के सिर से छत छीन ली गई है। उन्होंने कहा कि महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग आज खुले आसमान के नीचे जीवन बिताने को मजबूर हैं। लेकिन सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन 1511 कॉलोनियों को नियमित करने और वहां के निवासियों को संरक्षण देने के दावे किए गए थे, यदि यह क्षेत्र भी उनमें शामिल था तो फिर इन्हीं लोगों के घरों पर बुलडोजर क्यों चलाया गया। भाजपा जनता को जवाब दे कि यह संरक्षण था या खुली वादाखिलाफी। डॉ. नरेश ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने अदालत में प्रभावित परिवारों के हितों का प्रभावी ढंग से पक्ष नहीं रखा, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों परिवार बेघर हो गए।

आज से फिर शुरू डीडीए की कर्मयोगी आवासीय योजना, सरकारी कर्मचारी को 25 प्रतिशत छूट

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एक बार फिर कर्मयोगी आवास योजना को आज एक जून 2026 से शुरू कर रहा है। यह योजना सरकारी कर्मचारियों के लिए एक सौगात की तरह है जिसमें फ्लैट की खरीद पर 25 प्रतिशत की विशेष छूट दी जाएगी। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर इस योजना में पूर्व की भांति वर्तमान और रिटायर्ड सरकारी कर्मचारियों को फायदा होगा। इस बारे में डीडीए ने बताया कि जनता की भारी मांग पर एक बार फिर कर्मयोगी आवास योजना में 25 प्रतिशत छूट के साथ और नए फ्लैट जोड़े हैं। जिसके तहत नरेला सेक्टर ए1 - ए4 पॉकेट-13 स्थित 1, 2 और 3 बीएचके फ्लैट तैयार है जिन्हें रेडी टू मूव के आधार पर बेचा जा रहा हैं। डीडीए ने इस योजना में 61.27 वर्ग मीटर के कुल 424 वन बीएचके फ्लैट शामिल किए है, जिनकी कीमत 33.63 लाख रुपये से शुरू होती है। जबकि 776 टू बीएचके फ्लैट हैं, जो 126 वर्ग मीटर के हैं, इनकी कीमत 75.55 लाख रुपये से शुरू होती है। वहीं, थ्री बीएचके के 352 फ्लैट शामिल किए है, जिनका एरिया 164.54 वर्ग मीटर है और इनकी कीमत 106.79 लाख रुपये से शुरू है। पहले आओ - पहले पाओ की नीति पर आधारित इस योजना को डीडीए के अधिकृत पोर्टल पर जाकर पूरी जानकारी ली जा सकती है और बुकिंग भी की जा सकती है। योजना के तहत बुकिंग राशि लगभग 50 हजार रुपये है अथवा योजना के नियमों के अनुसार निर्धारित तय राशि जमा करनी पड़ेगी।

'युवाओं में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का विकास करते हैं खेल'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

खेल केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समर्पण और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का भी विकास करते हैं। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने रविवार को 51वें गोस्वामी गणेश दत्त क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट भारत के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है और इस प्रकार के टूर्नामेंट युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा खेल के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर पूर्व टेस्ट क्रिकेटर अजय शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा को और बढ़ाया। महापौर वाही ने उनके खेल जगत में योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वरिष्ठ खिलाड़ियों का मार्गदर्शन युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का महत्वपूर्ण स्रोत होता है। महापौर वाही ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'खेलो इंडिया' विजन के अनुरूप खेलों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है और दिल्ली नगर निगम भी युवाओं के लिए खेल सुविधाओं के विकास एवं खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री की अपील, घरों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए करें पानी की व्यवस्था

रेखा ने सुना 'मन की बात' कार्यक्रम, छात्राओं को वितरित कीं साइकिलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित 'विकसित मालवीय नगर का संकल्प समारोह' में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बालिका सशक्तिकरण के उद्देश्य से मेधावी एवं आर्थिक रूप से जरूरतमंद 15 छात्राओं को साइकिलें वितरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पक्षियों के लिए वाटर पोट्स स्थापित कर पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में पक्षियों और अन्य जीवों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से भी अपने घरों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी रखने की अपील की। श्री अरविंदो मार्ग स्थित एनसीयूआई ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज, मालवीय नगर के विधायक सतीश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्थानीय विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों और जनहितकारी परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न विकास पहलों का अवलोकन करते हुए कहा कि विकसित दिल्ली का निर्माण स्थानीय स्तर पर मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर सुविधाओं और जनभागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण भी किया गया।

देश की जनता से सीधा संवाद करते हैं पीएम : हर्ष मल्होत्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 134वें संस्करण को रविवार को दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्थानीय नागरिक संगठनों के साथ लगभग 7568 बूथों एवं विभिन्न स्थानों पर सुना। दिल्ली में मन की बात कार्यक्रम आयोजन टोली के संयोजक राजन तिवारी के अनुसार रविवार को नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने केशवपुरम जिले के प्रशिक्षण शिविर में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के बाद हर्ष मल्होत्रा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के ऐसे राष्ट्रीय नेता है जो देश की जनता से सीधा संवाद करते हैं। देश में होने वाली छोटी घटनाओं के साथ ही उन्होंने देश की प्रतिभा को पहचानने और उसके बारे में सबको बताने की एक पहल इस कार्यक्रम के माध्यम से शुरू की है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि गर्मी का मौसम चल रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्मी में बचाव के लिए लोकल उपाय की बात कही चाहे कही आम पन्ना पीने की बात हो या फिर सत्तू पीने की बात हो।

शेखर ने वैभव को अपनी फिल्म में लेने की जताई मंशा

नई दिल्ली। दिग्गज फिल्ममेकर शेखर कपूर अपनी आगामी फिल्म 'मासूमः द न्यू जेनरेशन' को लेकर चर्चाओं में हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि इस फिल्म में दिग्गज संगीतकार एआर रहमान संगीत देंगे। अब शेखर कपूर ने युवा क्रिकेटर और नई सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। साथ ही उन्होंने वैभव को अपनी फिल्म में लेने की भी मंशा जताई। शेखर कपूर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी के फैन बन गए। शेखर कपूर ने आज अपने एक्स अकाउंट पर वैभव सूर्यवंशी की एक तस्वीर साझा की। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, 'अगर सूर्यवंशी इतने शानदार क्रिकेटर न होते, तो मैं उन्हें अपनी फिल्म 'मासूमः द न्यू जेनरेशन' में ले सकता था।''

लाइफ Style

राशा

लाल कपड़ों में दिलाई मां रवीना की याद

एजेंसी ▸▸ मुंबई

राशा थडानी हाल ही अपनी अपकमिंग फिल्म 'श्रीनिवास मंगपुरम' के एक इवेंट में नजर आईं। यहां से उनका लुक वायरल हो रहा है। यूजर्स ने उनकी तुलना उनकी मां रवीना टंडन से की है। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी फिल्म 'श्रीनिवास मंगपुरम' से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं।

इस फिल्म में वह महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ नजर आएंगी। हाल ही में हैदराबाद में इस फिल्म का एक इंट्रोडक्शन इवेंट हुआ। इसमें दोनों कलाकारों का परिचय कराया गया। इस इवेंट से राशा थडानी का लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कई यूजर्स ने उनकी तुलना उनकी मां रवीना टंडन से की है। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा गया 'ऐसा क्यों लगता है कि हम रवीना टंडन को देख रहे हैं?' वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि राशा थडानी लोगों के बीच से उठकर स्टेज पर आती हैं। इसके बाद अपने साथी कलाकार जय कृष्णा घट्टामनेनी को केक खिलाती हैं। आपको बता दें कि यह इंट्रोडक्शन इवेंट सुपरस्टार कृष्णा की जयंती के मौके पर आयोजित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए, जय कृष्णा अपने दादा के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा 'मेरे लिए, मेरे दादा भगवान के समान हैं। उनके लिए मेरे दिल में जो प्यार और सम्मान है, उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता।' राशा थडानी, जो इस फिल्म के साथ टॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं, उन्होंने तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया।

हॉलीवुड मसाला

अमेरिकी अभिनेत्री मिका से तुलना

मुंबई। महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है। कई फैंस तो 'ऑफ कैंपस' की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज 'ऑफ कैंपस' में ऐली हेस का किरदार निभाती हैं। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती हैं।

स्पाइडर मैन- ब्रांड न्यू डे के बाद रिटायर होंगे टॉम?

लॉस एंजिल्स। अभिनेता टॉम हॉलैंड अपनी फिल्म 'स्पाइडर मैन-ब्रांड न्यू डे' के बाद पीटर पार्कर के किरदार से रिटायर हो सकते हैं। उन्होंने हाल में हुई एक बातचीत में कहा कि वह अब किसी नए अभिनेता के लिए पीटर पार्कर का रास्ता खोलना चाहते हैं। अभिनेता टॉम हॉलैंड स्पाइडर मैन सीरीज की चार फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। मगर हाल ही में एम्पायर मैगजीन से हुई बातचीत में उन्होंने कहा, 'अगला किरदार चाहे माइल्स मोरालेस हो, स्पाइडर-ग्वेन हो, स्पाइडर-वुमन हो या ऐसा ही कोई और, मैं उसके अगले अध्याय की नींव रखने में अपना योगदान देना चाहूंगा। मैं नहीं जानता कि किस तरह मैं इसमें शामिल रहूंगा। मगर स्पाइडर मैन के किरदार को किसी और को सौंपने के बारे में सोच रहा हूं।'

कॉकटेल-2 के सेट से बीटीएस तस्वीरें जारी...

मुंबई। कॉकटेल 2 में रश्मिका मंदाना पहली बार कृति सेनन और शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म कॉकटेल 2 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज से पहले शाहिद कपूर ने कॉकटेल 2 की कुछ बीटीएस तस्वीरों को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। एक्टर शाहिद ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में एक फोटो कॉकटेल 2 की शूटिंग के दौरान की दिखाई दी। इस फोटो को शेयर कर एक्टर ने कैप्शन लिखा- 'व्हाट ए फन।' इसके अलावा भी उन्होंने कुछ और फिल्म से जुड़ी तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में कृति और रश्मिका भी नजर आईं। इसके अलावा शाहिद ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें फिल्म की स्टार कास्ट शूटिंग के बीच के समय में इंजॉए करते नजर आ रहे हैं।

एसवीसी-63 से सामने आई पहली झलक

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमान की एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जो कि एसवीसी63 के सेट से बताई जा रही है। इस तस्वीर को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स अपने रिएक्शन दे रहे हैं। सलमान खान ने हाल ही में निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की फिल्म की शूटिंग शुरू की है। इस फिल्म को अस्थाई तौर पर एसवीसी63 कहा जा रहा है। सलमान खान की एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है, जिसे उनकी आगामी फिल्म एसवीसी 63 के सेट की तस्वीर बताया जा रहा है। इस तस्वीर में सलमान एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। सलमान के चेहरे पर साफ गुस्सा नजर आ रहा है, उनके आस-पास कई लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

टीवी मसाला

कोई भी किसी और को राम के रूप में नहीं देखना चाहता: अरुण

नई दिल्ली। अपकमिंग फिल्म 'रामायण' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। इसके निर्देशक नितेश तिवारी हैं। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम का मुख्य किरदार निभा रहे हैं। साई पल्लवी सीता का किरदार निभा रही हैं, जबकि यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट में एक खास बात यह है कि इसमें दिग्गज एक्टर अरुण गोविल को भी कास्ट किया गया है। अरुण गोविल टीवी सीरीज 'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए मशहूर हैं। इस फिल्म में, गोविल भगवान राम के पिता, राजा दशरथ का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इस बीच उन्होंने रणबीर कपूर की तारीफ की है। एक बातचीत में अरुण गोविल ने रणबीर के बारे में यह साफ किया कि उन्हें इस एक्टर की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, 'राम के तौर पर, मैं उनके बारे में अभी कुछ नहीं बता पाऊंगा, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। इसमें कोई शक नहीं है। वह एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, हर एक्टर हर किरदार को अपने ही अंदाज में निभाता है। उन्होंने भी भगवान राम का किरदार अपने ही अनोखे अंदाज में निभाया होगा।' जब फिल्म 'रामायण' का पहला लुक रिलीज हुआ था, तब कई लोगों ने रणबीर कपूर के लुक की आलोचना की थी। इस बारे में अरुण गोविल से पूछा गया। इस पर उन्होंने बताया 'शायद इसकी एक वजह यह भी है कि भगवान राम के रूप में मेरा अभिनय ही एक पैमाना बन गया था। यह आज भी लोगों के दिलों और दिमागों में जिंदा है। कोई भी किसी और को राम के रूप में देखना नहीं चाहता।

'नाटक के बीच में रोते बच्चे को संभाला'

नई दिल्ली। टीवी और फिल्मों के अलावा अभिनेता स्वप्निल जोशी थिएटर भी सक्रिय हैं। स्वप्निल जोशी 'लगना पंचमी' नाम का नाटक थिएटर में करते हैं। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक आते हैं। हाल ही में जब वह यह नाटक कर रहे थे तो अचानक शो में एक बच्चा रोने लगा। इस वजह से नाटक में खलल पड़ गया। ऐसे में गुस्सा होने की बजाय स्वप्निल जोशी ने मजेदार रिएक्शन दिया। स्वप्निल जोशी के नाटक के बीच में एक छोटा बच्चा रोने लगा। ऐसे में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस को रोक दिया और प्यार से कहा, 'माफ कीजिए क्या आप बच्चे को बाहर ले जा सकते हैं?' दर्शकों ने भी जवाब में माफी मांगी। तब स्वप्निल ने जवाब दिया, 'कोई दिक्कत नहीं है, बस बात यह है कि सबका ध्यान भंग हो रहा है।'स्वप्निल जोशी बोल ही रहे थे कि बच्चा फिर से रोने लगा। तब स्वप्निल जोशी ने कहा, 'प्यारे छोटे बच्चे तुम्हें भी नाटक देखना पसंद है, है ना?'

'डोला रे डोला' गाने की शूटिंग के दौरान मेरी तबीयत खराब थी : माधुरी

मुंबई। माधुरी दीक्षित को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि शाहरुख खान की 2002 की ब्लॉकबस्टर फिल्म देवदास के 'डोला रे डोला' गाने की शूटिंग के दौरान माधुरी दीक्षित चार महीने की प्रेग्नेंट थीं। अब इन चर्चाओं और अटकलों पर खुद माधुरी दीक्षित ने प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है। एक बातचीत में माधुरी दीक्षित ने अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने बेटे की जन्म की तारीख भी बताई। माधुरी ने कहा, 'आरिन का जन्म 2003 में हुआ था। आप हिसाब लगा लीजिए।'माधुरी दीक्षित के बड़े बेटे आरिन अब 23 साल के हैं और उनका जन्म 17 मार्च 2003 को हुआ था। फिल्म देवदास 12 जुलाई 2002 को रिलीज हुई थी, इससे पहले इसका प्रीमियर 23 मई 2002 को कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। हालांकि, माधुरी ने स्पष्ट किया कि शूटिंग शारीरिक रूप से काफी थकाने वाली थी, लेकिन इसका कारण उनकी प्रेग्नेंसी नहीं थी। उन्होंने कहा कि मैं बहुत ट्रेवल कर रही थी, इसलिए मेरी तबीयत थोड़ी खराब थी। मैं लगातार शूटिंग के लिए इधर-उधर जा रही थी। मेरी सारी शूटिंग रात में होती थी। इसलिए मेरे लिए यह बहुत थकाने वाला था। मेरी तबीयत थोड़ी खराब थी, लेकिन कुछ खास नहीं था। माधुरी की ये प्रतिक्रिया तब आई है, जब कुछ दिन पहले दिवंगत कोरियोग्राफर सरोज खान की पूर्व असिस्टेंट रुबीना खान के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि गाने की शूटिंग के दौरान माधुरी प्रेग्नेंट थीं। रुबीना ने 'डोला रे डोला' गाने के बारे में बात करते हुए कहा था, 'इसमें एक स्टेप है जिसमें माधुरी मैम घूमकर बैठती हैं। वह शॉट सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक चलता रहा, क्योंकि वह चार महीने की प्रेग्नेंट थीं। इसलिए वह ठीक से घूम नहीं पा रही थीं और उन्हें चक्कर आ रहे थे। उस समय उन्हें बुखार भी था।

'धुरंधर में जो दिखाया गया है, वो सब सच है'

मुंबई। आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म धुरंधर और धुरंधर 2 रिलीज के बाद से ही चर्चाओं में है। जहां एक तरफ पहले पार्ट ने फैनबेस बनाया, वहीं दूसरी तरफ दूसरे पार्ट ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। इन सब के बीच फिल्म की स्टोरी के रियल होने पर कई लोगों ने सवाल खड़े किए। इसी बीच अब एक पाकिस्तानी पत्रकार का इस मामले पर बड़ा बयान सामने आया है। पाकिस्तानी पत्रकार आरिफ अजाकिया ने हाल ही में बॉलीवुड फिल्म धुरंधर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फिल्म में दिखाए गए ल्यारी और कराची के हालात को हकीकत के काफी करीब बताया है। दरअसल, रणवीर सिंह की यह फिल्म 2025 में रिलीज हुई थी और अब एक बार फिर चर्चा में है। फिल्म में कराची के लयारी इलाके में सक्रिय क्राइम और गैंगस्टर नेटवर्क को दिखाया गया है, जो असल घटनाओं से प्रेरित बताया जाता है। पत्रकार सौरभ द्विवेदी से बातचीत के दौरान आरिफ अजाकिया ने कहा कि उन्होंने खुद लयारी में रहकर वही सब देखा है, जो फिल्म में दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि वह जमशेद टाउन के मेयर भी रह चुके हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, 'मैं लयारी में पैदा हुआ और वहीं पला-बढ़ा हूं, इसलिए फिल्म में जो दिखाया गया है, वो सब सच है।'इतना ही नहीं, आरिफ अजाकिया ने अपनी जड़ों को लेकर भी एक दिलचस्प बात कही। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता भारत के जूनागढ़, गुजरात से थे। उन्होंने कहा, 'मैं कराची में पैदा हुआ हूं, लेकिन खुद को भारतीय मूल का मानता हूं, पाकिस्तानी नहीं।'फिल्म धुरंधर में एक भारतीय एजेंट की कहानी दिखाई गई है, जो एक गुप्त मिशन पर होता है। इसमें आतंकवाद, खुफिया ऑपरेशन और बॉर्डर के बीच के तनाव जैसे मुद्दों को भी दिखाया गया है। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी अहम किरदारों में हैं।

36 साल खुद को कमरे में रखा बंद, जिया सात्विक जीवन

सुचित्रा : इंदिरा की कुर्सी के लिए बन गई थीं खतरा!

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में वैसे तो कई दमदार और उम्दा हीरोइनें रही हैं, जिन्होंने दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया और सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। पर एक हीरोइन ऐसी रही, जिसे 'पर्दे की देवी' का दर्जा मिला हुआ था। इस एक्ट्रेस को महानायिका कहा जाता था। संजीव कुमार से लेकर धर्मेंद्र और उत्तम कुमार तक इस एक्ट्रेस के फैन थे। यह थीं सुचित्रा सेन, जिन्होंने दशकों तक फिल्मी पर्दे के साथ लोगों के दिलों पर राज किया और कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। पर सुचित्रा सेन की जिंदगी में कुछ ऐसा हुआ, जिसके कारण वह लोगों की नजरों से छुपने लगी थीं। हालात ऐसे हो गए थे कि उन्होंने 36 साल तक खुद को कमरे में बंद कर लिया। यहां तक कि जब सुचित्रा सेन को दादासाहेब फाल्के सम्मान दिया जाना था, तो वह उसे लेने के लिए भी बाहर नहीं निकली थीं। सुचित्रा सेन एक ऐसी एक्ट्रेस रहीं, जिन्होंने इंदिरा गांधी की कुर्सी के लिए भी खतरा पैदा कर दिया था या यूं कहें कि वह इंदिरा गांधी की कुर्सी के लिए खतरा बन गई थीं।

असली नाम और परिवार दंगे हुए तो भागना पड़ा

सुचित्रा सेन ब्रिटिश भारत के बंगाल के बेलकुची थाना स्थित भंगा बारी गांव में पैदा हुई थीं। वह पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं और असली नाम था रोमा दासगुप्ता। हालांकि, फिल्मों में आने के बाद रोमा फिर सुचित्रा सेन बन गई थीं। साल 1947 में जब भारत-पाकिस्तान का विभाजन हुआ, तो दंगे-फसाद होने लगे। उसमें पिता ने किसी तरह खुद की और परिवार की जान बचाई और बंगाल आकर बस गए। यहां आने के बाद पिता ने सुचित्रा सेन की शादी एक रईस बिजनेसमैन आदिनाथ सेन के बेटे दीबानाथ सेन से करवा दी। तब सुचित्रा सेन 16 साल की थीं।

पिता ने 16 की उम्र में करवा दी शादी

सुचित्रा सेन की पढ़ाई बीच में छूट चुकी थी, पर उन्हें गाने और एक्टिंग का बहुत शौक था। ऐसे में पति और ससुर ने उन्हें बहुत सपोर्ट किया। पति के सपोर्ट से सुचित्रा सेन ने साल 1952 में अपने एक्टिंग कॅरियर की शुरुआत की। शुरुआत बंगाली फिल्मों से की थी, और फिर धीरे-धीरे हिंदी फिल्मों में भी आ गईं। सुचित्रा सेन की पहली फिल्म 'शेष कोथाय' थी, जो एक बंगाली फिल्म थी, पर कभी रिलीज नहीं हो सकी।

सुचित्रा सेन की हिट फिल्में

देवदास, मुसाफिर, बंबई का बाबू, ममता, सरहद, आंधी, शारे चोतोर, सप्तपदी. सात पाके बाधा, दीप ज्वेले जय, अग्निपरीक्षा, उत्तर फाल्गुनी।

अवॉर्ड और सम्मान

सुचित्रा सेन इंटरनेशनल अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस हैं और उन्हें सिल्वर प्राइज मिला था। मॉस्को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सुचित्रा को सात पाके बॉधा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था।

1953 से मिला स्टारडम उत्तम कुमार संग 30 फिल्में

फिर साल 1953 में सुचित्रा ने 'शारे चोतोर' में काम किया, जो सुपरहिट रही। इसमें सुचित्रा सेन की उत्तम कुमार के साथ जोड़ी थी। देखते ही देखते सुचित्रा सेन और उत्तम कुमार की जोड़ी हिट हो गई। करीब दो दशक तक उन्होंने लगभग हर फिल्म में साथ काम किया और वो हिट रहीं। सुचित्रा सेन ने अपने कॅरियर में 60 फिल्में कीं, जिनमें से 30 में वह उत्तम कुमार के साथ नजर आईं।

इंदिरा गांधी ने बैन करवा दी आंधी

साल 1955 में सुचित्रा सेन ने फिल्म देवदाससे बॉलीवुड में कदम रखे। इसमें दिलीप कुमार और वैजयंतीमाला भी थीं। फिल्म सुपरहिट रही। फिर तो 60 से लेकर 70 के दशक तक सुचित्रा सेन का ही जलवा रहा। हालांकि, साल 1974 में आई फिल्म 'आंधी' ने एक विवाद खड़ा कर दिया। इस फिल्म में सुचित्रा सेन ने आरती देवी नाम का किरदार निभाया था। कहा गया है कि यह किरदार तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से प्रेरित है और कांग्रेस पार्टी की छवि भी खराब कर सकता है। जबकि यह किरदार उनसे प्रेरित नहीं था। पर इंदिरा गांधी ने 'आंधी' की रिलीज रुकवा दी। फिर साल 1975 में जब इमरजेंसी लगी, तो 'आंधी' को इंदिरा गांधी ने बैन करवा दिया। इसके बाद तो हर तरफ 'आंधी' की ही चर्चा होने लगी। हालांकि, साल 1977 में जब कांग्रेस पार्टी हार गई और जनता पार्टी सत्ता में आई तो 'आंधी' को टीवी पर प्रीमियर किया था। तब इस फिल्म की हर किसी ने तारीफ की।

खबर संक्षेप

यूपी के पूर्णकालिक डीजीपी बने राजीव कृष्णा

लखनऊ। यूपी को लंबे इंतजार के बाद अपना पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक मिल गया है। वर्तमान में कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण को प्रदेश का पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है।संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से भेजे गए पैनल पर शासन स्तर पर मंथन पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्तमान कार्यवाहक डीजीपी को ही पूर्णकालिक डीजीपी बनाए जाने पर मंजूरी दे दी है।

पटना, गया समेत कई जिलों में बारिश का अलर्ट

पटना। बिहार के लोगों को गर्मी से मिली राहत अब जल्द ही खत्म होने वाली है। मौसम विज्ञान विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अगले कुछ दिनों में मौसम का मिजाज तेजी से बदलने वाला है। जहां एक तरफ आज भारी बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी है, वहीं जून के पहले सप्ताह में भीषण लू की वापसी होने की संभावना है। 1 जून को पटना का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

गर्भवती महिला को पीटकर हत्या, 6 गिरफ्तार

धनबाद। झारखंड के बोकारो में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक गर्भवती महिला को पीटकर मार डाला गया। मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मिली शिकायत में बताया गया कि मारपीट के बाद इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई थी। भाजपा ने दावा किया कि महिला चार महीने की प्रेग्नेंट थी और उसकी हत्या की गई है।

पीएम मोदी के मन की बात में बिहार का सत्तू और जर्दालु आम, गदगद सीएम सम्राट चौधरी बोले-

राष्ट्रीय मंच पर स्थान दिए जाने से बिहार की चीजों को दुनिया में पहचान मिलेगी

सम्राट चौधरी ने कहा कि विशेष रूप से भीषण गर्मी से बचाव के लिए बिहार के पारंपरिक और पौष्टिक पेय सत्तू का उल्लेख तथा राज्य के प्रसिद्ध जर्दालु आम की चर्चा बिहार की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करती है।

एजेंसी ▶▶ पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में वैसे तो कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस दौरान पीएम मोदी ने बिहार के मशहूर पेय पदार्थ सत्तू का भी जिक्र किया। 'मन की बात' में पीएम ने बिहार के जर्दालु आम के बारे में भी चर्चा की है। पीएम मोदी द्वारा सत्तू और जर्दालु आम का उल्लेख किए जाने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी काफी गदगद नजर आए। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि इससे बिहार की इन चीजों को देश-विदेश में पहचान मिलेगी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में बिहार का विशेष उल्लेख किए जाने पर उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

राज्यवासियों के लिए गर्व और सम्मान

पीएम के 'मन की बात' को सुनने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की भिन्न-भिन्न खासियतों एवं पहलुओं पर देशवासियों से सीधे संवाद कर उन्हें प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय उत्पादों और जनजीवन से जुड़े विषयों का उल्लेख किया जाना राज्यवासियों के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

किसान भी प्रोत्साहित होंगे

सम्राट चौधरी ने कहा कि विशेष रूप से भीषण गर्मी से बचाव के लिए बिहार के पारंपरिक और पौष्टिक पेय सत्तू का उल्लेख तथा राज्य के प्रसिद्ध जर्दालु आम की चर्चा बिहार की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह उल्लेख बिहार के किसानों, उद्यमियों और आम नागरिकों के परिश्रम तथा राज्य की समृद्ध कृषि एवं खाद्य परंपरा का सम्मान है। उन्होंने कहा कि इससे बिहार के स्थानीय उत्पादों को देश-विदेश में नई पहचान मिलेगी तथा किसान भी प्रोत्साहित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार अपनी सांस्कृतिक धरोहर, कृषि उत्पादों और लोक परंपराओं के माध्यम से देश की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा इन विशेषताओं को राष्ट्रीय मंच पर स्थान दिए जाने से राज्य के लोगों का उत्साह और बढ़ा है।

पुलिस प्रमुख व डीएम को सरकार की प्राथमिकताओं से अवगत कराया

बड़ी आपराधिक घटनाओं पर पुलिस अफसरों को अल्टीमेटम, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने वाराणसी, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, लखनऊ के डीएम व पुलिस कमिश्नरों के साथ ही जौनपुर, पीलीभीत, बागपत व गाजीपुर के डीएम व एसपी को जमकर फटकार लगाई।अगर जिला नहीं संभाल पा रहे हैं तो बता दें। लापरवाही पर सीधी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के कुछ जिलों में पिछले दिनों हुईं बड़ी आपराधिक घटनाओं पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने आठ जिलों की समीक्षा की और पुलिस प्रमुख व जिलाधिकारियों को अपनी सरकार की प्राथमिकता से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, लखनऊ के डीएम व पुलिस कमिश्नरों के साथ ही जौनपुर, पीलीभीत, बागपत व गाजीपुर के डीएम व एसपी को जमकर फटकार लगाई।

मुख्यमंत्री ने डीजीपी राजीव कृष्ण की मौजूदगी में सभी को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर जिला नहीं संभाल पा रहे हैं तो बता दें। लापरवाही पर सीधी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राज्य में पिछले कुछ दिनों में कई जिलों में लगातार बड़ी आपराधिक घटनाएं हुई हैं। विपक्ष लगातार इन घटनाओं को लेकर कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। इसे लेकर मुख्यमंत्री ने बीते कुछ दिनों में सर्वाधिक बड़ी आपराधिक घटनाओं वाले जिलों की रिपोर्ट तलब की थी।

नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह को फटकार

मुख्यमंत्री ने शनिवार की देर रात तक संबंधित जिलों के पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की और एक-एक घटना को लेकर अधिकारियों की प्रतिक्रिया जानी। गौतमबुद्धनगर पिछले कई दिनों से आपराधिक घटनाओं को लेकर चर्चा में है। हाल ही में किन्नर की हत्या सहित जिले में हुए अन्य अपराधों को लेकर मुख्यमंत्री ने कमिश्नर लक्ष्मी सिंह को कानून-व्यवस्था कायम करने को लेकर चेतावनी दी है।

चेतावनी भरे लहजे में जमकर फटकारा

पिछले दिनों वाराणसी के सारनाथ में एक युवक की पिटाई से हुई मृत्यु व मनीष सिंह हत्याकांड, गाजियाबाद में बकरीद वाले दिन 17 वर्षीय सूर्या चौहान की चाकुओं से गोदकर हत्या करने के मामले को लेकर मुख्यमंत्री ने वहां के पुलिस कमिश्नरों को भी चेतावनी भरे लहजे में जमकर फटकारा।पीलीभीत में पिछले दिनों कपड़ा व्यापारी पंकज गुप्ता की हत्या, जौनपुर में दूल्हे आजाद की हत्या, बागपत में कूलर मैकेनिक चंद्रपाल व एक अन्य व्यक्ति की हत्या के मामले में मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलों के पुलिस कप्तानों को चेतावनी दी है। गाजीपुर में होटल व्यवसायी आलोक राय उर्फ डब्बू के बेटे विनित राय की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले को लेकर मुख्यमंत्री ने गाजीपुर के कप्तान को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। बैठक में संबंधित क्षेत्रों के मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, एडीजी जोन, आइजी व डीआइजी रेंज भी मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री ने संबंधित पुलिस अधिकारियों से कहा है कि अगर कानून व्यवस्था नहीं सुधार सकते हैं तो अंजाम भुगतने के लिए भी तैयार रहें। बैठक में मुख्यमंत्री के बेहद कड़े रुख के बाद हरकत में आए पुलिस अधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में कानून-व्यवस्था को और पुख्ता करने के लिए कार्रवाई भी शुरू कर दी।

लखनऊ के पुलिस कमिश्नर को भी वार्निंग

वहीं लखनऊ में पिछले दिनों हुई भाजपा नेता शिवम सिंह की हत्या को लेकर भी मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र सिंह सेंगर को यहां तक कह दिया कि लखनऊ के नवविकसित क्षेत्रों में अपराधिक घटनाएं क्यों नहीं रुक रही हैं।

कॉलर पकड़कर खींचा, वर्दी फाड़ी,थप्पड़ बरसाए

बीच सड़क पर पीआरडी जवान को किया बेइज्जत

झांसी। यूपी के झांसी में रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। बीच सड़क पर हुए इस विवाद में दबंगों ने वर्दी का ही अपमान कर डाला। उन्होंने वर्दीधारी पीआरडी जवान पर जमकर थप्पड़ बरसाए। कॉलर पकड़कर खींचा। गाली-गलौज की। जिसमें वर्दी फट गई। बेल्ट-बाजू के हुक टूट गए। विरोध करने पर अपने साथियों से भी चांटों की बारिश करवाई। सबके सामने दबंगों ने पीआरडी जवान की जमकर बेइज्जती की। बीच सड़क पर हुए इस तमाशे का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। हालांकि 'हिन्दुस्तान' ऐसे किसी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। नबाबाद थाना पुलिस ने इसी के आधार पर दो नामजद सहित अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।दयाशंकर झांसी में पीआरडी जवान हैः घटना नबाबाद व शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के बीच शांति नगर गल्ला मंडी रोड की बताई जा रही है। कस्बा मोंठ के गांव अमरा निवासी दयाशंकर झांसी में पीआरडी जवान हैं। वह गल्ला मंडी परिषद के एक अधिकारी के यहां दिनों ड्यूटी कर रहे हैं। दयाशंकर ने बताया कि कुछ समय पहले मां के इलाज के लिए उन्होंने बिना ब्याज के गोलू नामक युवक के पिता से 35 हजार रुपए उधार लिए थे। कुछ दिनों बाद गोलू और उसका भाई ब्याज मांगने लगे। तब उन्होंने किसी तरह 10 हजार रुपए दे दिए। कुछ पैसा वेतन मिलने पर देने को कहा। इस बीच ब्याज के लिए गोलू और उसका भाई ऋषभ दबाव बनाने लगे। विरोध पर वह धमकियां देने लगे।

पेज एक का शेष

रॉयल चैंपियन बेंगलुरु...

मैच में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें रसिक सलाम डार ने मुख्य भूमिका निभाते हुए गुजरात के 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और विरोधी टीम को बड़े स्कोर से रोका। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी के लिए चेज मास्टर विराट कोहली संकटमोचक बने। उन्होंने 42 गेंदों पर 75 रनों की ताबड़तोड़ और मैच जिताऊ पारी खेली। कोहली ने अंत में शानदार छक्का जड़कर अपनी टीम को चैंपियन बनाया और नाबाद पवेलियन लौटे।

राज्यसभा चुनाव में...

जारी है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से चर्चा के लिए तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने संपर्क किया है। यदि गठबंधन फार्मूले पर सहमति बनती है तो एक सीट कांग्रेस के खाते में जा सकती है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खैरा का नाम संभावित उम्मीदवारों में सबसे आगे माना जा रहा है। पवन खेड़ा को राज्यसभा भेजने के पीछे पार्टी का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर आक्रामक राजनीतिक और मीडिया रणनीति को और मजबूत करना माना जा रहा है राजस्थान में 3 सीटों पर चुनाव होना है। विधानसभा में कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या बल होने के कारण एक सीट उसके खाते में जाना लगभग तय माना जा रहा है। लेकिन उम्मीदवार चयन यहां सबसे दिलचस्प माना जा रहा है। राजस्थान से जिन नेताओं के नाम चर्चा में हैं उनमें वर्तमान सांसद नीरज डांगी, वरिष्ठ नेता और राहुल गांधी के सहयोगी भँवर जितेंद्र सिंह, और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी प्रमुख हैं। पार्टी नेतृत्व यहां जातीय और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर फैसला कर सकता है। राजस्थान में गुर्जर, जाट, ब्राह्मण और ओबीसी प्रतिनिधित्व को लेकर भी राजनीतिक चर्चा चल रही है। इस बार कांग्रेस केवल सीटें भरने की प्रक्रिया नहीं चला रही, बल्कि राज्यसभा के जरिए 2029 की राष्ट्रीय राजनीति की रूपरेखा तैयार करने में जुटी दिखाई दे रही है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, सामने तीन बड़े लक्ष्य हैं।वरिष्ठ नेताओं को संसदीय भूमिका देना। संगठन और नेतृत्व के बीच संतुलन बनाना। क्षेत्रीय और सामाजिक प्रतिनिधित्व का संदेश देना। इसी कारण उम्मीदवार चयन में केवल जीतने की क्षमता नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश को भी महत्व दिया जा रहा है। 18 जून को होने वाले चुनाव में जहां भाजपा और एनडीए अपनी संख्या बढ़ाने की कोशिश करेंगे, वहीं कांग्रेस इन सीटों के जरिए संगठनात्मक पुनर्संतुलन और राजनीतिक संदेश देने की रणनीति पर काम कर रही है। कर्नाटक से खड़गे और सिद्धारमैया, मध्य प्रदेश से कमलनाथ, झारखंड से पवन खेड़ा और राजस्थान से कई वरिष्ठ नेताओं के नाम चर्चा में होने से यह चुनाव केवल राज्यसभा की सीटों का नहीं, बल्कि कांग्रेस की भविष्य की राजनीतिक दिशा का भी संकेतक बन गया है।

एडमिरल कृष्णा ...

है, जो इसी दिन अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं। रिटायरमेंट से पहले एडमिरल त्रिपाठी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। 1 जुलाई 1987 को नौसेना में कमीशन प्राप्त करने वाले एडमिरल स्वामीनाथन संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन्होंने एनडीए खड़कवासला के अलावा यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका के प्रतिष्ठित नेवल वॉर कॉलेजों से उच्च सैन्य शिक्षा प्राप्त की है। नए नौसेना प्रमुख ने कहा कि नौसेना की युद्धक तैयारियों और मारक क्षमता को हर समय सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी।

आरक्षक के 34 मिनट ...

घटनास्थल पर पहुंची थी, तब पटेल को वीडियोग्राफी की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने बेहद बारीकी से गिरिबाला सिंह के घर का ताला खुलने के क्षण से लेकर पूरे घटनास्थल को विधिवत सील किए जाने तक का लगातार 34 मिनट का वीडियो बनाया। आरक्षक द्वारा बनाया गया बिना किसी कट का यह वीडियो रियल टाइम डॉक्यूमेंटेशन है। इसमें घटनास्थल की एक-एक चीज अपनी मूल स्थिति में रिकॉर्ड हो गई। फर्नीचर की जगह, खिड़की-दरवाजों की स्थिति, सामान का बिखराव - सब कुछ कैमरे में कैद है। सीबीआई ने जब केस टेकओवर किया तो इस वीडियो को महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में जब्त कर लिया।

फ्रेंच ओपनः दिग्गजों...

हैं। यही कारण है कि यहां केवल कौशल नहीं, बल्कि सहनशक्ति और मानसिक शक्ति भी निर्णायक भूमिका निभाती है। पिछले वर्ष का फाइनल इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण था, जब यानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज़ के बीच ग्रैंड स्लैम इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक खेला गया। जो पांच घटे से भी ज्यादा समय तक चला था। कई बार ऐसा लगा कि मैच सिनर की मुट्ठी में है, लेकिन अल्काराज़ ने असाधारण जुझारूपन दिखाते हुए हार के कगार से वापसी की और अंततः खिताब अपनी झोली में डाल लिया। इस वर्ष भी क्ले कोर्ट का वही निर्मम स्वभाव दिखाई दे रहा है। सिनर कई मौकों पर मैच जीतने की स्थिति में पहुँचने के बावजूद अपनी लय खो बैठे। कुछ क्षणों की एकाग्रता भंग हुई और प्रतिद्वंद्वी ने वापसी का रास्ता खोज लिया। अंतिम सेटों में उनका खेल बिखरता हुआ नजर आया। यह क्ले कोर्ट की सबसे बड़ी ख़ासियत ही यह है कि खिलाड़ी की तकनीक से पहले उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। पिछली बार के उपविजेता सिनर इस बार दूसरे दौर में ही चारों खाने चित हो गये।

कमोबेश यही स्थिति पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के साथ भी देखने को मिली। 39 वर्ष की आयु में भी जिस स्तर का टेनिस वह खेल रहे हैं, वह खेल प्रेमियों को हैरत में डाल देता है। लेकिन उम्र और परिस्थितियों की अपनी सीमाएं होती हैं। इस बार उन्हें एक ऐसे युवा खिलाड़ी ने चुनौती दी, जो उनके करियर की शुरुआत के समय पैदा भी नहीं हुआ था। तीसरे दौर में उन्नीस वर्षीय ब्राजील खिलाड़ी के साथ पाँच सेट तक चले संघर्ष में जोकोविच ने अनुभव, कौशल और इच्छाशक्ति का परिचय दिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में उनकी थकान साफ दिखाई दी। जोकोविच अपने प्रतिद्वंदी फोन्सेका से भले ही तीसरे दौर मे हार गये लेकिन उनमें अभी काफी टेनिस बाकी है। उनके पास अनुभव है, दक्षता है, एकाग्रता है लेकिन सामर्थ्य का अभाव दिखने लगा है। पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा है कि वह शुरुआती तीन सेट में जितना बेहतर खेलते हैं, वह लय पांच सेट तक बरकरार नहीं रख पाते। अगर मैच पांच सेट तक खिंच जाता है तो उम्र उनके प्रदर्शन पर हावी हो जाती है। पेरिस की गर्मी, लंबी रैलियां और लगातार शारीरिक दबाव अंततः उन पर भारी रहे। जोकोविच के अलावा मेदवेदेव, बेन शेल्टर, फ्रिट्ज, बबलिक भी बाहर हो चुके हैं। महिला वर्ग में पिछली चैंपियन गाफ भी हार चुकी हैं।

यही फ्रेंच ओपन की वास्तविकता है। यहाँ नाम, प्रतिष्ठा और उपलब्धियाँ सम्मान तो दिला सकती हैं, जीत की गारंटी नहीं। क्ले कोर्ट हर खिलाड़ी को नए सिरे से परखता है। यही कारण है कि टेनिस के इतिहास में अनेक महान खिलाड़ी आए, लेकिन साम्राज्य तो राफेल नडाल जैसा खिलाड़ी ही स्थापित कर सका। नडाल के खाते में फ्रेच ओपन का खिताब चौदह बार दर्ज है , जिस पर विश्वास ही नहीं होता। आज जब एक के बाद एक दिग्गज बाहर हो रहे हैं, तब यह तथ्य और भी स्पष्ट होकर सामने आता है कि रोलां गैरो केवल प्रतिभा का नहीं, बल्कि धैर्य, सहनशक्ति और मानसिक दृढ़ता का भी सर्वोच्च मंच है। यहाँ वही टिकता है जो अंत तक लड़ने की क्षमता रखता है। इस बार यहां नया चैंपियन देखने को मिलेगा क्योंकि पुराना कोई विजेता अब टूर्नामेंट में मौजूद नहीं है।

रायसेन से आज शुरू...

का असंतुलित उपयोग, मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट और बदलते जलवायु संकट खेती के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़े हैं, इसलिए समय रहते व्यापक जागरूकता और व्यवहारिक हस्तक्षेप आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 1 जून को रायसेन जिले के रामसिया गांव से प्रारंभ हो रहा राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, फसल चयन, जल संरक्षण, हरी खाद, कम वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक कृषि पद्धतियों तथा नकली खाद-बीज और पेस्टिसाइड की पहचान जैसे विषयों पर जागरूक करेगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि खेत स्तर पर डेमो, वैज्ञानिक प्रमाण और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से किसानों का विश्वास मजबूत करना होगा। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि देशभर में 30 जून तक का विस्तृत रोडमैप तैयार किया जाए, जिसमें यह स्पष्ट हो कि कौन अधिकारी, वैज्ञानिक, संस्थान या टीम किस तिथि को किस गाँव में जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि हर जिले का कार्यक्रम पूर्व नियोजित हो, डैशबोर्ड आधारित मॉनिटरिंग हो, स्थानीय स्तर पर समुचित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित हों और अभियान के हर चरण में प्रभावी समन्वय दिखाई दे।

चौहान ने राज्यों के कृषि विभागों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए केंद्र, राज्य, आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और किसान हितैषी संस्थाएँ एकजुट होकर कार्य करें। उन्होंने सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी अभियान से जोड़ने तथा प्राकृतिक खेती व टिकाऊ कृषि के व्यवहारिक नमूने प्रस्तुत करने पर बल दिया। शिवराज सिंह ने कहा कि अभियान को बहुउद्देश्यीय स्वरूप देते हुए किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, मिनी बीज किट, दलहन-तिलहन मिशन तथा कृषि यंत्रीकरण जैसी योजनाओं का लाभ भी किसानों तक पहुँचाया जाए, इससे खेत बचाने के साथ-साथ किसान की आय, जागरूकता और कृषि प्रबंधन क्षमता को भी मजबूत किया जा सकेगा।

इस वर्चुअल संवाद के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण सचिव श्री अतिश चंद्र, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, वैज्ञानिक, आईसीएआर संस्थानों के निदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक, राज्यों के कृषि विभागों के अधिकारी तथा केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

झारखंड के एक छात्र...

है कि उसने पुराने और नए आरएफपी दस्तावेजों का अध्ययन कर पाया कि कई महत्वपूर्ण शर्तों को या तो बदल दिया गया या पूरी तरह हटा दिया गया। छात्र ने दावा किया कि इन बदलावों का लाभ विशेष रूप से परीक्षा प्रबंधन कंपनी कोएम्प्ट कंपनी को मिला।

क्या हैं छात्र के प्रमुख आरोप? : सार्थक के अनुसार सबसे गंभीर बदलाव खराब प्रदर्शन से जुड़े प्रावधानों में किए गए। उसका दावा है कि पुराने आरएफपी में खराब रिकॉर्ड वाली कंपनियों को बाहर रखने के लिए तीन महत्वपूर्ण क्लॉज मौजूद थे, लेकिन नए आरएफपी में हटा दिया गया। छात्र के मुताबिक, पहले टेंडर दस्तावेज में ₹ब्लैकलिस्टेडर₹ कंपनियों को अयोग्य माना गया था, जबकि बाद में इस शर्त को बदलकर ₹वर्तमान में ब्लैकलिस्टेडर₹ कर दिया गया। उसका सवाल है कि यदि कोई कंपनी पहले किसी सरकारी या सार्वजनिक संस्था द्वारा ब्लैकलिस्ट की जा चुकी है तो उसे पात्रता की छूट क्यों दी गई।

50 करोड़ टर्नओवर की शर्त पर भी सवाल : ब्लॉग में दावा किया गया है कि टेंडर के लिए निर्धारित 50 करोड़ रुपये के वित्तीय मानदंड में भी ऐसे बदलाव किए गए, जिनसे कुछ चुनिंदा कंपनियों को फायदा मिला। सार्थक का कहना है कि संबंधित कंपनी इस पात्रता सीमा को केवल 1.7 प्रतिशत के मामूली अंतर से पूरा कर रही थी। ऐसे में पात्रता शर्तों में बदलावों ने संदेह पैदा किया है।

भ्रष्टाचार से जुड़े प्रावधानों में कथित ढील : छात्र ने यह भी आरोप लगाया है कि भ्रष्ट आचरण से जुड़े प्रावधानों की समय-सीमा को आधा कर दिया गया। इसके अलावा परियोजना अनुभव और तकनीकी पात्रता से जुड़े नियमों में भी बदलाव किए गए। उसका दावा है कि इन संशोधनों का समग्र प्रभाव यह रहा कि कुछ बड़ी और स्थापित कंपनियों की तुलना में एक विशेष एजेंसी को अधिक लाभ मिला।

सीबीएसई की प्रतिक्रिया...

जाएगा। इस पूरे प्रकरण का सबसे उल्लेखनीय पहलू यह है कि सवाल किसी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन या पूर्व अधिकारी ने नहीं, बल्कि 12वीं कक्षा के एक छात्र ने उठाए हैं। यदि उसके दावों में दम है तो यह सूचना के सार्वजनिक दस्तावेजों के अध्ययन और नागरिक निगरानी का एक महत्वपूर्ण उदाहरण बन सकता है। वहीं यदि आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत साबित होते हैं, तो संबंधित संस्थाओं के लिए अपनी स्थिति स्पष्ट करना भी उतना ही आवश्यक होगा।

बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से मिले सीएम, लिया

एजेंसी ▶▶ झांसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को डेरा राधा स्वामी सत्संग, ब्यास पहुंचकर डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा विभिन्न सामाजिक एवं आध्यात्मिक विषयों पर विचार-विमर्श किया। कपूरथला में अपने कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहर के सर्कुलर रोड मार्केट क्षेत्र में लोगों से मुलाकात की तथा स्थानीय नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान लोगों में मुख्यमंत्री के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों से कहा कि सरकार जनकल्याण, विकास और सुशासनं के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है तथा आमजन के हित सर्वोपरि हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश आधारित पुष्प ब्रांड ने आईपीओ के लिए आवेदन किया

इंदौर। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती पैकेज्ड मसाला कंपनियों में से एक पुष्प ब्रांड (इंडिया) लिमिटेड ने प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। इस इश्यू में सुरेंद्र कुमार सुराना और महेंद्र कुमार सुराना (प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक) सहित मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 7,445,000 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। साथ ही ए91 इमर्जिंग फंड आई एलएलपी और सिक्स्थ सेंस इंडिया अपॉर्चुनिटीज III (इन्वेस्टर सेलिंग शेयरधारक) भी शामिल हैं। ए91 इमर्जिंग फंड आई एलएलपी ने 2020 में कंपनी में लगभग 125 करोड़ रुपये का निवेश किया। 1974 में मध्य प्रदेश के इंदौर में स्वर्गीय किशनलाल सुराना द्वारा मेसर्स मुनीमजी एंड संस के रूप में स्थापित यह कंपनी एक पारंपरिक क्षेत्रीय मसालों के व्यवसाय से विकसित होकर पुष्प और मुनीमजी ब्रांडों के तहत संचालित होने वाले एक बड़े पैकेज्ड मसालों और खाद्य पदार्थों के व्यवसाय के रूप में विकसित हुई है। पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने शुद्ध मसालों से लेकर मिश्रित मसालों, हींग और संबंधित श्रेणियों तक अपना विस्तार किया है। साथ ही एक मजबूत क्षेत्रीय फ्रेंचाइजी और राष्ट्रीय वितरण नेटवर्क भी स्थापित किया है। कंपनी ने पुष्प ब्रांड को शुद्धता, स्वाद और भरोसे के आधार पर स्थापित किया है, और पश्चिम और मध्य भारत में बढ़ते वितरण नेटवर्क के समर्थन से मध्य प्रदेश से बाहर महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे प्रमुख बाजारों में उपस्थिति का लगातार विस्तार किया है।

चिंतन

सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़े सुविधाओं का दायरा

भारत-बांग्लादेश सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में फेंसिंग का कार्य शुरू होना केवल सुरक्षा का मामला नहीं है, बल्कि वहां रहने वाले लाखों लोगों के जीवन में स्थिरता और विश्वास लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। लंबे समय से सीमा के कई हिस्सों में बाड़ नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को घुसपैठ, तस्करी, फसल चोरी और सुरक्षा संबंधी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। अब जब सीमा पर कंटीले तार लगाने और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की प्रक्रिया शुरू हुई है, तो लोगों में नई उम्मीद जगी है। चुनाव के कारण क्षेत्र में ठप पड़े कामों पर अब एक्शन शुरू हो चुका है। भाजपा की नई सरकार बंगाल में विकास के वादे के साथ आई। लोगों को उम्मीद है कि अब यहां सुरक्षा के साथ सुविधाएं भी मिलेंगी। मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार स्थित सकारपाड़ा गांव की स्थिति इस समस्या की गंभीरता को दर्शाती है। लगभग चार हजार आबादी वाले इस गांव के अधिकांश लोग खेती पर निर्भर हैं। यहां घरों के बाद सीधे खेत शुरू हो जाते हैं और खेतों के बाद बांग्लादेश की सीमा आ जाती है। वर्षों से स्थानीय किसानों की शिकायत रही है कि सीमा पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण उनकी फसलें नुकसान का शिकार होती रही हैं। बंगाल की बांग्लादेश के साथ करीब 2,216 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जो किसी भी भारतीय राज्य की सबसे लंबी सीमा मानी जाती है। इसके बावजूद करीब 600 किलोमीटर क्षेत्र ऐसा है, जहां अब तक फेंसिंग का कार्य अधूरा रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार भारत-बांग्लादेश सीमा के अधिकांश हिस्से में बाड़ लग चुकी है, लेकिन शेष क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से चुनौती बना हुआ है। ऐसे में सीमावर्ती जिलों में फेंसिंग का विस्तार समय की मांग है। हाल के दिनों में नई राज्य सरकार द्वारा बीएसएफ को भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज की गई है। जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलिगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में जमीन हस्तांतरण और सुरक्षा ढांचे के विकास का कार्य शुरू हुआ है। यह कदम सीमा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा। बीएसएफ आउटपोस्ट, निगरानी तंत्र और फेंसिंग के माध्यम से अवैध घुसपैठ तथा तस्करी पर अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी। हालांकि केवल बाड़ लगाना ही पर्याप्त नहीं होगा। सीमावर्ती क्षेत्रों की सबसे बड़ी समस्या विकास और सुविधाओं का अभाव भी है। इन इलाकों में सड़क, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, सिंचाई और रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ-साथ इन क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा। यदि सीमावर्ती गांवों के युवाओं को रोजगार, किसानों को बेहतर बाजार और ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी, तभी सुरक्षा उपायों का वास्तविक लाभ समाज तक पहुंचेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासी देश की सुरक्षा व्यवस्था का पहला मानवीय चेहरा होते हैं। इसलिए उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना राष्ट्रीय हित का विषय है। फेंसिंग से जहां सुरक्षा बढ़ेगी, वहीं सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ग्रामीणों की खेती, आवागमन और दैनिक जीवन प्रभावित न हो। इससे घुसपैठ और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण मजबूत होगा तथा स्थानीय लोगों में सुरक्षा का भाव बढ़ेगा, लेकिन इस प्रक्रिया की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब सीमावर्ती गांवों में रहने वाले नागरिकों को सुरक्षा के साथ-साथ विकास, सुविधाएं और बेहतर जीवन के अवसर भी प्राप्त होंगे।

त्रिभाषा से होगा राष्ट्र चेतना का जागरण

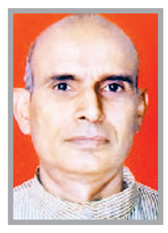

शिक्षा नीति
अखिलेश आर्येन्दु

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9 से त्रिभाषा सूत्र लागू करने का फैसला किया है। इसका मकसद इससे बच्चों में भाषाई, राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का विकास करना है। हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित करने की मांग भी दशकों से होती रही है। वहीं, दक्षिण में (तमिलनाडु) में हिंदी के विरोध से चुनाव जीते जाते रहे हैं। कुछ खास दलों द्वारा किया गया हिंदी का विरोध शिक्षण संस्थानों और राज्य के मान-सम्मान से भी जोड़ने का कार्य किया गया। देश प्रथम का नारा का मतलब- स्व-भाषा, स्व-संस्कृति, स्व-धर्म और स्वदेशी वस्तुओं को अहमियत देने से है, तभी भारत दुनिया का हर तरह से शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अभिनंदनीय होगा।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9 से त्रिभाषा सूत्र लागू करने का फैसला किया है। इसका मकसद इससे बच्चों में भाषाई, राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का विकास करना है। गौरतलब है भारत में भाषा का मुद्दा आजादी के बाद से ही चर्चा का विषय रहा है। खासकर हिंदी एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में लागू करने और उसे सम्मान के साथ सीखने का मुद्दा राजनीति के गलियारों में समर्थन व विरोध के रूप में जाना गया है। उत्तर भारत में हिंदी और उसकी बोलियों का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है। हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित करने की मांग भी दशकों से होती रही है। वहीं, दक्षिण में (तमिलनाडु) में हिंदी के विरोध से चुनाव जीते जाते रहे हैं। कुछ खास दलों द्वारा किया गया हिंदी का विरोध शिक्षण संस्थानों और राज्य के मान-सम्मान से भी जोड़ने का कार्य किया गया।

त्रिभाषा सूत्र शिक्षण संस्थानों में लागू करने की पहल छह दशक पूर्व की गई थी, लेकिन छात्रों में अपनी मातृभाषा के प्रति लगाव नहीं पैदा हुआ। इसकी वजह भारतीय भाषाओं की अपेक्षा अंग्रेजी को ज्यादा तरजीह देना रहा है। केंद्र सरकार ने इस कमी को समझा और एनसीईआरटी ने सत्र 2026-27 में 9वीं कक्षा में त्रिभाषा फार्मूला लागू करने का निर्देश जारी किया है। गौरतलब है त्रिभाषा सूत्र का फार्मूला कोठारी आयोग ने छह दशक पूर्व दिया था, जिसे कोठारी आयोग के नाम से जाना जाता है। इसे त्रिभाषा सूत्र (फार्मूला) कहा जाता है। वक्त-दर-वक्त इसमें संशोधन किए जाते रहे। 2020 के नई शिक्षा नीति के तहत इसे लागू करने का प्रस्ताव किया गया। इसका मकसद बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ भाषाई, सांस्कृतिक, सामाजिक और राष्ट्रवादी चेतना को बढ़ावा देने के रूप में बताया गया। नई शिक्षा नीति के इस भाषाई फार्मूले के दस्तावेज में कहा गया कि –संवैधानिक प्रावधानों, जनता, क्षेत्रों और संघ की आकांक्षाओं, बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए-त्रिभाषा फार्मूला लागू रहेगा। साथ में यह भी स्पष्ट किया गया कि त्रिभाषा फार्मूला अधिक लचीला होगा और किसी भी राज्य में कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी। देश के हर बच्चे को यह सहुलियत होगी कि वह अपने राज्य, क्षेत्र और रुचि के मुताबिक कोई भी दो भाषा पढ़े, जो भारतीय हों।

नई शिक्षा नीति के अनुसार (एनईपी 2020) छात्र भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के अलावा कोरियाई, स्पेनिश, जापानी, जर्मन और फ्रेंच जैसी कोई भी भाषा रुचि के अनुसार सीख सकेगा। नई पीढ़ी में भाषाई अभिरुचि के विकास के साथ सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना के जागरण के प्रयास में एनसीईआरटी लगा हुआ है। दो भारतीय भाषा सीखने से छात्र जहां भारतीय सांस्कृतिक विविधता और भाषाओं की अहमियत को समझ सकेगा वहीं पर भारत की ज्ञान परंपरा और लोक धर्म को भी समझ सकेगा। गौर तलब है भाषा महज शिक्षा प्राप्त करने का माध्यम या विषय ही नही है, बल्कि उस भाषा में सृजित साहित्य, ज्ञान, परंपराओं के साथ उसमें चिंतन की प्रवृत्ति भी विकसित होगी। आजादी के सतहत्तर साल बाद भारत के राजनीतिक दलों में भाषा के मुद्दे पर एक समान चिंतन या समझ पैदा नही हो पाई है।

इसका परिणाम यह दिखाई दे रहा है कि देश में राष्ट्र भाषा या राष्ट्रीय भाषा की अहमियत और समझ विकसित नहीं हो पाई है। जो लोग 2020 की शिक्षा नीति और 9वीं में लागू होने वाली त्रिभाषा शिक्षा नीति को अपने राजनीतिक स्वार्थ की वजह से विरोध कर रहे हैं, उनका विरोध न केवल छात्र के मानसिक और सामाजिक चेतना के विकास में अवरोधक है, बल्कि राष्ट्रीय भाषाई एकता को सबल बनाने की कोशिश पर प्रतिघात जैसा है। भारत आर्थिक रूप से भले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बनने की दिशा में दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रहा हो, लेकिन राष्ट्र एकता की आधार भाषाई एकता के मामले में सबसे पीछे है।

गौरतलब है कि एनसीईआईआरटी ने हर क्षेत्र और हर तरह के छात्रों-छात्राओं के हित को ध्यान में रखकर इसे लागू किया है। विदेशी छात्रों, दिव्याग छात्रों और दूसरे तरह के छात्रों को इस फार्मूला से कोई दिक्कत आने वाली नहीं है। यानी शैक्षिक सहजता, मानसिक संतुलन और व्यावहारिक जरूरतों को इससे पूर्ति हो पाएगी। बोर्ड ने त्रिभाषा सूत्र के हर बिंदु और नजरिए पर शिद्दत के साथ गौर किया है। आजादी के वक्त और उसके बाद राष्ट्र भाषा का मुद्दा हल नहीं किया गया, जिसका परिणाम हुआ कि भारत की कोई राष्ट्र भाषा संविधान में इंगित नहीं हो पाई। जब कि हिंदी राष्ट्र भाषा बनने की हकदार थी और है, क्योंकि यह सभी भाषाओं से अधिक क्षेत्रफल में और सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली, लिखी और समझी जाने वाली भाषा है। यह चूक या भूल आज तक ठीक नहीं हो पाई है। वरना कोई वजह नहीं कि त्रिभाषा सूत्र पर बेमतलब विरोध किया जाता। किसी भी देश की राष्ट्र भाषा उस देश की आत्मा होती है, क्योंकि राष्ट्र रूपी शरीर में दिल आत्मा रूपी प्राण-वायु से ही धड़कता है। सनातन से भारत में भाषा दिल की धड़कन रही है। वह चाहे संस्कृत, पाली, प्राकृत रही हो या तमिल, कन्नड़ या पंजाबी रही हो। सभी भाषाओं में विपुल साहित्य लिखा गया। इसलिए दक्षिण से यदि त्रिभाषा फार्मूले का विरोध दिखता है तो बेहद अफसोस और चिंता होती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अधिक से अधिक भाषा सीखने से व्यक्ति की मानसिक, बौद्धिक, तार्किक, रचनात्मकता, वैज्ञानिकता और संवेदनात्मकता, समीक्षात्मक शक्ति और सहज चिंतन का विकास होता है। विडम्बना यह है कि गुलामी की भाषा अंग्रेजी हमारे रग-रग में इस तरह घुसपैठ कर चुकी है कि अपनी मातृभाषा पर भी ध्यान देना भूल गए हैं। फिर अपनी मातृभाषा पर गर्व कैसे करेंगे? यह नहीं कहा जा रहा है कि अंग्रेजी को छोड़ हिंदी या दूसरी भारतीय भाषाओं को सीखो। हमारा कहना बस इतना है कि मातृभाषा को भी उतनी ही अहमियत देनी होगी जितनी अंग्रेजी को। आजादी के अमृत काल में देश के युवा वर्ग के साथ-साथ शिक्षकों, समाज सेवियों, अभिभावकों, भाषा और शिक्षाविदों, समाज सुधार करने वाले संगठनों और राष्ट्रधर्मियों को सरकार के इस भाषाई पहल का समर्थन ही नहीं करना चाहिए, बल्कि इसकी जरूरत को त्रिभाषा फार्मूले का विरोध करने वालों को भी समझाना चाहिए। इससे भारत की सभी भाषाओं की अहमियत बढ़ेगी और हिंदी का एकतरफा राजनीतिक विरोध भी खत्म होगा।

स्वदेशी अपनाने का प्रधानमंत्री का आह्वान महज विदेशी वस्तुओं की जगह स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि भाषा, संस्कृति, शिक्षा, विचार और साहित्य के क्षेत्र में भी इसकी उपयोगिता समझने और अपनाने के लिए है। इस मुद्दे को हर किसी को देशहित, विद्यार्थी-हित, समाज और संस्कृति-हित के रूप में देखने और समझने की जरूरत है। देश प्रथम का नारा का मतलब –स्व-भाषा, स्व-संस्कृति, स्व-धर्म और स्वदेशी वस्तुओं को अहमियत देने से है, तभी भारत दुनिया का हर तरह से शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अभिनंदनीय होगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

कमजोर मानसून

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

महंगाई का लगेगा तड़का अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

मौसम विभाग द्वारा जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंता का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो-चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की आशंका बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर-पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से विलंबित हो रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को मानें तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी, उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है, अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता। दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हालांकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था, वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है, उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है, वह किसी से छिपी नहीं हैं। बेमौसम आंधी ओलावृष्टि आम होती जा रही है। कुल मिलाकर, कहीं ना कहीं मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी ही होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थ व्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हर युग में प्रासंगिक 'महादेव'

संकलित
दर्शन

कुछ दिन पहले किसी ने मुझसे पूछा कि क्या मैं आदियोगी शिव का प्रशंसक हूं। प्रशंसक होने का अर्थ है कि उसकी भावनाओं से जुड़ जाना। मेरे साथ ऐसा नहीं है। मैं शिव को महत्वपूर्ण इसलिए मानता हूं, क्योंकि उनका योगदान काल के परे है। इसलिए वे सदा प्रासंगिक हैं। किसी भी पीढ़ी में किसी इंसान की प्रशस्ति उस योगदान के लिए की जाती है, जो उसने उस पीढ़ी या आने वाली पीढ़ियों के लिए किया है। इस धरती पर कई ऐसे लोग आए हैं, जिन्होंने दूसरों के जीवन में योगदान किया है। जो उस समय की जरूरत के अनुसार था, वह उसे लेकर आया। गौतम बुद्ध के समय समाज कर्मकांडों में लिपटा हुआ था। जब उन्होंने बिना किसी कर्मकांड के आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू की तो वह लोकप्रिय हो गए। अगर समाज में कर्मकांड नहीं होते, तो वह इतने महत्वपूर्ण नहीं होते। कृष्ण बहुत महत्वपूर्ण थे, लेकिन फिर भी, यदि पांडवों और कौरवों के बीच युद्ध नहीं होता, तो वह सिर्फ अपने आसपास की जगहों पर प्रभावशाली होते। आदियोगी या शिव का महत्व यही है कि उनके साथ ऐसी कोई घटना नहीं हुई। कोई युद्ध नहीं हुआ, कोई टकराव नहीं हुआ। उन्होंने मानव चेतना को इस प्रकार से विकसित करने के साधन और तरीके दिए कि वे हर युग में प्रासंगिक रहें। हमने उन्हें महादेव की उपाधि दी, क्योंकि उनके योगदान के पीछे की बुद्धि, दृष्टि और ज्ञान अद्भुत है।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

संकलित
प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। राजा को शिक्षा ग्रहण करते हुए कई महीने बीत गए, मगर राजा को कोई लाभ नहीं हुआ। गुरु तो रोज खूब मेहनत करता थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिए। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दिया- राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है.. गुरुवर कृपा कर के आप शीघ्र इस प्रश्न का उत्तर दीजिए, राजा ने विनती की। गुरूजी ने कहा- राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है।.. गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ न हो

अभी नीट परीक्षा के पेपर लीक का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब सीबीएसई अर्थात केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का मामला सुर्खियों में छा गया है। हालांकि केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भी शायद माना है कि इसमें गड़बड़ी हुई है और विद्यार्थियों को आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं का हल निकाला जाएगा। लेकिन सोचने वाली बात तो यह है कि देश के सबसे बड़ा शिक्षा बोर्ड ने इतनी बड़ी गलती कैसे कर दी? अब चाहे शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड इसके लिए जो तर्क दें, लेकिन क्या इससे विद्यार्थियों को इंसाफ मिलेगा? जो उन्हें मानसिक रूप से परेशानी हुई, क्या उसकी भरपाई होगी? बहरहाल, विद्यार्थियों के हितों से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

- मनोज राजपूत, दुर्ग

ट्रेंड

गंगा डॉल्फिन की रक्षा

गंगा डॉल्फिन की रक्षा करके हम न केवल एक प्रजाति का संरक्षण कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की अमूल्य विरासत की रक्षा भी कर रहे हैं। इस दिशा में देश की पहली डॉल्फिन बचाव एम्बुलेंस बेहद उपयोगी साबित हो रही है।

- **नरेंद्र मोदी,** मोदी

सांसद पर हमला निंदनीय

सोनारपुर में सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। यह भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति का घिनौना चेहरा है। राजनीतिक मतभेद कभी भी हिंसा को उचित नहीं ठहरा सकते। केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार, दोनों को ही अपराधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

जवाबदेही तय की जाएगी

सभी अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हर स्तर पर लापरवाही के लिए जवाबदेही तय की जाएगी। कोई भी बिल्डर, अधिकारी या प्राधिकरण कानून से ऊपर नहीं है। दिल्ली सरकार अपने लोगों के साथ खड़ी है।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

भ्रष्ट भाजपा राजनीति

भाजपा बेईमानी से चुनाव जीतती है, इस तथ्य को भाजपा के एक विधायक ने स्वीकार किया है, जिन्होंने एक मुठभेड़ में भ्रष्ट भाजपा राजनीति का पर्दाफाश किया है और उसे कुचल भी दिया है। इस बार जनता भाजपा के सारे हथकंडे उजागर कर देगी।

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

करंट अफेयर

बच्चे नए तंबाकू उत्पादों के प्रति जल्दी आकर्षित होते हैं

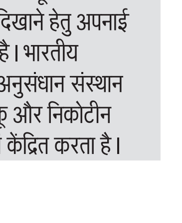

वयस्कों की तुलना में बच्चों के नये तंबाकू और निकोटीन उत्पादों की ओर आकर्षित होने की आशंका नौ गुना अधिक होती है, जिससे वे इस उद्योग की विपणन रणनीतियों का प्रमुख शिकारबन रहे हैं। यह बात प्रमुख जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों ने रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर चेतावनी देते हुए कही। विशेषज्ञों ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अपने उत्पादों को युवाओं के लिए आकर्षक बनाने के वास्ते स्वादयुक्त विकल्पों, आकर्षक डिजाइन, डिजिटल प्रचार और अन्य तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है जिससे नई पीढ़ी के निकोटीन की लत से ग्रस्त होने को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब दुनिया इस वर्ष का विश्व तंबाकू निषेध दिवस 'अनमास्किंग द अपील: काउंटरिंग निकोटीन एंड टोबैको एडिक्शन' विषय के साथ मना रही है। इसका उद्देश्य तंबाकू और निकोटीन उत्पादों को विशेष रूप से बच्चों के लिए आकर्षक दिखाने हेतु अपनाई जाने वाली रणनीतियों और तौर-तरीकों को उजागर करना है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईसीपीआर) निदेशक शालिनी सिंह ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अक्सर बच्चों और युवाओं को अपने विपणन प्रयास में केंद्रित करता है।

ऑफ बीट

सूर्य हमारे अस्तित्व के लिए क्या आवश्यक है

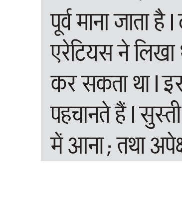

आज इस बात के बहुत ज़्यादा सबूत नहीं हैं कि प्राचीन लोग मानते थे कि सूरज की रोशनी ही बीमारी को ठीक कर सकती है। इसके बजाय, इस बात के ज़्यादा सबूत हैं कि वे ठीक होने के लिए सूरज की गर्मी का इस्तेमाल करते थे। एबर्स पेपीरस ईसा पूर्व 1500 साल के आसपास का प्राचीन मिस्र का चिकित्सा 'स्क्रॉल' है। इसमें ''नसों को लचीला बनाने'' के लिए मरहम बनाने की विधि दी गई है। यह मरहम शराब, प्याज, कालिख, फल और पेड़ के अर्क लोबान और लोहबान से बनाया गया था। इसे लगाने के बाद, व्यक्ति को ''सूर्य के प्रकाश में रखा जाता था।'' उदाहरण के लिए, खांसी के इलाज के लिए अन्य नुस्खों में विभिन्न सामग्री को एक बर्तन में डालकर धूप में रखना शामिल था। यही तकनीक चिकित्सा लेखन में भी है जिसका श्रेय यूनानी चिकित्सक हिप्पोक्रेट्स को दिया जाता है जिनका काल लगभग 450-380 ईसा पूर्व माना जाता है। लगभग 150 ई. में आधुनिक तुर्की में सक्रिय रहे चिकित्सक एरेटियस ने लिखा था कि सूर्य का प्रकाश सुस्ती सहित कई बीमारियों को ठीक कर सकता था। इसमें वह बीमारी भी है जिसे हम आज अवसाद के रूप में पहचानते हैं। सुस्ती मिटाने का अर्थ है प्रकाश में लेटना, सूर्य की किरणों के संपर्क में आना; तथा अपेक्षाकृत गर्म स्थान में रहना।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु सरकार का मंत्रिमंडल का विस्तार आज

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

35 मंत्री लेंगे शपथ, मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में दी जानकारी

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार आज सोमवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेगी। मंत्रिमंडल विस्तार में 35 नए मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई जाएगी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि राज्य मंत्रिपरिषद का विस्तार किया जाएगा और 35 नए मंत्री शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह सोमवार सुबह 11 बजे नबन्ना (राज्य सचिवालय) में आयोजित होगा, जहां राज्यपाल आरएन रवि मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और पांच कैबिनेट मंत्रियों के शपथ ग्रहण के लगभग तीन सप्ताह बाद यह पहला मंत्रिमंडल विस्तार होगा। सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान कई नए विधायकों को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। गौरतलब है कि शुभेंदु अधिकारी ने 9 मई को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन का अंत किया। अब मंत्रिमंडल विस्तार के साथ भाजपा सरकार प्रशासनिक स्तर पर अपनी टीम को और मजबूत करने जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नए मंत्रियों को शामिल कर सरकार विभिन्न क्षेत्रों और सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश करेगी। गौरतलब है कि सुवेंदु अधिकारी ने 9 मई को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इस चुनाव में भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन का अंत किया था। अब इस मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए भाजपा सरकार प्रशासनिक स्तर पर अपनी टीम को और अधिक मजबूत और व्यापक बनाने जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नए चेहरों को शामिल कर सरकार विभिन्न क्षेत्रों और सामाजिक वर्गों को बेहतर प्रतिनिधित्व देने का प्रयास करेगी।

भाजपा हमला करती तो आपका नामोनिशान नहीं मिलता और यही करना होता तो 15 दिन नहीं लगते, अब उन्हें राजनीतिक हिंसा की 'याद' आई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा और आरोप-प्रत्यारोप का दौर फिर तेज हो गया है। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी और कल्याण बेनर्जी पर हुए कथित हमले को लेकर सियासी बयानबाजी चरम पर पहुंच गई। अभिषेक का आरोप है कि ये हमला भाजपा ने करवाया है। इस बीच भाजपा नेता दिलीप घोष ने अभिषेक के आरोपों पर कहा कि अभिषेक भाजपा पर हमला करवाने और उन्हें खत्म करने का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन अगर भाजपा ऐसा करना चाहती तो 15 दिन नहीं लगते। टीएमसी का नामोनिशान नहीं मिलता। भाजपा कानून व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रही है। और पार्टी किसी को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं देगी।

पिछले 15 वर्षों में राज्य में 40 हजार लोगों की

घोष ने टीएमसी पर राजनीतिक हिंसा का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में 40 हजार लोगों की हत्या हुई है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने टीएमसी शासन के दौरान हिंसा झेली है। अब लोग जवाब चाहते हैं। घोष ने यह भी कहा कि टीएमसी के अपने नेताओं की हत्या के मामलों में भी पार्टी नेताओं ने सीबीआई जांच की मांग की थी क्योंकि उन्हें राज्य पुलिस पर भरोसा नहीं था।

पुलिस ने जिसे किया अरेस्ट, टीएमसी से निकला उसका लिंक

अभिषेक पर हमले की जांच में एक नया और बड़ा ट्विस्ट सामने आया है। अभिषेक पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए कई लोगों का संबंध सोनारपुर की पूर्व टीएमसी विधायक लवली मैत्रा के साथ पाया गया है।

खबर संक्षेप

प्राइवेट स्कूलों को लिखनी होगी ट्यूशन फीस

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब राज्य के सभी निजी स्कूलों को अपने नोटिस बोर्ड पर ट्यूशन फीस की जानकारी देना अनिवार्य होगा। यह फीस सरकार ने तय की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है। अगर कोई भी निजी स्कूल तय राशि से ज्यादा फीस लेता है, तो उसकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

हिमाचल में 3 नगर निगमों में भाजपा का कब्जा

शिमला। हिमाचल प्रदेश के 4 नगर निगमों धर्मशाला, मंडी, सोलन और पालमपुर में 17 मई को हुए चुनावों के नतीजे रविवार को घोषित कर दिए गए। विपक्षी भाजपा ने 3 नगर निगमों पर कब्जा जमाते हुए बड़ी राजनीतिक बढ़त हासिल की, जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस केवल पालमपुर नगर निगम को अपने पास बचाने में सफल रही। भाजपा बड़ी संजीवनी मान रही है।

टीएमसी के पूर्व विधायक खोकन दास गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पश्चिम बंगाल की वर्धमान दक्षिण से टीएमसी के पूर्व विधायक खोकन दास को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया है। प्रयागराज की हंडिया थाना पुलिस की मदद से बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बंगाल पुलिस को उत्तर प्रदेश में होने की लोकेशन मिली थी। प्रयागराज की हंडिया थाना पुलिस को अलर्ट किया गया।

आंदोलन के बीच जरांगे ने तोड़ा अनशन

मुंबई। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे मराठा आंदोलन के प्रमुख नेता मनोज जरांगे पाटिल ने आखिरकार रविवार अनशन समाप्त कर दिया। राज्य सरकार और आंदोलन के प्रतिनिधियों के बीच हुई सकारात्मक बातचीत के बाद कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी, जिसके बाद जरांगे पानी पीकर अपना उपवास तोड़ा।

कई राज्यों के अध्यक्ष बदलने की तैयारी

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावों का दौर खत्म होने और कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के सुचारू रूप से खत्म होने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने कुछ राज्यों की इकाइयों के पुनर्गठन और समिति स्तर पर संगठनात्मक जिम्मेदारियों में फेरबदल करने पर केंद्रित किया है। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में बड़े फेरबदल की संभावना है।

छग हसदेव अरण्य में खनन को मिली मंजूरी

कांग्रेस ने जताई वन कटाई और जैव विविधता पर खतरे की चिंता

जयराम का आरोप- लाखों पेड़ों की कटाई और जैव विविधता को खतरा, भाजपा सरकार ने कहा- सभी प्रक्रियाओं का पालन

छग के संवेदनशील वन क्षेत्र हसदेव अरण्य में केटे एक्सटेंशन कोल ब्लॉक में कोयला खनन को मंजूरी के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस ने केंद्र-राज्य भाजपा सरकार पर पर्यावरणीय चिंताओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के संवेदनशील वन क्षेत्र हसदेव अरण्य में स्थित केटे एक्सटेंशन कोल ब्लॉक में कोयला खनन को मंजूरी मिलने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की भाजपा सरकार पर पर्यावरणीय चिंताओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है, जबकि सरकार का पक्ष है कि परियोजना को सभी वैधानिक और पर्यावरणीय मंजूरियों के बाद ही आगे बढ़ाया जा रहा है।

कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी ने एक्स पर जारी बयान में आरोप लगाया कि केटे एक्सटेंशन कोल ब्लॉक का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा हसदेव अरण्य के प्राकृतिक साल वनों के अंतर्गत आता है और खनन गतिविधियों से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

4.48 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई का दावा

जयराम रमेश ने दावा किया कि इस परियोजना के कारण कम-से-कम 4.48 लाख पेड़ों की कटाई होगी। उनका कहना है कि यह केवल वन क्षेत्र का नुकसान नहीं होगा, बल्कि दशकों से विकसित प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रभावित करेगा। कांग्रेस का तर्क है कि प्राकृतिक वनों का महत्व केवल पेड़ों की संख्या तक सीमित नहीं होता, बल्कि वे जल संरक्षण, जैव विविधता और स्थानीय जलवायु संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वन्यजीवों पर खतरे की आशंका

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रस्तावित खनन क्षेत्र में तेंदुए, स्लॉथ भालू और हाथियों सहित कई वन्यजीव प्रजातियों का आवास क्षेत्र मौजूद है। पार्टी का दावा है कि यह कोल ब्लॉक लेमरू हाथी कॉरिडोर से मात्र 3.6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पर्यावरणविदों का भी मानना है कि बड़े पैमाने पर खनन और वन कटाई से हाथियों के पारंपरिक आवागमन मार्ग प्रभावित हो सकते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ने की आशंका रहती है।

जल स्रोतों पर असर का मुद्दा

कांग्रेस ने यह भी दावा किया है कि हसदेव अरण्य क्षेत्र हसदेव नदी और बांगो बांध के लिए महत्वपूर्ण जलग्रहण क्षेत्र का काम करता है। ऐसे में बड़े पैमाने पर वन कटाई से जल संरक्षण क्षमता प्रभावित हो सकती है, जिसका असर क्षेत्र के जल संसाधनों पर पड़ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि घने वन वर्षा जल को संरक्षित करने और भूजल पुनर्भरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि परियोजना समर्थकों का तर्क है कि आधुनिक खनन तकनीकों और पर्यावरण प्रबंधन उपायों के जरिए प्रभाव को सीमित किया जा सकता है।

2022 के विधानसभा प्रस्ताव का हवाला

जयराम रमेश ने अपने बयान में याद दिलाया कि 26 जनवरी 2022 को तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें हसदेव अरण्य क्षेत्र में नई खनन लीज नहीं देने की मांग की गई थी। कांग्रेस का आरोप है कि वर्तमान भाजपा सरकार उस प्रस्ताव की भावना के विपरीत जाकर परियोजना को आगे बढ़ा रही है।

'जल-जंगल-जमीन' का मुद्दा फिर केंद्र में

हसदेव अरण्य लंबे समय से आदिवासी समुदायों और पर्यावरण संगठनों के आंदोलन का केंद्र रहा है। स्थानीय ग्रामीण और आदिवासी समूह कई वर्षों से वन संरक्षण और विस्थापन के मुद्दे उठाते रहे हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि परियोजना से आदिवासी समुदायों के पारंपरिक अधिकारों और आजीविका पर असर पड़ सकता है। पार्टी का कहना है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

'क्षतिपूरक वनीकरण पर्याप्त नहीं'

जयराम रमेश ने कहा कि प्राकृतिक वनों की तुलना में नए लगाए गए पौधे कभी भी समान पारिस्थितिक मूल्य नहीं दे सकते। उनका तर्क है कि क्षतिपूरक वनीकरण प्राकृतिक जंगलों के नुकसान की वास्तविक भरपाई नहीं कर सकता। पर्यावरण विशेषज्ञ भी मानते हैं कि प्राकृतिक रूप से विकसित जंगलों में जैव विविधता, मिट्टी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक जटिलता कृत्रिम रूप से विकसित वनों की तुलना में कहीं अधिक होती है।

कोल ब्लॉक के लिए स्वाहा होंगे जंगल

- *केटे एक्सटेंशन कोल ब्लॉक में खनन को लेकर विवाद।*
- *कांग्रेस का दावा- 4.48 लाख पेड़ों की कटाई होगी।*
- *हाथी कॉरिडोर और वन्यजीवों पर असर की आशंका।*
- *हसदेव नदी और बांगो बांध के जलग्रहण क्षेत्र पर प्रभाव का मुद्दा।*
- *2022 के विधानसभा प्रस्ताव का कांग्रेस ने दिलाया स्मरण।*
- *आदिवासी अधिकार बनाम औद्योगिक विकास की बहस फिर तेज।*

राजनीतिक महत्व भी बढ़ा

विश्लेषकों के अनुसार हसदेव अरण्य का मुद्दा केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। यह आदिवासी अधिकार, प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन की बहस से भी जुड़ा हुआ है।आने वाले समय में कांग्रेस इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाकर भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश कर सकती है, जबकि भाजपा विकास, ऊर्जा सुरक्षा और रोजगार सृजन के तर्कों के साथ परियोजना का बचाव कर सकती है।

चुनाव आयोग ने किया ऐलान

ओडिशा, मिजोरम समेत 4 राज्यों में तीसरे फेज का एसआईआर शुरू

दावा-आपत्तियों का भी विकल्प रखा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में वोटर लिस्ट को सुधारने और नए नाम जोड़ने के लिए तीसरा चरण शुरू कर दिया है। इसके तहत अब इन राज्यों में 30 मई से लोगों के नाम दर्ज करने का काम शुरू हो चुका है। निर्वाचन आयोग के अनुसार जो लोग 28 जून तक अपना फॉर्म जमा कर देंगे, उनका नाम आने वाली नई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल कर लिया जाएगा। इन चारों राज्यों में 30 मई से मतदाताओं की गिनती और सत्यापन का काम शुरू हो गया है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल जरूरत पड़ने पर और अधिक बीएलए नियुक्त कर सकते हैं। घर-घर सर्वे के दौरान बीएलए के पास कम से कम 30 खाली फॉर्म-6 और घोषणा पत्र होना जरूरी है। इससे नए मतदाता बनने के इच्छुक लोगों को तुरंत फॉर्म दिए जा सकेंगे।

- मतदाता सूची में संशोधन का काम शुरू

28 जून तक का समय दिया

बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर सभी मौजूदा मतदाताओं को फॉर्म दे रहे हैं। मतदाता इन फॉर्मों को भरकर बीएलओ के जरिए या ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। जिन लोगों के फॉर्म 28 जून 2026 तक चुनाव अधिकारी के पास पहुंच जाएंगे, उनके नाम मसौदा वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे। जो लोग इस तारीख तक फॉर्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे बाद में दावा और आपत्ति अवधि के दौरान फॉर्म-6 और घोषणा पत्र के जरिए आवेदन कर सकते हैं। इस काम को और तेजी से पूरा करने के लिए आयोग ने राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंट्स को भी मदद की अनुमति दी है।

राजनीतिक दलों की भागीदारी भी तय की

राजनीतिक दलों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, आयोग ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) को जनता से प्रतिदिन अधिकतम 50 प्रपत्र एकत्र करने और मसौदा प्रकाशन से पहले उन्हें बीएलओ को सौंपने की अनुमति दी है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू और प्रभावी संचालन में बीएलओ की सहायता के लिए अधिक बीएलए नियुक्त कर सकते हैं।

चंबा में बड़ा हादसा

गहरी खाई में गिरी पर्यटकों से भरी कार, 8 की मौत हो गई

एजेंसी ⏭ चंबा

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में दर्दनाक सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 7 पर्यटकों समेत 8 लोगों की मौत की आशंका है। हादसा चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ सड़क पर 29 मई की आधी रात को हुआ, जब पर्यटकों को लेकर जा रही एक एर्टिगा कार गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना के बाद से सभी लोग लापता हैं। पुलिस और प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे खोज अभियान के बीच यह साफ हो गया है कि कार में सवार किसी के भी बचने की संभावना नहीं है।

मृतकों में छत्तीसगढ़ के 7

मृतकों में छग के अरविंद, पत्नी प्राची, उनके 2 बेटे दर्श और अपशद, पीजी कार्तिगहेयन, पत्नी मणिमाला और उनका बेटा नंदन शामिल हैं। इनके अलावा वाहन चालक विश्वास की भी मौत हुई है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

वेश्यावृत्ति कर रही हर महिला 'मजबूर' नहीं, उनकी राय सुनें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि वेश्यावृत्ति में लगी हर महिला को मजबूर मानकर उसे पुनर्वास केंद्र में भेज देना गलत है। कोर्ट ने कहा है कि बहुत सी महिलाएं स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। अगर महिला वयस्क है तो बिना उसकी मर्जी जाने उसे पुनर्वास केंद्र में भर्ती कर देना गलत होगा। प्रज्वला बनाम भारत सरकार' मामले में जस्टिस जेबी पारडीवाला और आर महादेवन की बेंच ने यह बड़ा फैसला दिया है।

एक ही नजरिए से देखना गलत

कोर्ट ने व्यवस्था को अव्यावहारिक और पुरुषवादी सोच से ग्रस्त बताया। फैसले में कहा 'इम्मोरल ट्रेफिक प्रीवेंशन एक्ट, 1956' की धारा 17 में हर 'सेक्स वर्कर' को एक ही नजरिए से देखा जाता है।

भारतीय मौसम विभाग ने ताजा जानकारी साझा की

3-4 दिनों में केरल में प्रवेश करेगा मानसून

विभाग ने बताया कि फिलहाल स्थितियां अनुकूल बन रहीं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देशभर में भीषण गर्मी के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब केरल तट के बेहद करीब पहुंच चुका है। भारतीय मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार अगले 3-4 दिनों के दौरान मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के और हिस्सों, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ क्षेत्रों, साथ ही बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं।

मानसून पूर्व गतिविधियां बढ़ीं

केरल के दक्षिणी और मध्य इलाकों में मानसून पूर्व गतिविधियां तेज हो गई हैं। कई स्थानों पर बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं दर्ज की जा रही हैं। मानसून की औपचारिक एंट्री की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

सामान्य से कम बारिश होगी

तिरुवनंतपुरम में आईएमडी की निदेशक नीथा के. गोपाल के अनुसार इस बार जून महीने में केरल समेत देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। मानसून की शुरुआत के बाद 10 जून के आसपास अच्छी बारिश हो सकती है।

राज्य में नेतृत्व को लेकर मंथन तेज हो गया, सामाजिक-जातीय संतुलन पर दिया जा रहा जोर

पंजाब कांग्रेस में बदलाव किया जाए या यथास्थिति रखें, आज होगा फैसला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर मंथन तेज हो गया है। पार्टी के भीतर प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता दोनों के जाट सिख समुदाय से होने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे संगठन में सामाजिक और जातीय संतुलन के पक्षधर बताए जा रहे हैं, जबकि राहुल गांधी फिलहाल किसी बड़े बदलाव के इच्छुक नहीं दिख रहे। शुक्रवार को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पंजाब के प्रमुख नेताओं से अलग-अलग राय ली और अब आज, सोमवार को होने वाली बैठक में अंतिम निर्णय लिए जाने की संभावना जताई जा रही है। सूबे का प्रभार छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के हाथों दिए जाने के बाद माहौल बदलता नजर आ रहा है। कांग्रेस से तौबा कर चुके पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह भाजपा में टिकते हैं या फिर कांग्रेस वापसी की संभावनाएं टटोल रहे हैं ? क्या नवजोत सिद्धू को लेकर आलाकमान में जमी बर्फ पिघल रही है ? ऐसे कई सवाल हैं जिसका जवाब चुनाव आते आते मिलने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेतृत्व पंजाब में संगठनात्मक ढाचे को लेकर कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। पार्टी के एक वर्ग का मानना है कि राज्य की सामाजिक संरचना को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व के दोनों पद एक ही समुदाय के पास होना राजनीतिक रूप से उचित संदेश नहीं देता। ऐसे नेताओं का तर्क है कि प्रदेश अध्यक्ष या विधायक दल के नेता में से किसी एक पद पर किसी अन्य समुदाय को प्रतिनिधित्व देकर व्यापक सामाजिक संतुलन स्थापित किया जा सकता है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे चाहते हैं कि संगठन में सभी प्रमुख सामाजिक वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित हो। पंजाब में दलित आबादी का बड़ा हिस्सा है और शहरी हिंदू मतदाता भी चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में नेतृत्व संरचना में विविधता का संदेश देने पर जोर दिया जा रहा है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, ‍पंजाब जैसे राज्य में केवल एक सामाजिक समूह के इर्द-गिर्द संगठन खड़ा करने के बजाय व्यापक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है। दूसरी ओर राहुल गांधी का रुख फिलहाल सावधानी भरा माना जा रहा है। उनका मानना है कि पंजाब कांग्रेस पिछले कई वर्षों से गुटबाजी और नेतृत्व संघर्ष का सामना करती रही है।

ऐसे में किसी भी बड़े बदलाव से पहले उसके राजनीतिक प्रभावों का आकलन जरूरी है। पार्टी के भीतर यह धारणा है कि राहुल गांधी संगठन को फिर से किसी नए विवाद में धकेलने से बचना चाहते हैं। उनका जोर इस बात पर है कि पार्टी को आगामी चुनावी चुनौतियों के लिए तैयार किया जाए और नेतृत्व परिवर्तन केवल प्रतीकात्मक कारणों से न किया जाए। पंजाब कांग्रेस बीते वर्षों में नेतृत्व को लेकर कई बार विवादों का सामना कर चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के बीच टकराव से लेकर विभिन्न गुटों की प्रतिस्पर्धा तक, इन संघर्षों का असर पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर भी पड़ा। 2022 के विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद कांग्रेस अब संगठन को मजबूत करने की कोशिश में जुटी है।

इसी कारण पार्टी नेतृत्व किसी ऐसे निर्णय से बचना चाहता है जिससे नया असंतोष पैदा हो जाए। शुक्रवार को हुई बैठक में पंजाब के लगभग सभी प्रमुख नेताओं की राय सुनी गई। अब सोमवार को होने वाली अगली बैठक को निर्णायक माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इसी बैठक में यह तय होगा कि मौजूदा व्यवस्था जारी रखी जाए या नेतृत्व में बदलाव कर सामाजिक संतुलन का नया स 'देश दिया जाए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब कांग्रेस में लिया गया फैसला केवल राज्य तक सीमित नहीं रहेगा। यह कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति और संगठनात्मक सोच का भी संकेत देगा। यदि बदलाव होता है तो पार्टी इसे सामाजिक प्रतिनिधित्व के संदेश के रूप में पेश कर सकती है। वहीं यथास्थिति बरकरार रहने पर यह माना जाएगा कि राहुल गांधी ने संगठनात्मक स्थिरता को प्राथमिकता दी है।

खबर संक्षेप

कॉफी डे ग्लोबल ने कमाया 14 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। कैफे कॉफी डे का संचालन करने वाली कंपनी कॉफी डे ग्लोबल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में 14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है, जबकि उसकी परिचालन 5.7 प्रतिशत बढ़कर 1,094 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी की मूल इकाई कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का परिचालन लाभ या कर-पूर्व-आय (ईबीआईटीडीए) 27 प्रतिशत बढ़कर 198 करोड़ रुपये हो गया।

असम के चिप संयंत्र में इसी वर्ष से उत्पादन

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि असम के जगीरोड स्थित सेमीकंडक्टर संयंत्र में इसी वित्त वर्ष के भीतर उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। वैष्णव ने शनिवार शाम असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से हुई मुलाकात के बाद यह बात कही। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'असम के मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उनसे जगीरोड स्थित सेमीकंडक्टर संयंत्र की प्रगति पर चर्चा की गई। हमारा लक्ष्य इस वित्त वर्ष के भीतर इस संयंत्र से उत्पादन शुरू करना है।'

उद्योग को दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि

मुंबई। उद्योग क्षेत्र को दिए जाने वाले बैंक ऋण की वृद्धि दर अप्रैल 2026 के अंत में बढ़कर 15.1 प्रतिशत रही। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में सात प्रतिशत थी। आरबीआई ने 41 चयनित बैंकों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बताया कि ये बैंक कुल गैर-खाद्य बैंक ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं।

डीजल में आइसोब्यूटेनॉल मिलाना हो सकता है साल अंत तक अनिवार्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और परिवहन क्षेत्र को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने के लिए सरकार डीजल में आइसोब्यूटेनॉल का मिश्रण अनिवार्य करने का प्रस्ताव इस वर्ष के अंत तक ला सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी उमाशंकर ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'डीजल में मिश्रण (ब्लेंडिंग) को गंभीरता से देखा जा रहा है। भारत पेट्रोलियम इस दिशा में आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण पर शोध कर रही है, जिसके परिणाम काफी उत्साहजनक हैं।' उमाशंकर ने कहा, 'ई20 स्तर पर ब्लेंडिंग को लेकर कुछ चिंताएं रही हैं, लेकिन यहां स्थिति अलग है क्योंकि ऐसे ईंधन के लिए वाहन अलग तरीके से बनाए जाएंगे। ई85 या ई100 ईंधन के लिए पेट्रोल पंपों पर अलग डिस्पेंसर भी लगाया जाएगा, जबकि सामान्य मिश्रित पेट्रोल एक ही डिस्पेंसर से उपलब्ध कराया जाता है।' सचिव ने यह भी कहा कि मंत्रालय जल्द ही ट्रक और ट्रेलर को आपस में बदलकर उपयोग करने की सुविधा पर एक मसौदा अधिसूचना ला सकता है। इसका उद्देश्य ऐसा ढांचा विकसित करना है, जिससे इलेक्ट्रिक भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए बैटरी बदलने और बैटरी चार्जिंग की व्यवस्था को बेहतर तरीके से लागू किया जा सके।

सरकार अनिवार्य करने का प्रस्ताव वर्ष अंत तक ला सकती है

पेट्रोल से डीजल की खपत दोगुना

सचिव ने कहा कि डीजल की खपत पेट्रोल से लगभग दोगुनी होने की वजह से इस ईंधन में मिश्रण का प्रभाव देश की ऊर्जा सुरक्षा पर और भी अधिक होगा। उमाशंकर ने कहा, 'इस वर्ष के अंत तक डीजल में मिश्रण को अनिवार्य करने का प्रावधान लागू किए जाने की संभावना है।' परिवहन सचिव ने कहा कि मंत्रालय पिछले 10-12 वर्षों में आगे बढ़ने वाले ईंधन मिश्रण कार्यक्रम को और आगे बढ़ा रहा है।

पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य पूरा

इस क्रम में ई85 पेट्रोल (85 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण वाला पेट्रोल) और ई100 (लगभग शुद्ध एथेनॉल आधारित ईंधन) से जुड़े वाहन विनिर्माण नियमों का मसौदा भी जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि भारत पहले ही पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर चुका है, जिससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने और उत्सर्जन घटाने में मदद मिली है।

कंपनी के सीईओ दुरईस्वामी ने कहा बढ़ती डिजिटल जरूरतें पूरी की जाएगी

वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उतरने की तैयारी में एलआईसी, रणनीतिक निवेश की भी योजना : सीईओ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपनी बढ़ती डिजिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी रणनीतिक निवेश के जरिये या स्वयं नई इकाई स्थापित कर फिनटेक कारोबार शुरू करने के विकल्पों पर विचार कर रही है।

■ कंपनी स्वयं नई इकाई स्थापित कर फिनटेक कारोबार शुरू करेगी

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक आर दुरईस्वामी ने यह बात कही है। दुरईस्वामी ने कहा कि बदलते दौर की जरूरतों और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए कंपनी वित्तीय प्रौद्योगिकी तथा बीमा प्रौद्योगिकी (इंश्योरटेक) कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है। साथ ही, एलआईसी विभिन्न संस्थानों में निवेश करने वाली बड़ी वित्तीय इकाई होने के नाते ऐसे विशेष उपक्रमों में रणनीतिक निवेश की संभावनाएं भी तलाश रही है।

सॉफ्टवेयर विकास केंद्र स्थापित

सीईओ ने बताया कि एलआईसी प्रौद्योगिकी नवाचार अपनाने वाली शुरुआती इकाइयों में रही है। कंपनी ने अपने व्यावसायिक अनुप्रयोग विकसित करने के लिए सॉफ्टवेयर विकास केंद्र स्थापित किया है, जहां बड़ी संख्या में विशेषज्ञ कार्यरत हैं। हालांकि, आधुनिक प्रौद्योगिकी ढांचे और नए डिजिटल मंचों के विकास के लिए बाहरी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं का सहयोग भी लिया जाता है।

कंपनी अपनी आईटी प्रणालियों का आधुनिकीकरण कर रही

दुरईस्वामी के अनुसार, एलआईसी अपने आंतरिक प्रौद्योगिकी दल और बाहरी प्रौद्योगिकी साझेदारों, दोनों की क्षमताओं का उपयोग कर रही है। कंपनी विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन कर रही है और भविष्य में किसी रणनीतिक साझेदारी या नई पहल की घोषणा कर सकती है। उनका कहना है कि एलआईसी का मुख्य उद्देश्य अपनी आईटी प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना और प्रतिस्पर्धा के बीच अधिक चुस्त एवं प्रभावी बनना है।

सरकार की और हिस्सेदारी बेचने की तैयारी

केंद्र सरकार द्वारा भविष्य में एलआईसी में और हिस्सेदारी बेचने की संभावना पर उन्होंने कहा कि कंपनी इसके लिए पूरी तरह तैयार है। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी के समय से ही ऐसी संभावित प्रक्रियाओं को ध्यान में रखा गया था। उन्होंने कहा कि हिस्सेदारी बिक्री का अंतिम निर्णय सरकार को लेना है और जब भी ऐसा होगा, एलआईसी उसके सफल क्रियान्वयन में पूरा सहयोग करेगी।

सरकार ने कंपनी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में एलआईसी का आईपीओ आया था, जिसके माध्यम से सरकार ने लगभग 21,000 करोड़ रुपये जुटाए थे और कंपनी में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी। इससे पहले एलआईसी पूर्ण रूप से केंद्र सरकार के स्वामित्व में थी। उन्होंने कहा कि सरकार सूचीबद्ध कंपनियों के लिए निर्धारित न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी मानकों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन मौजूदा बाजार परिस्थितियों को देखते हुए उचित समय का इंतजार किया जा रहा है।

पहली बार लाभांश की सिफारिश

दुरईस्वामी ने कहा कि आईपीओ के बाद एलआईसी ने शेयरधारकों को बेहतर प्रतिफल देने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। हाल ही में कंपनी ने एक के बदले एक बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की और लाभांश में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति शेयर 10 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

आरबीआई मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर को रख सकता है यथावत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, ऊर्जा कीमतों में तेजी और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी चुनौतियों के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस सप्ताह अपनी प्रमुख नीतिगत ब्याज दर (रेपो दर) को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रख सकता है। इसके अलावा केंद्रीय अपने सतर्क रुख पर भी कायम रहेगा।

■ खाड़ी तनाव व ऊर्जा कीमतों में तेजी जैसी चुनौतियां के प्रमुख कारण

आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक तीन से पांच जून तक होगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा पांच जून को नीतिगत निर्णयों की घोषणा करेंगे। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती ऊर्जा कीमतों, कमजोर होते रुपये और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण आरबीआई अपने मुद्रास्फीति के अनुमान बढ़ा सकता है तथा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान में कटौती कर सकता है। अप्रैल में आरबीआई ने पश्चिम एशिया संघर्ष के ऊर्जा आपूर्ति, महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव का आकलन करने के लिए 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाते हुए रेपो दर को अपरिवर्तित रखा था। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक शोध विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा अस्थिर परिस्थितियों को देखते हुए जून की मौद्रिक नीति में यथास्थिति बनाए रखे जाने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अगले तीन तिमाहियों में पांच प्रतिशत से ऊपर रह सकती है, जबकि चालू तिमाही में इसके चार से 4.1 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है।

तटस्थ नीति रुख बनाए रखने की संभावना

आरबीआई ने शुक्रवार को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा था कि वह चालू वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी वृद्धि और मुद्रास्फीति पूर्वानुमान प्रणाली की समीक्षा और उसमें सुधार करेगा। क्रिसिल की प्रधान अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे ने कहा कि आरबीआई के रेपो दर को अपरिवर्तित रखने और तटस्थ नीति रुख बनाए रखने की संभावना है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सेंट्रल बैंक की संपत्ति प्रबंधन व क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शुल्क आधारित आय बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में संपत्ति प्रबंधन सेवाएं और क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना बनाई है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कुमार ने कहा कि इसके लिए निदेशक मंडल से मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा, /"हम इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले साझेदारों को जोड़ने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करने की प्रक्रिया में हैं, ताकि यह कारोबार शुरू किया जा सके। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के मध्य तक हम इसे शुरू करने की स्थिति में होंगे। कुमार ने कहा कि बैंक गैर-ब्याज आय बढ़ाने वाले अन्य उत्पाद भी पेश करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट ग्राहकों के लिए नकदी प्रबंधन सेवाएं काफी महत्वपूर्ण हैं।

विदेशी मुद्रा कारोबार भी शुरू कर रहे

सीईओ ने कहा, "हम ऋण पत्र (एलसी) और गारंटी पत्र (एलजी) के कारोबार के जरिये विदेशी मुद्रा लेनदेन को केंद्रीकृत कर रहे हैं। साथ ही विदेशी मुद्रा कारोबार भी शुरू कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि शुरुआत में बैंक अपने उन कॉरपोरेट ग्राहकों को लक्ष्य बनाएगा जो वर्तमान में ये सेवाएं अन्य बैंकों से ले रहे हैं।

खाड़ी संकट का इस्पात उत्पादों की कीमतों पर मामूली असर : सेल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल) का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट का उसके इस्पात उत्पादों की कीमतों पर केवल मामूली असर पड़ेगा। कंपनी ने कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक समुद्री मार्गों की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। प्रमुख इस्पात कंपनी सेल के नवनियुक्त चेयरमैन अशोक पांडा ने बताया कि कंपनी दुबई से चूना पत्थर (लाइमस्टोन) जैसे कच्चे माल की खरीद करती है।

पांडा ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष की वजह से माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है। पहले माल की लागत एवं भाड़ा (सीएफआर) लगभग 23-24 डॉलर प्रति टन होता था, लेकिन अब यह बढ़कर करीब 35 डॉलर प्रति टन हो गया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बढ़ी हुई लागत का इस्पात की बिक्री कीमतों पर बहुत सीमित असर पड़ेगा।

अगले सप्ताह खुलेंगे दो कंपनियों के आईपीओ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शेयर बाजार में अगले सप्ताह दो कंपनियों सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज और हेक्सागन न्यूट्रिशन के कुल लगभग 770 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुलने जा रहे हैं। दोनों ही कंपनी के आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) है, इसलिए कंपनियों को इस सार्वजनिक निर्गम से कोई राशि प्राप्त नहीं होगी। पूरी राशि बिक्री करने वाले शेयरधारकों को जाएगी। ये प्रस्ताव ऐसे समय में आ रहे हैं जब लगातार बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच शेयर बाजार में सुस्ती देखी जा रही है। हाल के सप्ताहों में कई कंपनियों को आईपीओ के लिए नियामकीय मंजूरी मिली है, लेकिन अनिश्चित बाजार परिस्थितियों के कारण कई कंपनियों ने अपनी सूचिबद्धता योजनाएं टाल दी हैं।

■ सीएमआर ग्रीन और हेक्सान न्यूट्रिशन लाएगी निर्गम

खाड़ी तनाव से देश में ही छुट्टियां मना रहे संपन्न भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव, हवाई सेवाओं में व्यवधान और विदेश यात्रा की बढ़ती लागत के बीच संपन्न भारतीय परिवार इन गर्मियों में विदेशी गंतव्यों के बजाय छुट्टियां बिताने के लिए घरेलू स्थलों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसके चलते लक्जरी होटल उद्योग की बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। आईटीसी होटल्स, रेडिसन होटल ग्रुप और द लीला पैलेसेस, होटल्स एंड रिजॉर्ट्स जैसे प्रमुख होटल समूहों ने इस वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान घरेलू पर्यटन स्थलों पर बुकिंग में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की है।

उच्चस्तरीय पर्यटन बने विकल्प

द लीला पैलेसेस, होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनुराग भटनागर ने कहा कि संपन्न भारतीय यात्रियों की विदेश यात्रा में दीर्घकालिक रुचि बनी हुई है, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितता, उड़ानों में व्यवधान और बढ़े हुए यात्रा खर्च के कारण कई लोग देश के भीतर उपलब्ध उच्चस्तरीय पर्यटन विकल्पों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तग **विकास उर्फ साहिल, पुत्रः कृष्ण, निवासीः मकान संख्या सी–335, जेजे कॉलोनी, इंदरपुरी, दिल्ली** ने **FIR No. 62/2022, U/s: 379/411/34 IPC, पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **विकास उर्फ साहिल** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विकास उर्फ साहिल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अभियुक्त **विकास उर्फ साहिल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने कें लिए दिनांक **30.06.2026** या इससे पहले हाजिर हो। **आदेशानुसार**

श्री वैभव गर्ग

जेएमएफसी–11, सेंट्रल, पहली मंजिल, कमरा नंबर 138

DP/7207/N/2026 **तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष – मन में उतार–चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह – व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या – पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला – मन में आशा–निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर – क्रोध से बचें। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ – रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन – पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 6243

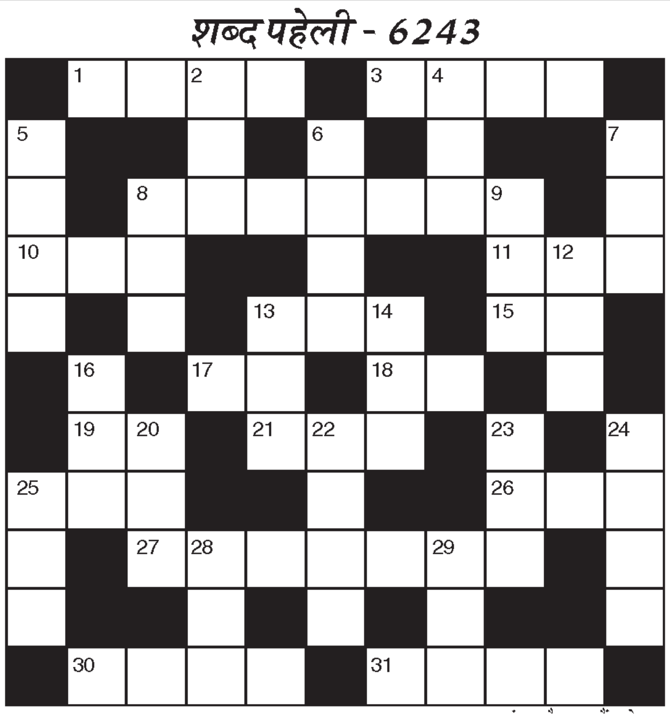

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6242 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क	
ह	र्जा		श		श	त्रु	ता		न्या	य
गु			ही	र	क		र			म
ज	ला	ब	न			गं		अ	नु	ज
र		च		बे	ल	गा	म		की	
	शा	न		क		ज		ब	ला	
	य		श	रा	र	ल		न्द		त
म	द	द		र			अ	र	मा	न
श			स		शा	य	र			ब
क	म		न	र	म		मा		मा	द
	जा	न	म			म	न	मो	ह	न

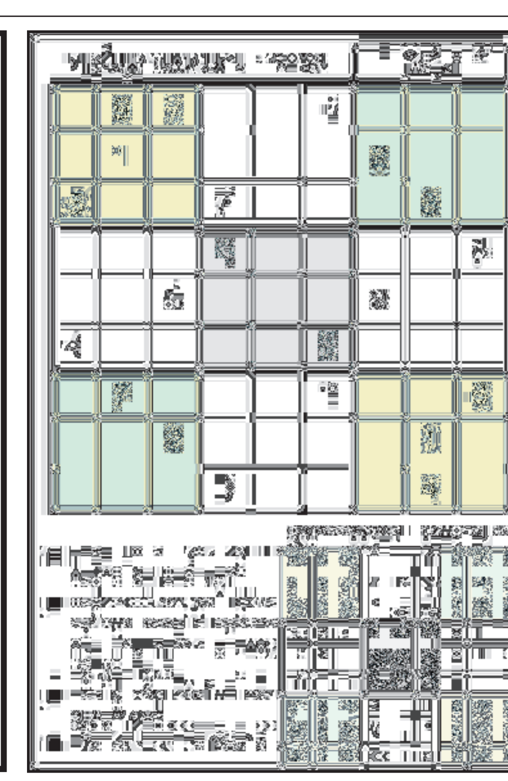

कोहली का जलवा, फिर से आरसीबी ही आईपीएल की किंग

- गुजरात के गढ़ में रॉयल चैलेंजर्स की ऐतिहासिक जीत पांच विकेट से जीता फाइनल
- बेंगलुरु आईपीएल इतिहास की तीसरी टीम बनी, जिन्होंने लगातार दो बार ट्रॉफी जीती
- आरसीबी से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में ये कारनामा किया था
- मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में अपनी ट्रॉफी को डिफेंड किया था।
- वैभव को ऑरेंज कैप मिला, 16 मैचों में 776 रन बनाए

2025 में पहली बार चैंपियन बनने के बाद टीम ने 2026 में भी खिताब जीतकर अपने सुनहरे दौर को आगे बढ़ाया

भाषा ▶▶ अहमदाबाद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (नाबाद 75 रन) के अर्धशतक से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरा खिताब अपने नाम कर खचाखच भरे नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में अपने दर्शकों को खुशियां मनाने का मौका दिया। आरसीबी ने अपने आक्रामक खेल से टूर्नामेंट में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और इसका समापन एक और ट्रॉफी से किया। आरसीबी ने पिछले चरण में 18 साल बाद पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती थी और रविवार को कोहली ने छक्का लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। टॉस जीतकर गेंदबाजी करने वाली आरसीबी के गेंदबाजों ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए गुजरात टाइटन्स को आठ विकेट पर 155 रन ही बनाने दिए। छह दिन में तीसरे स्थल पर तीसरा मैच खेल रही गुजरात टाइटन्स पर थकान हावी दिखी। इसके बाद कोहली (42 गेंद, नौ चौके और तीन छक्के) और वेंकटेश अय्यर (32 रन) की अच्छी शुरूआत दिलाई जिससे आरसीबी 18 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाकर मुंबई इंडियंस (पांच ट्रॉफी) और चेन्नई सुपर किंग्स (पांच ट्रॉफी) के बाद लगातार खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बन गई। कोहली ने पैर में हो रही दिक्कत के बावजूद आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक जड़ा, उन्होंने 25 गेंद में सात चौके और दो छक्के से पचास रन पूरे किए। फिजियो जांच करने के बाद दो बार मैदान में उनके लिए मैदान में आए, पर वह दर्द को भुलाकर अपनी टीम को जीत तक पहुंचाने में डटे रहे। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की लाल और काली मिट्टी के मिश्रण वाली पिच पर शॉट खेलना बिलकुल भी आसान नहीं था जो गुजरात टाइटन्स की बल्लेबाजी को देखकर साफ झलक रही थी जिससे आरसीबी के लिए रसिख सलाम ने तीन जबकि भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने दो दो विकेट चटकाए। कृणाल पंड्या ने 23 रन देकर एक विकेट झटका। लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था। कोहली और अय्यर ने पहले सतर्क शुरूआत करते हुए हाथ खोले जिससे पहले ओवर में पांच रन बने। दूसरे ओवर में अय्यर ने रबाडा की पहली गेंद को कवर प्वाइंट पर चौके के लिए भेजा और तीसरी गेंद को वाइड मिड विकेट पर छक्के के लिए भेज दिया। अगली गुड लेंथ गेंद पर उन्होंने मिड ऑफ पर चौका जड़ दिया और ओवर का अंत विकेटकीपर के ऊपर चौके से किया। इस ओवर में 18 रन बने। तीसरे ओवर में कोहली ने मोहम्मद सिराज पर डीप फाइन लेग और डीप स्क्वायर लेग पर दो चौके लगाए। अय्यर ने भी डीप मिडविकेट पर चौका बटोरकर इस ओवर से टीम के खाते में 13 रन जोड़ने में मदद की।

विराट कोहली बने मैन आफ द मैच

गुजरात-155/8 (20)

खिलाड़ी	रन
सुदर्शन का जितेश बो भुवनेश्वर	12
शुभमन का पाटीदार बो हेजलवुड	10
निशांत का पाटीदार बो रसिख	20
बटलर स्ट जितेश बो कृणाल	19
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	50
अरशद का रसिख बो हेजलवुड	15
राहुल का पाटीदार बो रसिख	07
होल्डर का हेजलवुड बो भुवनेश्वर	07
राशिद का शेफर्ड बो रसिख	07
कागिसो रबाडा नाबाद	03

अतिरिक्त : 05

कुल योग : 20 ओवर में आठ विकेट पर 155 रन

विकेट पतन : 1-22, 2-26, 3-55, 4-73, 5-99, 6-115, 7-142, 8-151

गेंदबाजी : जैकब डफी 4-0-38-0, भुवनेश्वर कुमार 4-0-29-2, जोश हेजलवुड 4-0-37-2, रसिख सलाम 4-0-27-3, कृणाल पंड्या 4-0-23-1

बेंगलुरु-161/5 (18)

खिलाड़ी	रन
अय्यर का रबाडा बो सिराज	32
विराट कोहली नाबाद	75
देवदत्त का अरशद बो रबाडा	01
रजत का रबाडा बो राशिद	15
कृणाल पंड्या पगबाधा बो राशिद	01
टिम का बटलर बो अरशद खान	24
जितेश शर्मा नाबाद	11

अतिरिक्त : 02

कुल योग : 18 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन

विकेट पतन : 1-62, 2-63, 3-89, 4-91, 5-132

गेंदबाजी : सिराज 4-0-36-1, रबाडा 3-0-44-1, जेसन होल्डर 2-0-16-0, राशिद खान 4-0-25-2, अरशद खान 4-0-32-1, प्रसिद्ध कृष्णा 1-0-7-0

खबर संक्षेप

विमेंस कैटेगरी में नंबर-1 पर दिव्या, गुकेश की वापसी

ओस्लो। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपने हमवतन आर प्रज्ञानानंदा को क्लासिकल मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए और खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा जबकि महिला वर्ग में दिव्या देशमुख शीर्ष पर पहुंच गई। इस बीच मौजूदा चैंपियन मैग्नस कार्लसन की मुश्किलें और बढ़ गईं क्योंकि उन्हें अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो से हार का सामना करना पड़ा। इससे वह पांच राउंड के बाद छह खिलाड़ियों की तालिका में सबसे नीचे आ गए। वेस्ली सो इस जीत से 8.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

एशिया कप: भारत ने कोरिया को हराया

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंडर-18 एशिया कप के पूल ए के अपने दूसरे मैच में कोरिया को 3-1 से पराजित किया। भारत की तरफ से नौशीन नाज, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने गोल किए। इस तरह से पहले दिन मलेशिया को हराने वाली भारतीय टीम ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा।

गैब्रियल की उड़ती किक से टूटा आर्सेनल का सपना

सेलिब्रेशन में तोड़फोड़ और आगजनी, सैकड़ों दर्शक गिरफ्तार, सुरक्षाकर्मी घायल

पेनल्टी शूटआउट में जीतकर पीएसजी बनी यूरोपीय चैंपियन

आर्सेनल को 4-3 से हराकर पीएसजी ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

एजेंसी ▶▶ बुडापेस्ट

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने एक रोमांचक फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बुडापेस्ट में खेले गए फाइनल में अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था, जिसके बाद पीएसजी ने पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को 4-3 से हराकर लगातार दूसरी बार यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगाल्हेस ने अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार दिया, जिससे पीएसजी को शूटआउट में जीत मिल गई।

28 साल बाद भी सपना पूरा नहीं कर सकी आर्सेनल

आर्सेनल का पहली बार यूरोप का सबसे प्रतिष्ठित खिताब जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया। गौरतलब है कि आर्सेनल साल 1998 से चैंपियंस लीग में खेल रही है। इससे पहले उसे 2006 के फाइनल में बार्सिलोना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अब 28 साल बाद भी क्लब का पहला चैंपियंस लीग खिताब जीतने का इंतजार जारी है।

ट्रॉफी बरकरार रखने वाली दूसरी टीम

फ्रांस की यह दिग्गज टीम इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक बार की चैंपियन रियाल मैड्रिड के बाद आधुनिक युग में ट्रॉफी बरकरार रखने वाली केवल दूसरी टीम है। लुई एनरिक ने कोच के तौर पर तीसरी बार खिताब जीता है। उन्होंने एक ऐसी टीम तैयार की है, जिसे हराना महाद्वीप की सर्वश्रेष्ठ टीमों के लिए भी काफी मुश्किल है।

जल उठी फ्रांस की राजधानी

फ्रांस की राजधानी पेरसि इस जीत के बाद जल उठी। पूरा शहर धुआं धुआं हो गया। इस जीत के जश्न पर समर्थकों और पुलिस के बीच हुई झड़प हो गई। शहर भर में आगजनी हुई और दर्जनों लोगों को गिरफ़्तार किया गया।

आंसू गैस का इस्तेमाल

टेलीविजन फ़ुटेज में फ़ैन्स को पटाखे चलाते, फ़्लेयर्स जलाते और बड़ी संख्या में इकट्ठा होते देखा गया। पुलिस ने कुछ इलाकों में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जबकि स्टेडियम और शहर के अन्य हिस्सों के आस-पास छोटी-मोटी झड़पों की भी खबरें आईं। पेरिस पुलिस ने 130 से ज़्यादा लोगों को गिरफ़्तार कर लिया था।

22 हजार पुलिस अधिकारी तैनात

फ्रांस ने बड़े पैमाने पर होने वाले जश्न की आशंका को देखते हुए पूरे देश में 22 हजार पुलिस अधिकारियों को तैनात किया था। ऐसा उसने एक साल पहले पीएसजी की पहली चैंपियंस लीग जीत के बाद हुई अशांति को ध्यान में रखते हुए किया था।

फ्रेंच ओपन : पहली बार क्वार्टर फाइनल में कोस्त्युक, स्वियातेक को हराया

एजेंसी ▶▶ पेरिस

मार्टा कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। कोस्त्युक ने इस सत्र में अभी तक क्ले कोर्ट पर कोई मैच नहीं गंवाया है। इससे पहले स्वियातेक के खिलाफ उन्हें तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा था। यहां तक की उन्होंने विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक सेट भी नहीं जीता था। रविवार को अपना 25वां जन्मदिन मना रही स्वियातेक ने पहले सेट में अच्छी चुनौती पेश की लेकिन इसके बाद कोस्त्युक हावी हो गई और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। स्वियातेक ने 2024 में फ्रेंच ओपन जीता था लेकिन उसके बाद वह क्लेकोर्ट पर कोई खिताब नहीं जीत पाई।

पहली बार क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टिया

सत्र के अंत में संन्यास लेने की योजना बना रही रोमानियाई अनुभवी खिलाड़ी सोराना क्रिस्टिया ने चीन की क्वालीफायर वांग जियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर अपने दूसरे रोलां गैरां क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उन्होंने 17 साल बाद पहली बार अंतिम आठ में जगह बनाई।

कोको गॉफ का अभियान समाप्त

मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया, जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की। इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हरियाणा के पहलवान छाए

दीपक, अमन, सुनील और सुजीत ने टीम में बनाई जगह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय कुश्ती टीम के चयन ट्रायल्स रविवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (साईं) सेंटर लखनऊ में संपन्न हुए। इसमें सभी खिलाड़ी हरियाणा के हैं।

ये रहे विजेता

▶▶ **97 किलोग्राम वर्ग:** दीपक पुनिया ने नए भार वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए फाइनल मुकाबले में जॉइंटी कुमार को 7-0 से एकतरफा शिकस्त दी और एशियाई खेलों का टिकट पक्का किया।

▶▶ **57 किलोग्राम वर्ग:** पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने फाइनल में राहुल को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 11-1 से करारी शिकस्त दी।

▶▶ **65 किलोग्राम वर्ग:** एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता सुजीत कलकल ने एक बेहद करीबी और रणनीतिक मुकाबले में विशाल कालीरामन को 2-0 से हराकर जीत दर्ज की।

▶▶ **74 किलोग्राम वर्ग:** सागर जगलान ने जयदीप के खिलाफ कड़े मुकाबले में 8-6 से जीत हासिल कर अपनी जगह पक्की की।

▶▶ **86 किलोग्राम वर्ग:** मुकुल ने अमित को एक रोमांचक मैच में 4-2 से पराजित किया।

▶▶ **125 किलोग्राम वर्ग:** रजत राहुल ने दिनेश को 10-6 के स्कोर से हराकर एशियाई खेलों का टिकट हासिल किया।

▶▶ 87 किलोग्राम ग्रीको रोमन में सुनील का चयन हुआ।

इंडोनेशिया के अल्फियन और फिकरी की जोड़ी को हराया

सिंगापुर ओपन: सात्विक-चिराग बने चैंपियन

एजेंसी ▶▶ सिंगापुर

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता।

एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब है। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया।

जीत के बाद कोर्ट पर किया डांस

जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

दो साल के खिताबी सूखे को किया खत्म

पहले गेम पिछड़ने के बाद बढ़ाई गति

कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया। यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही।

सिंगापुर ओपन जीतने वाली बनी पहली भारतीय पुरुष जोड़ी

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे। सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी।

सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कार्यभार संभालते ही कहा- स्वदेशी हथियारों के विकास और तीनों सेनाओं के इंटीग्रेशन पर तेजी से करेंगे काम

एआई फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान और चीन मामलों के एक्सपर्ट के रूप में मशहूर जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्हें महत्वाकांक्षी मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान को लागू करने और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करने का प्राथमिक दायित्व दिया गया है। जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है, जिन्होंने शनिवार को देश के सर्वोच्च सैन्य कमांडर के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद को छोड़ा है। बता दें कि मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान भारतीय सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) को एक साझा भौगोलिक क्षेत्र के तहत एकीकृत करने की एक महत्वाकांक्षी रक्षा सुधार योजना है। इसके तहत वर्तमान में अलग-अलग काम करने वाली 17 सिंगल-सर्विस कमानों को मिलाकर तीन प्रमुख एकीकृत थिएटर कमांड में तब्दील किया जा रहा है, ताकि युद्ध या आपातकाल के समय तीनों सेनाएं एक ही कमांडर के नेतृत्व में मिलकर त्वरित और अचूक कार्रवाई कर सकें। तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में इस योजना के अंतिम प्रस्ताव को मंजूरी की प्रक्रिया में लाया गया है, जिसे भारत की सैन्य रणनीति का अब तक का सबसे बड़ा पुनर्गठन माना जा रहा है।

तीनों सेनाओं का तालमेल बढ़ाने पर होगा फोकस

बता दें कि जनरल सुब्रमणि, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के तौर पर कार्यरत थे। पिछले साल 31 जुलाई को सेना उप प्रमुख के पद से जनरल सुब्रमणि रिटायर हुए थे। सीडीएस का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, जनरल सुब्रमणि ने कहा कि सशस्त्र बलों का रूपांतरण, तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और एकीकरण को बढ़ाने के लिए संगठनात्मक सुधार उनका प्राइमरी टारगेट होगा।

स्वदेशी हथियार पर रहेगा जोर

सीडीएस जनरल सुब्रमणि ने यह भी कहा, हम अपने सशस्त्र बलों में स्वदेशी हथियार सिस्टम के डेवलपमेंट, उनको सेना में शामिल करने और सेनाओं के एकीकरण की दिशा में में तेजी काम करेंगे। हमारी सेनाओं ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा में लगातार प्रोफेशनलिस्म और निर्णायक क्षमता का प्रदर्शन किया है। हम अपने भारत की संप्रभुता बनाए रखने और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साहस के साथ करेंगे देश की सेवा

जनरल सुब्रमणि ने आगे कहा, 'मैं भारत के नागरिकों को आश्वासन देना चाहता हूं कि सशस्त्र बल, समर्पण, साहस, सम्मान और प्रोफेशनलिस्म के साथ देश की सेवा करना जारी रखेंगे।

सीडीएस को अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों का है अनुभव

अपने 40 साल से ज्यादा के करियर में, जनरल सुब्रमणि ने अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। साथ ही, कमांड, स्टाफ और प्रशिक्षण से जुड़े कई पदों पर रह चुके हैं। जनरल सुब्रमणि ने 1 जुलाई, 2024 से 31 जुलाई, 2025 तक सेना के उप प्रमुख के तौर पर और मार्च, 2023 से जून, 2024 तक सेंट्रल कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया है।

खबर संक्षेप

बिना पायलट का शिकारी विमान! करेगा विध्वंश

नईदिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा सहयोग अब सिर्फ पारंपरिक सैन्य अभ्यासों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि भविष्य की अत्याधुनिक हवाई युद्ध तकनीक की ओर भी तेजी से बढ़ रहा है। इसी दिशा में हुए 12वें एयर स्टाफ टॉक्स के दौरान बोइंग का एमक्यू-28 घोस्ट बेट एक बड़े आकर्षण के रूप में सामने आया, जिसने भविष्य के एयर कॉम्बैट सिस्टम को लेकर दोनों देशों की साझा रुचि को उजागर किया। इस विमान को लेकर भारत और आस्ट्रेलिया दोनों ही देशों में उत्साह देखा जा रहा है।

आज पीएम मोदी मिलेंगे म्यांमार के राट्रपति से

नई दिल्ली। म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग आज सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करेंगे, जिसमें सीमा सुरक्षा, कनेक्टिविटी परियोजनाएं, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों पड़ोसी देशों के बीच चर्चा में प्रमुखता से शामिल होने की उम्मीद है। म्यांमार के नेता शनिवार को पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे, यह उनकी वर्तमान क्षमता में भारत की पहली यात्रा है, जो पड़ोस और हिंद-प्रशांत रणनीति में स्थान रखने वाले देश के साथ नई दिल्ली की निरंतर भागीदारी रहेगी।

चीन की मिसाइल से ईरान में गिरा अमेरिकी विमान

नई दिल्ली। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए अमेरिकी एफ-15 फाइटर जेट को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस लड़ाकू विमान को चीन निर्मित शोल्डर-फायर्ड मिसाइल से निशाना बनाया गया हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने ईरान को संघर्ष के दौरान अतिरिक्त सैन्य सहायता भी दी हो सकती है। इसमें स्टेल्थ एयरक्राफ्ट तकनीक और लंबी दूरी की रडार प्रणालियां भी शामिल की गई हैं।

फरवरी में बनी थी ट्रेड डील की रूपरेखा

भारत-अमेरिका के बीच फाइनल ट्रेड डीलः आज से बैठक, टैरिफ-तेल और रक्षा समझौतों पर लगेगी मुहर?

दोनों देश पहले चरण के अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के साथ-साथ दीर्घकालिक व्यापक व्यापार समझौते के लिए कानूनी और नीतिगत ढांचे पर भी चर्चा करेंगे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बदला समीकरण

जानकारों ने कहा- ये प्रस्ताव भारत के हित में है

एआई फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है, अब केवल इस डील पर ऑफिशियल मुहर लगनी बाकी है। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी आज यानी 1 जून से नई दिल्ली में चार दिनों तक बैठक करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी। भारत की तरफ से इस डील में नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। वहीं अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करने वाले हैं। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक में कई अहम विषयों पर बातचीत होगी। भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी 2026 को एक संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तय की थी। इसके तहत दोनों देशों ने चरणबद्ध तरीके से व्यापारिक बाधाएं कम करने और टैरिफ में राहत देने पर सहमति जताई थी। समझौते के तहत अमेरिका ने भारत पर लगाए गए शुल्कों में कटौती करने का आश्वासन दिया था। अमेरिका ने पहले भारत से आयात होने वाले कई उत्पादों पर 50% तक शुल्क लगाया था, जिसे घटाकर 18% करने की बात कही गई थी। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 25% अतिरिक्त शुल्क को भी हटाने और शेष शुल्क को 18% तक सीमित करने का प्रस्ताव था। अमेरिका की घरेलू राजनीति और टैरिफ नीति में बदलाव के कारण वार्ताओं की दिशा प्रभावित हुई। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पॉवर्स एक्ट के तहत लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को चुनौती देने वाले मामले में फैसला सुनाया। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से सभी देशों पर 150 दिनों के लिए 10% समान शुल्क लागू करने की घोषणा कर दी। इस फैसले के बाद फरवरी में प्रस्तावित भारत-अमेरिका वार्ता टल गई थी। ट्रेड डील पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अप्रैल 2026 में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वॉशिंगटन की यात्रा की और बात को आगे बढ़ाया।

भारत की ओर से बड़े प्रस्ताव

- भारत ने व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कई कृषि वस्तुओं पर शुल्क घटाने या समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। जिसमें डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स,
- रेड सोरघम (पशु आहार), ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स इसके बदले भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से लगभग 500 अरब डॉलर मूल्य के उत्पाद खरीदने की इच्छा जताई है। इसी तरह ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान कलपुर्जे, बहुमूल्य धातुएं, प्रौद्योगिकी उत्पाद, कोकिंग कोल आदि को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।

भारत का निर्यात 87.3 अरब डॉलर पहुंचा

- अमेरिका वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर सामने आया। भारत का अमेरिका को निर्यात बढ़कर 87.3 अरब डॉलर पहुंच गया।
- अमेरिका से आयात 15.95% बढ़कर 52.9 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार अधिशेष घटकर 34.4 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 40.89 अरब डॉलर था।
- विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका के सभी देशों पर समान 10% शुल्क लागू किए जाने के बाद वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धा का नया माहौल बन गया है। ऐसे में भारत और अमेरिका दोनों अपने-अपने हितों के हिसाब से समझौते की शर्तों में बदलाव कर सकते हैं।

ये हैं बातचीत के मुद्दे

- बाजार पहुंच
- गैर-शुल्क बाधाएं
- सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा
- निवेश प्रोत्साहन
- आर्थिक सुरक्षा सहयोग
- सप्लाई चेन से जुड़ी रणनीतिक साझेदारी

पीट हेगसेथ ने तेहरान को दी कड़ी चेतावनी

ईरान-अमेरिका युद्धः समझौता करो या युद्ध के लिए ही बात करो

ईरान ने अमेरिका के परमाणु डील के प्रस्ताव को नकारा, इससे बढ़ी नाराजगी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

ईरान ने ट्रंप के परमाणु डील के प्रस्ताव को नकार दिया है। लेकिन परमाणु वार्ता पर अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने धमकी भरे लहजे में कहा, ईरान हमारी दिशा में आगे बढ़ रहा है और बातचीत फलदायी रही है, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, वह या तो अब किसी समझौते के माध्यम से ऐसा कर सकता है या युद्ध विभाग के साथ समझौता कर सकता है।

प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान होर्मुज पर अपने नियंत्रण और प्रबंधन को औपचारिक रूप देने के लिए एक कानून पर काम कर रहा है, जो अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते में एक अहम मुद्दा है। वहीं दूसरी तरफ ईरानी सांसद अलीरेज़ा सलीमी के हवाले से कहा गया है कि होर्मुज को लेकर इस तरह के कानून के लिए बनाए जा रहे एक विधेयक पर जल्द ही मतदान कराया जाएगा। ईरान ने शनिवार को कहा कि उसने क़ेशम द्वीप के ऊपर एक घुसपैठिए ड्रोन को रोका। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना ने एक बयान में कहा कि आक्रामक अमेरिकीइजरायली दुश्मन से संबंधित एक छोटा और हल्का ड्रोन' का पता लगाया गया और सेना वायु रक्षा बल द्वारा उसे मार गिराया गया।

बंदरगाह में घुसने वाले शिप को रोका गया

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना ने एक और व्यापारिक पोत को रोका है, जिसने कथित तौर पर अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकाबंदी को तोड़ने का प्रयास किया था। बताया जा रहा है कि गाम्बिया के ध्वज वाले मालवाहक पोत लियान स्टार ने रात भर ईरानी बंदरगाह में प्रवेश करने की कोशिश करते हुए अमेरिकी सेना की बार-बार दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया। अधिकारी ने बताया कि बाद में ओमान की खाड़ी में अमेरिकी विमानों ने पोत को निष्क्रिय कर दिया और वह वर्तमान में उसी क्षेत्र में बह रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कोई भी अमेरिकी कर्मी पोत पर नहीं चढ़ा है।

दिन-रात चलाया ऑपरेशन

कसौली की आग बुझाने में जुटी वायुसेना,चल रहा बड़ा अभियान

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश के कसौली क्षेत्र में लगी भीषण जंगल की आग को नियंत्रित करने के लिए भारतीय वायु सेना ने दिन-रात लगातार हवाई अग्निशमन अभियान चलाया। वायुसेना ने एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों की मदद से प्रभावित क्षेत्र में 93,000 लीटर से अधिक पानी का छिड़काव कर आग को व्यापक विनाश का रूप लेने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वायुसेना को 26 मई को कसौली के निकट जंगल में आग लगने की सूचना मिली थी। स्थिति का आकलन करने के लिए तत्काल एक चीता हेलीकॉप्टर भेजा गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए एमआई-17 वी5 मीडियम लिफ्ट हेलीकॉप्टर तैनात किए गए। कसौली के सोलन जिले स्थित कसौली बीट क्षेत्र में लगी आग ने लगभग 10 हेक्टेयर वन क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया था।

ट्रंप के दावे पर ईरान का पलटवार

होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध अब भी बरकरार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर लगाए गए नौसैनिक प्रतिबंध हटाने के दावे के बावजूद ईरानी जहाजों को अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। ईरानी नौसैनिक अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंध अभी भी लागू हैं और अमेरिकी केंद्रीय कमान की ओर से जहाजों को क्षेत्र में प्रवेश न करने की चेतावनी दी जाती रहती है। ट्रंप ने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी अब हटा ली जाएगी। इसी पोस्ट में उन्होंने ईरान के साथ संभावित समझौते की शर्तें भी रखीं। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने पर सहमत होना होगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, ट्रम्प ने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोल दिया जाना चाहिए, ताकि दोनों दिशाओं में बिना किसी प्रतिबंध के जहाजरानी हो सके और सभी समुद्री बारूदी सुरंगें हटा दी जाएं।

भुज में शाह की उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक

सीमा सुरक्षा और घुसपैठ रोकने दिया बड़ा प्लान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीमावर्ती क्षेत्रों में जीरो टॉलरेंस की नीति

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े सुरक्षा मुद्दों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी सहित राज्य सरकार और सीमावर्ती जिलों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सीमा सुरक्षा, घुसपैठ, तस्करी, आर्थिक अपराध और तटीय सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। अमित शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंसिंग, समुद्री सीमा सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि राज्य में घुसपैठ और सीमा पार तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से 0 से 15 किलोमीटर के दायरे में किसी भी अनधिकृत अतिक्रमण को जीरो टॉलरेंस नीति के तहत समाप्त किया जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में कट्टरपंथी गतिविधियों के संभावित केंद्रों पर भी लगातार निगरानी रखने की आवश्यकता बताई। अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में जिला मजिस्ट्रेट नियमित रूप से जनसांख्यिकी परिवर्तनों की निगरानी करें और इसकी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के कारण हो रहे रिवर्स माइग्रेशन को सकारात्मक संकेत बताया। बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि पहले से बसे अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने के लिए प्रशासन के सभी स्तरों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

बातचीत से मसला सुलझाने का भरोसा दिया

नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया लिपुलेख पर ब्रिटेन मध्यस्थ बनेः बालेन शाह

यह विवाद 1816 की सुगौली संधि पर है आधारित

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र(बालेन) शाह ने भारत से लगी सीमा को लेकर देश की संसद में एक विवादित बयान दिया है। श्रम संस्कृति पार्टी के सांसद आरेन राय के सवाल का जवाब देते हुए पीएम शाह ने कहा, प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे पता चला कि न केवल भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की भूमि पर कब्जा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस संवेदनशील मामले पर दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर विचार करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री शाह ने संसद को आश्वस्त किया कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी के सीमा विवाद को कूटनीतिक बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेपाल इस संबंध में भारत को आधिकारिक कूटनीतिक नोट भेज चुका है, जिसके जवाब में भारत ने दोनों देशों के इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की टीमें बनाकर समाधान तलाशने की बात कही है।

क्या है विवाद?

भारत और नेपाल के बीच यह विवाद 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। नेपाल का दावा है कि महाकाली नदी को सीमा मानकर ये क्षेत्र उसके भू-भाग में आते हैं। वहीं, भारत का रुख स्पष्ट है कि ये इलाके उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का अभिन्न हिस्सा हैं, जहाँ 1950 के दशक से भारतीय सीमा चौकी मौजूद है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग को पूरा करना प्राथमिकता

2025-26 में अडाणी समूह की कंपनियों का संयुक्त राजस्व 2.92 लाख करोड़ रुपए रहा

अडाणी बोले- पीछे छूट चुके अमेरिका में कानूनी मामले अब विकास के अगले चरण को गति देने पर है फोकस

समूह का कर पश्चात लाभ 13.9 प्रतिशत बढ़कर 46,377 करोड़ रुपए पर पहुंच गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अरबपति उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अडाणी ने कहा कि अमेरिका में अडाणी समूह से जुड़े कानूनी मामलों का अध्याय अब पीछे छूट चुका है। समूह अब अपनी अगली विकास यात्रा पर पूरी मजबूती के साथ फोकस कर रहा है। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह अब ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निवेश को तेज करने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि समूह के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती पूंजी जुटाना नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती बुनियादी ढांचा और ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए परियोजनाओं को तेजी से लागू करना है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विस्तार के साथ बिजली की खपत बढ़ाने वाले डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन ने समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी इंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू को निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह उस समय हुआ जब समूह को कॉरपोरेट गवर्नेंस और नियामकीय मुद्दों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा, यह ऐसा वर्ष था, जब दुनिया और अधिक विभाजित और जटिल होती जा रही थी।

न हम झुके न हम रुके

गौतम अडाणी ने कहा कि यह प्रगति आसान परिस्थितियों में नहीं हुई। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक फैले समूह को असाधारण जांच-पड़ताल और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन हम झुके नहीं और न ही रुके। उन्होंने आगे कहा, हमारी पहचान हमारे आसपास के शोर से नहीं, बल्कि हमारी प्रतिक्रिया की ताकत से होती है। हमारी पहचान चुनौतियों की तीव्रता से नहीं, बल्कि हमारे उद्देश्य की स्पष्टता से होती है। आलोचनाओं से नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के उस विश्वास से होती है, जिस पर हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका में चल रहे कानूनी मामलों से जुड़ी बातें अब पीछे छूट चुकी हैं। इससे हमें नए आत्मविश्वास और विश्वास के साथ अपनी अगली विकास यात्रा पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिला है। उन्होंने समूह की रणनीति को दो प्रमुख विकास स्तंभों इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटेलिजेंस पर आधारित बताया। उनका कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते उपयोग के कारण बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन नेटवर्क, डाटा केंद्र और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109